



# NAGRAJ DIGESTS

1

TEN IN ONE

Masani  
Gurban



**राज**  
कॉमिक्स  
विशेषांक

SPECIAL COLLECTOR'S EDITION

# नागराज

डायजेस्ट 1

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शागिरी
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज

Set of 10 Comics

Harsh  
Gupta





# नागराज

नागराज सीरीज का प्रथम कॉमिक्स

नागराज  
का एक पोस्टर  
मुफ्त



PRATAP  
MULICK



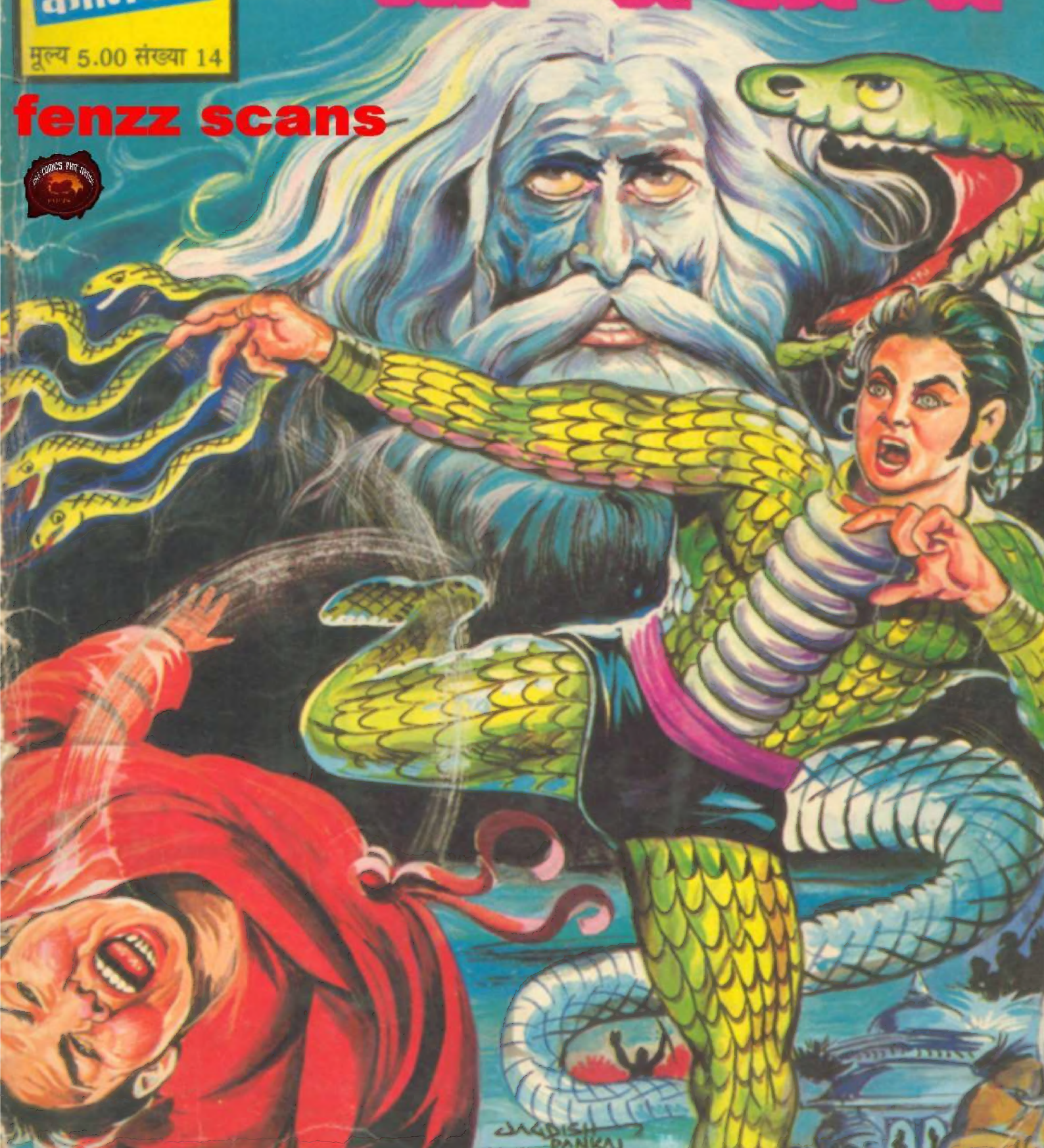


**राज**  
**कॉमिक्स**

मूल्य 5.00 संख्या 14

# नागराज

**fenzz scans**





राज कॉलेक्स की  
एक दुर्लभ खोज

**fenzz scans**

# नागराज

चित्रकथा:

परशुराम शर्मा  
चित्रांकन: प्रताप मुलिक

सम्पादक:

मनीष चंद्रगुप्त

आतंकवादी गिरोहों की तबाही का देवता

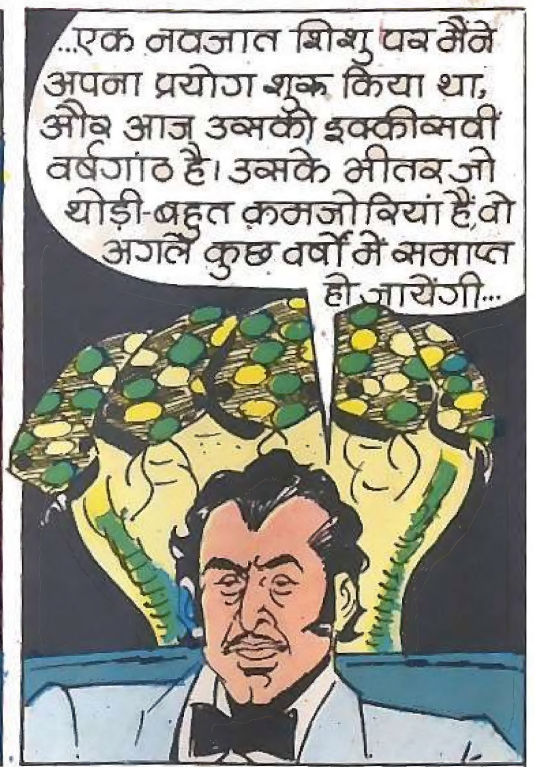
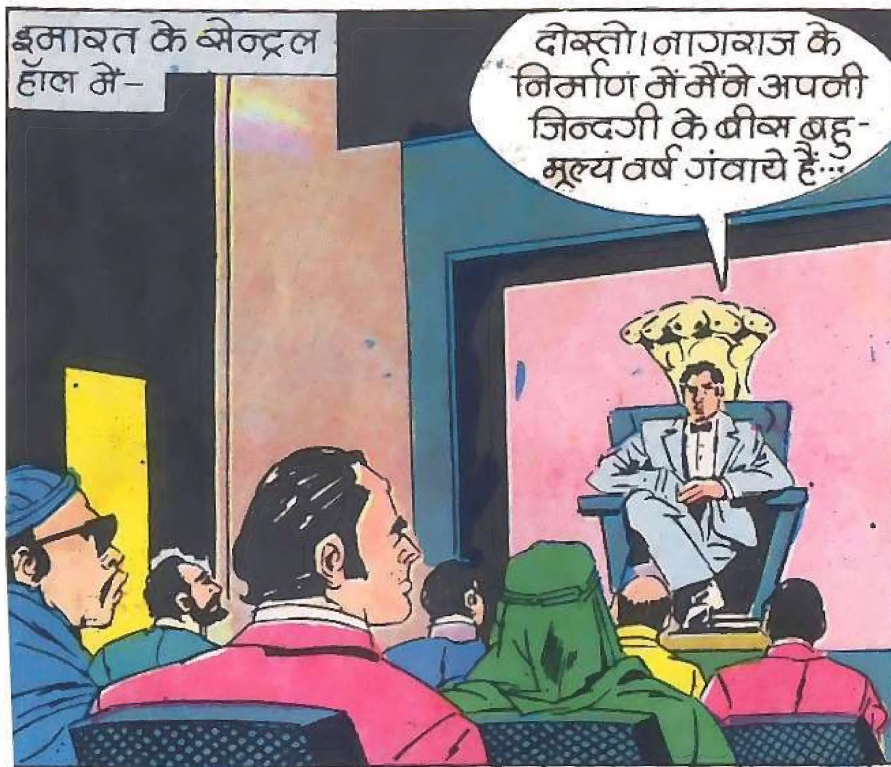
संसार में फैले उग्रवादी संगठनों के नेताओं को प्रोफेसर नागमणि ने गोपनीय निमंत्रण भेजा। बक्सों से नागमणि का सम्पर्क इन लोगों से बना हुआ था। प्रोफेसर द्वारा उन्हें महत्वपूर्ण सूचनायें मिला करती थीं। लेकिन इस बार कोई विशेष बात थी। प्रोफेसर ने उन्हें सूचना दी थी कि वह आतंकवादी गिरोहों के लिये सबसे खतरनाक हथियार बनाने में कामयाब हो गया है और अब अपने इस हथियार की बिक्री पर चलाना चाहता है। उसने इस हथियार का नाम रखा था-“नागराज”।

बंगलूर की एक आलीशान इमारत में विभिन्न देशों से आये आतंकवादी नेता एकत्रित हो रहे थे।



[www.fenzz.co.nr](http://www.fenzz.co.nr)







## नागराज

उसी के लिये आप सबको बुलाया है। आप उसकी उपयोगिता का अनुमान स्वयं लगा सकते हैं। वह कमप्यूटर नहीं है, परन्तु इंसान होते हुये भी कमप्यूटर से तेज कार्य की क्षमता रखता है।

आश्चर्यजनक! एक इंसान कमप्यूटर की भाँति कर जाये।

हो सकता है यह जगह हो।

नागराज अभी सामने के मंच पर प्रकट होगा, जहाँ आप उसकी क्षमताओं और ताकत का प्रदर्शन देखेंगे।

नागराज मंच पर प्रकट हो गया।

सभी मेहमानों को नागराज का अभिवादन!

आप लोग दुनिया में बबरनाक आतंकवादी संगठनों के सब-दांव हैं। आप सभी किसी न किसी फन में महाबत हासिल किये हुये हैं। आप में से चाब ऐसे व्यक्ति मंच पर आ जायें, जिनका निशाना अच्छा हो।

हॉल में चाब व्यक्ति उठकर मंच पर आ गये।

सबसे पहले आप लोग अपना परिचय दें।



ते अपना परिचय देने लगे।

मुझे जानी कहते हैं। मैं टैक्सज का सबसे बरतबनाक गन मेन हूँ, जिसकी कोई भी गोली आज तक खाली नहीं गई।

मुझे यूसुफ बिन अली खान कहते हैं। मिडिल ईस्ट में मुझे मोत का बौद्धा-जब कहा जाता है। अगर आप कहें कि उड़ती चिड़िया की आँख पर गोली मारनी है तो गोली आँख पर ही लगेगी।

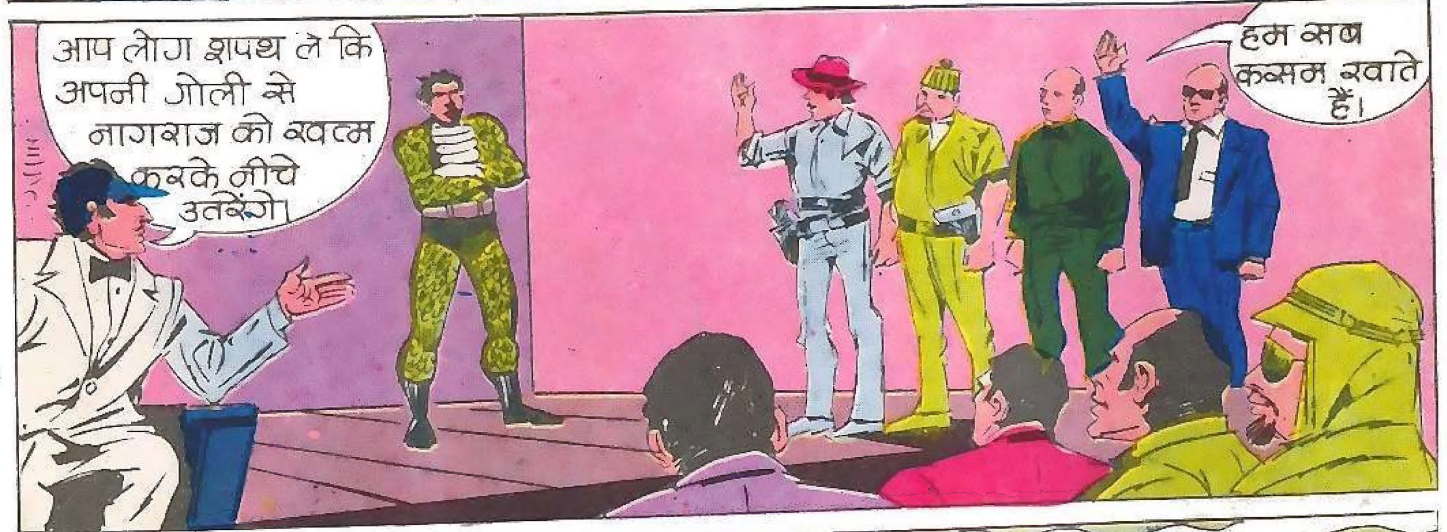
मैं डॉन हूँ। यूरोप का सबसे बरतब-नाक गन मास्टर।

मैं हूँ हुड। पश्चिमी जर्मनी में मुझे निशाने का नॉबिन हुड कहा जाता है।



आप लोग शपथ लें कि अपनी गोली से नागराज की बरतम करके नीचे उतरेंगे।

हम सब कसम खाते हैं।



मैं इस घड़ी में अलार्म भ्रर रहा हूँ। एक मिनट के अंदर-अंदर अलार्म बजेगा और अलार्म बजते ही आप अपनी गन निकाल कर नागराज पर फायर कर सकते हैं।

एक मिनट बाद -

दिन दिन दिन









चारों वापिस अपनी सीटों पर बैठ गये।

अब मैं किसी फाइटर को तलब करता हूँ, जो जिस विद्या का फाइटर होगा, नागराज उसी फन का प्रदर्शन करेगा।



मैं मार्शल आर्ट का महारथी हूँ।

यस, आई एम ए कुंगफू मैन।



मार्शल आर्ट के दोनों योद्धा मंच पर आगए।

और कोई है इस आर्ट का महारथी ?  
नागराज तुम दोनों का अकेला प्रतिद्वंदी होगा।  
इसे बरतन कर दो।



और फिर-



फुक्सऽऽ

फुक्सऽऽ

यह स्नेक हैड है।

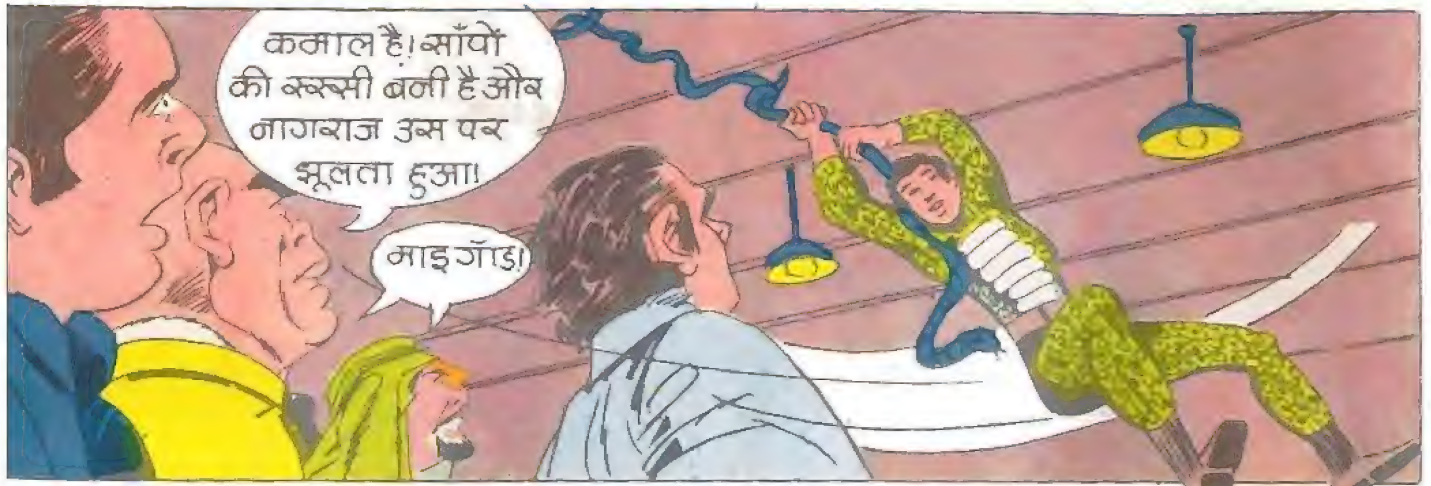
मैं इसके सामने पहले दर्जे के बालक की तरह लड़ा।











इसके अलावा भी नागराज की बहुत-सी विशेषताएँ हैं, जो संभय आने पर आपको मालूम हो जायेगी। जोलियों से छलनी होते पर नागराज खुद ही उन्हें निकालकर अपने मार्ग पर चलता बनेगा और इसके शरीर से एक बूँद भी बरूण नहीं टपकेगा।

इसके शरीर के बक्ताणु आम इंसानों की तरह नहीं हैं। उनकी प्रक्रिया बड़ी तेज और सुबक्षित है। नागराज के जिक्क पर जक्क होते ही उनका काम मशीनी अंदाज में शुरू होता है। पहले ये बक्ताणु अंदर पहुँच चुके हानि-कारक पदार्थ को बाहर निकाल देते हैं और फिर...











शाम की पार्टी में-

मिस्टर बुलडाज! बर्धाई हो। क्या आपने हिन्दुस्तान में तोड़फोड़ के लिये कोई बहुत बड़ा ठेका ले लिया है?

यह तो सौदा है भई। मैं उससे एक क्यूब का क्का भी डलवा सकता हूँ।



फिर तो तुम्हारी विगाह में जरूर कोई बहुत बड़ा खजाना है।

अपना-अपना करीबार है।



हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। हम अगले माह की बुकिंग कर लेंगे।



आतंकवादी गिरोहों के सरदारों का यह सम्मेलन समाप्त हो गया और बुलडाग नागराज की लेकर चल पड़ा।



हमारे उग्रवादी बेगार कैम्प चला रहे हैं और उनके कैम्प आसाम के जंगलों में हैं। हम ऐसे ही एक कैम्प में उतरेंगे।



यहाँ के लोग गरीबी की सतह से निम्नस्तर की जिन्दगी गुजारते हैं। ऐसे लोगों की गरीबी हम बेगार कैम्पों के द्वारा दूर करते हैं।

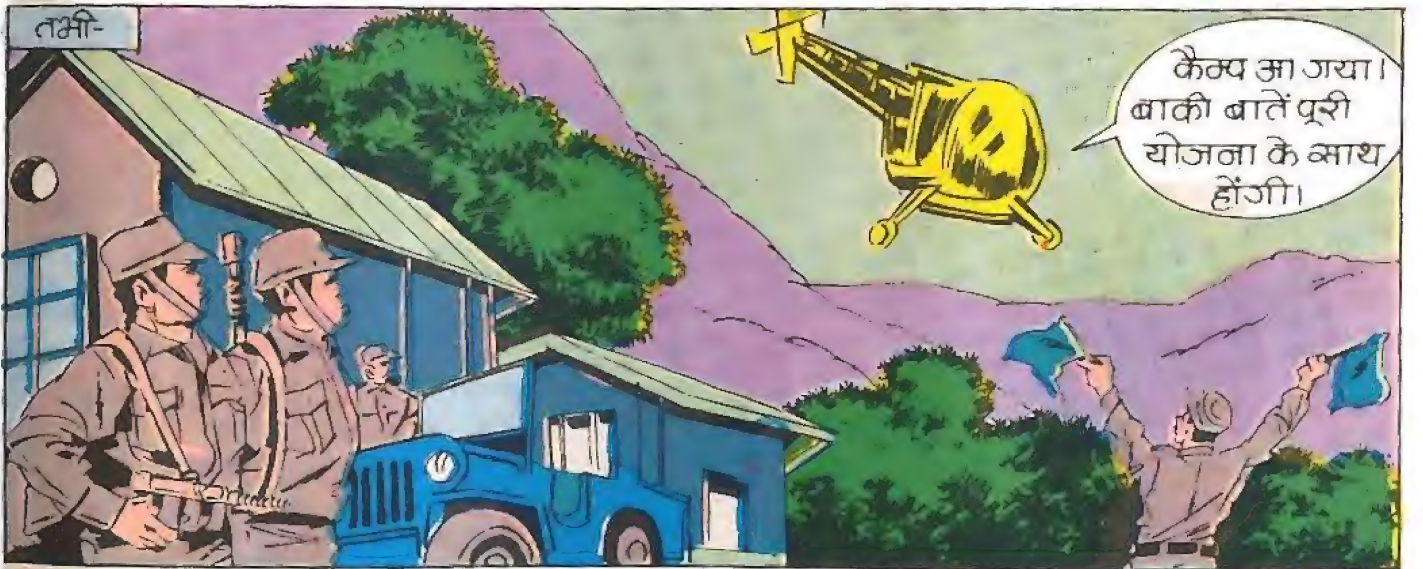
याही गरीबी को देशद्रोह के लिये तैयार किया जाता है।

















बाद में एक सम्प्रदाय का इस पर एक छत्र अधिकार हो गया, क्योंकि ये लोग दूसरे सम्प्रदाय से हर स्तर में मजबूत थे। धन से भी और ताकत से भी।



दूसरे सम्प्रदाय वाले भी अगड़ा बरत करके इनमें आ मिले और फिर यह विवाद लगभग समाप्त हो गया...



...अगर इस मन्दिर के भीतर बरवी मूर्ति गायब कर दी जाये तो हमारा काम हल हो जायेगा।



वह किस तरह?

हम यह अफवाह फैला देंगे कि मूर्ति दूसरे सम्प्रदाय के लोगों ने चुरा ली है। दंगा भड़क जायेगा और जब तक मूर्ति मन्दिर में वापिस नहीं लौटेगी दंगा शांत नहीं होगा।

तो फिर तुमने अब तक यह काम किया क्यों नहीं?



यह काम इतना आसान होता तो कभी का हो गया होता। वह मूर्ति कबोड़ों की है और उसकी रक्षा मन्दिर में रहने वाले भैंकड़ों नाग करते हैं।

नाग!



सॉप कैसे तो किसी को कुछ नहीं कहते, परन्तु कोई भी व्यक्ति जब मन्दिर में घुसे इरादे से जायेगा तो नाग उसे डस लेंगे। हमारे पाँच आदमी इसी रातक कर में मारे गये।

ओह! यह तो कोई तिलिक्का मामला है।

और तुम इस तिलिक्का की तोड़ सकते हो?



बेशक मैं तोड़ दूंगा।









## नागराज





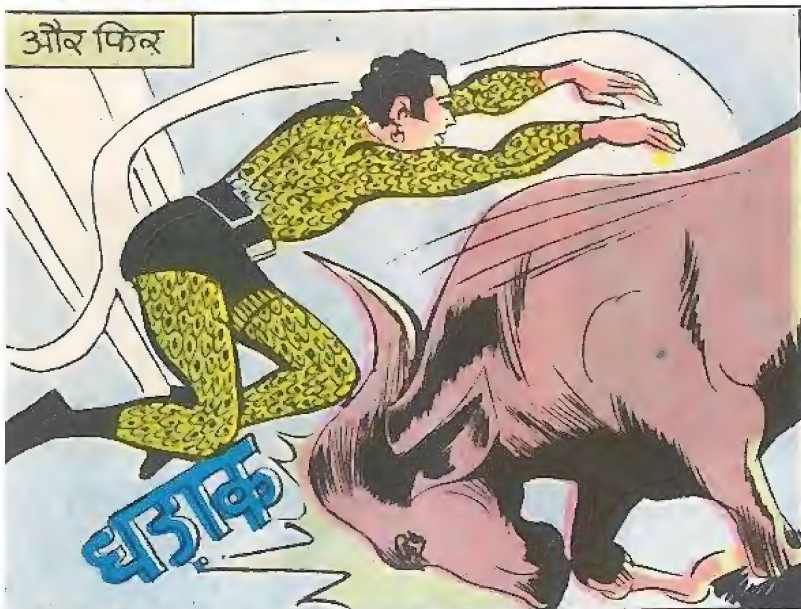
अरे, यह क्या? एक की  
बजाय दो-दो जंगली  
मेंसे! यह तो जंगल  
के राजा के साथ  
आइंसाकी है।



मल्ल युद्ध में एक का  
मुकाबला दो से नहीं  
होता। तुम में से एक की  
सेबे साथ लड़ना होगा।



और फिर



अब बोल,  
तेबे साथ क्या  
बलूक किया  
जाये?



बस, मैं तेरी गर्दन की  
एक हड्डी तोड़ देता  
हूँ और फिर तेरा  
बवेल बवल्स।



उधर शीर भी अपने दुश्मन को मार चुका था।

हम  
दोनों अलग-  
अलग क्षेत्र के  
राजा हैं।















नागराज के शरीर पर डसने वाला साँप पानी बलकब पिघल जाता था।

देख लो नाग-राज पर जह्व उगलने का अंजाम।

बचे हुअ नाग, नागराज की जहरीली फुंकारों से धावाझापी हो गया।

और फिर नागराज मूर्ति की तरफ लपका।



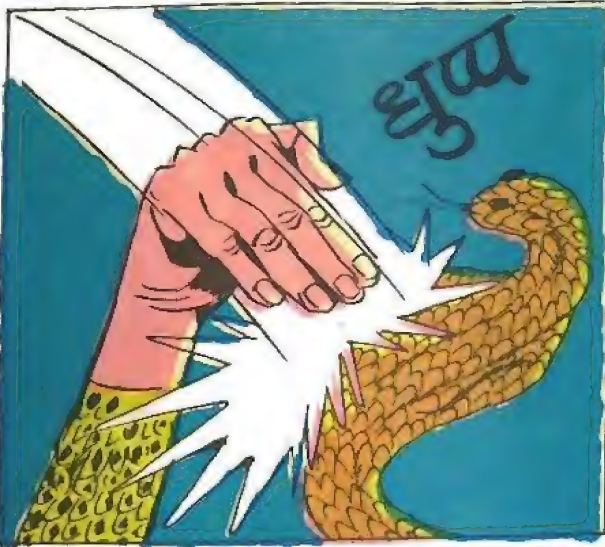
लेकिन तभी-



यह मुंकाबला जैवदाव रहेगा। मेरी जहरीली फुंकार का इस पर प्रभाव नहीं हुआ। इसका मतलब यह किसी विशेष दर्जे का नाग है।

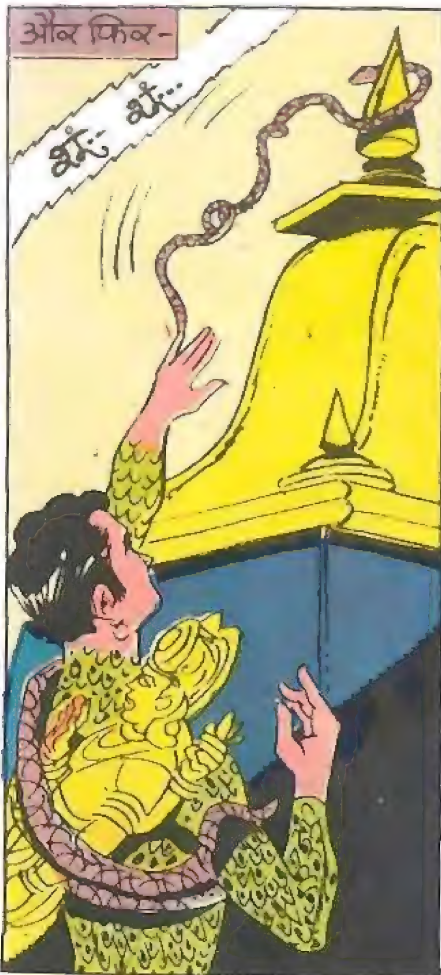








और फिर-



गरत कहते चौकीदार ने  
मन्दिर के गुम्फद पर  
प्रकाश देखा तो-



वह कौन है मन्दिर  
के गुम्फद पर?

बस्ती में बाबर और वृद्धि बज  
उठे, जो बवतरे का संकेत था।



हुं हुं हुं हुं

ओह!  
बवतरा! मुझे  
इस बस्ती  
में तुरन्त  
निकल जाना  
चाहिये।

वह भाग रहा है। पकड़ो  
...धर लो...  
जाने न पाये।



कलीलों को  
बवबर कर दो। चारों  
तर्फ से धरवा  
डालो।



बक

तीर-भालों  
की बौछार  
चल पड़ी।

बक

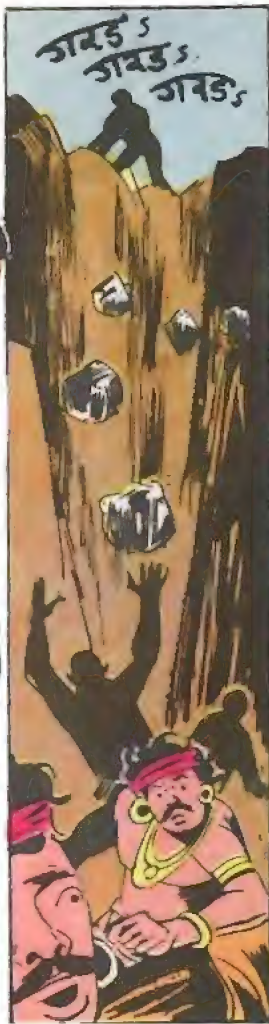
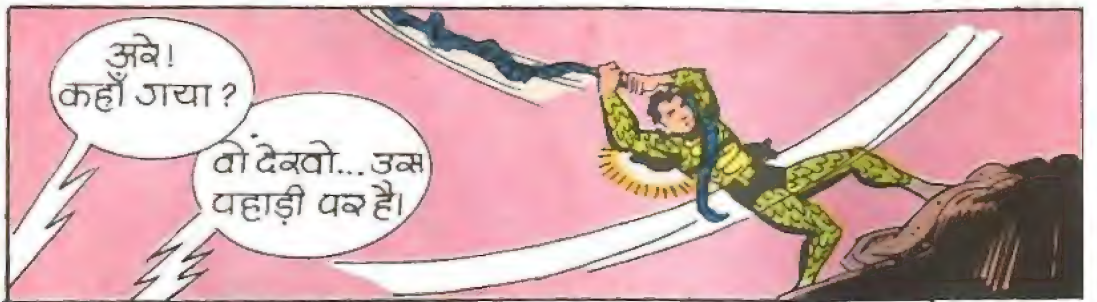
बक

जिप्प













अब इन तीर आलें  
मे कुछ नहीं  
होने वाला।



और सुख हो गयी।

बड़ा भयंकर जोखिम भरा मिशन  
था। यह सामने की बस्ती मेरे दोस्तों  
की है। इससे आगे मुझे कोई  
बचत नहीं।



नागराज को डवर्ड की मदद से बेले कबीले के  
सबरदार तक पहुँच गया।

मैं कामयाब हो  
गया हूँ। अब  
तुम लोग अपना  
काम शुरू  
कर दो।

हमले की  
तैयारी  
करो।



दूसरे कबीले में-

बेले

समूदाय के लोग हमारी  
बस्ती पर हमला बोलने जा रहे  
हैं, तैयार हो जाओ। हम ईंट का  
जवाब पत्थर से देंगे।



नागराज उस पुल पर पहुँचा, जहाँ राका की टोली  
उसका इंतजार कर रही थी।

वह आ  
गया। तैयार  
रहो।



मैं मूर्ति लेकर आ  
गया हूँ राका।

मूर्ति मेरे हवाले  
कर दो।

नहीं, मुझे  
हिदायत है कि इसे  
बुलडाग तक  
पहुँचाना है।



लेकिन तुम्हें इसे मेरे  
हवाले करना ही होगा। एक  
मजबूत अपने चारों तरफ  
डालकर तो देखो।



बेवकूफो! तुम  
अपने बॉस के साथ  
जद्दगरी कर रहे हो।



और फिर



आ. ई. ई...



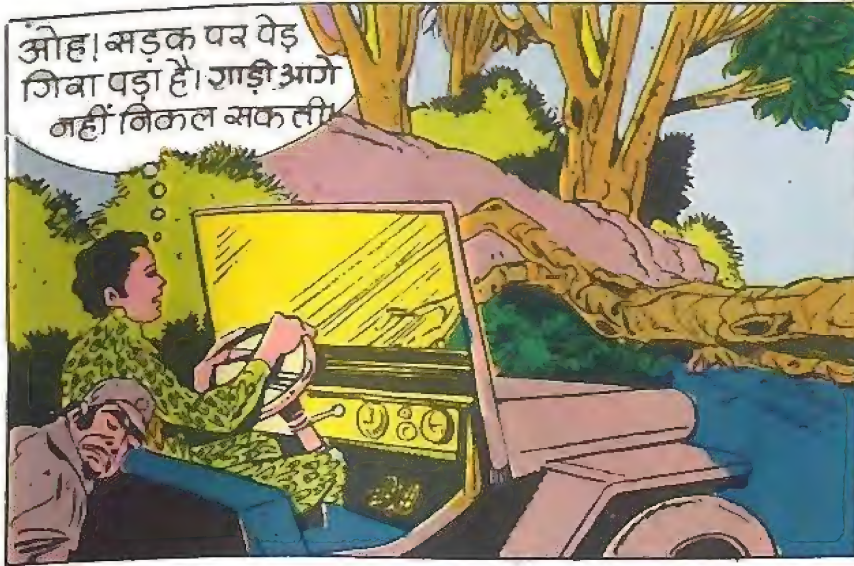
फुन्सा



तुझे इसी  
हालत में लाद-  
कर कैद ले  
जाऊंगा।













मेरे आगे जाग वापिस पलट रहे हैं।  
उसके कंधे पर काला नेवला बैठा  
है। काला नेवला शिकांगी।



शिकांगी! वह  
बख्सी तोड़कर फराव  
होना चाहता है।



फुक्का



फुक्का



शिकांगी नेवले का धारक  
बहुत बड़ा जादूगर होता है।  
मैं इसकी असीमित शक्ति  
का मुकाबला नहीं कर  
सकता। मुझे भाग  
जाना चाहिये।

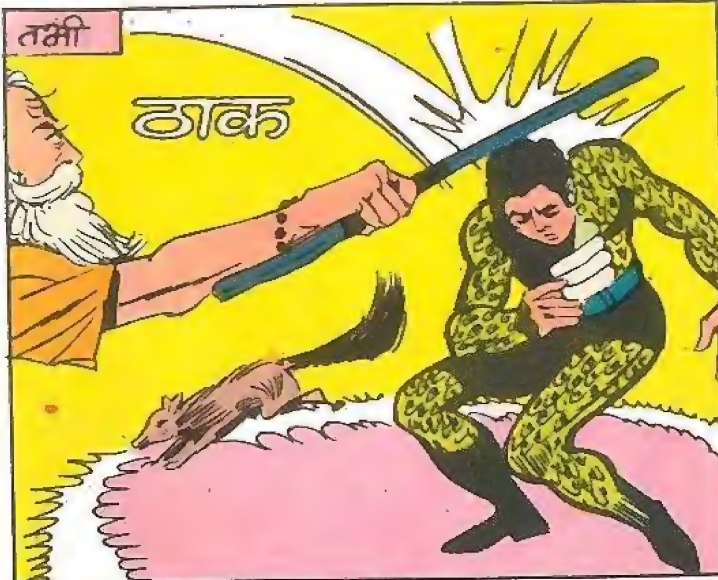


शिकांगी नागराज के चारों तरफ  
घूमने लगा।

ओह! इसने मेरे चारों  
तरफ जादूई लकीर  
खींच दी हैं।





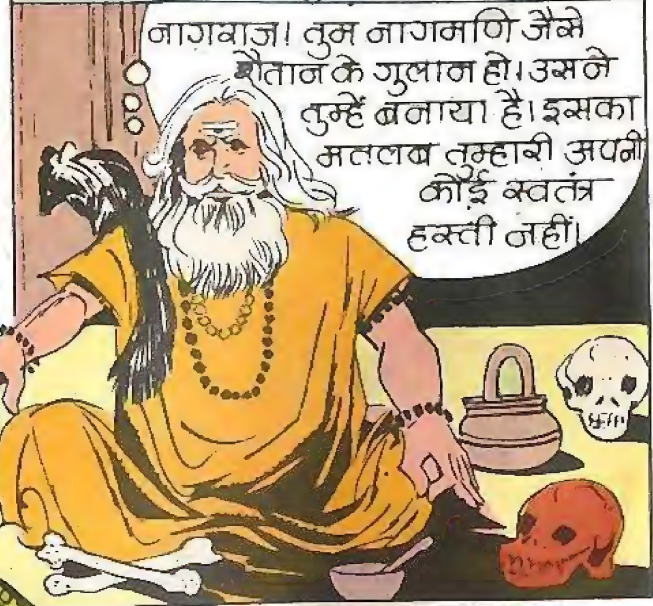


भटके हुये लोगों की सही मार्ग दिखाना उनके लिये सबसे बड़ा दंड होता है।

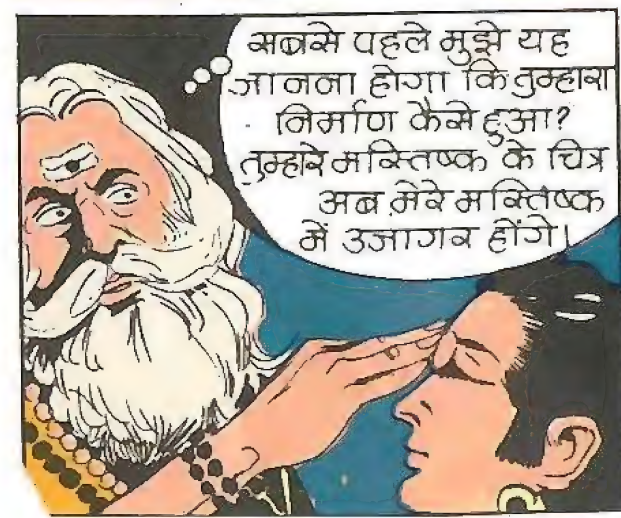
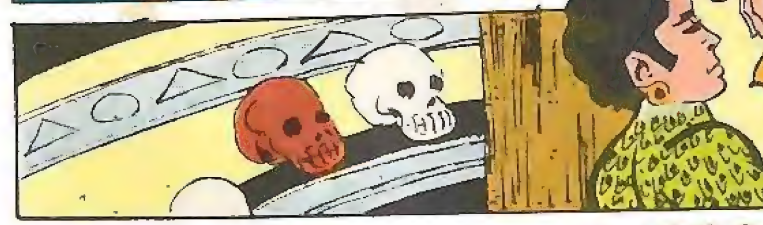


अगर यही ईश्वर अपनी शक्ति का प्रयोग मानवत्व की रक्षा के लिये करे तो लोग इसकी पूजा करेंगे।

महात्मा गोरखनाथ ने तभी करण विद्या द्वारा नागराज के दिमागी हालात जानने शुरू कर दिये।



नागराज! तुम नागमणि जैसे शैतान के गुलाम हो। उसने तुम्हें बनाया है। इसका मतलब तुम्हारी अपनी कोई स्वतंत्र हस्ती नहीं।



सबसे पहले मुझे यह जानना होगा कि तुम्हारा निर्माण कैसे हुआ? तुम्हारे मस्तिष्क के चित्र अब मेरे मस्तिष्क में उजागर होंगे।

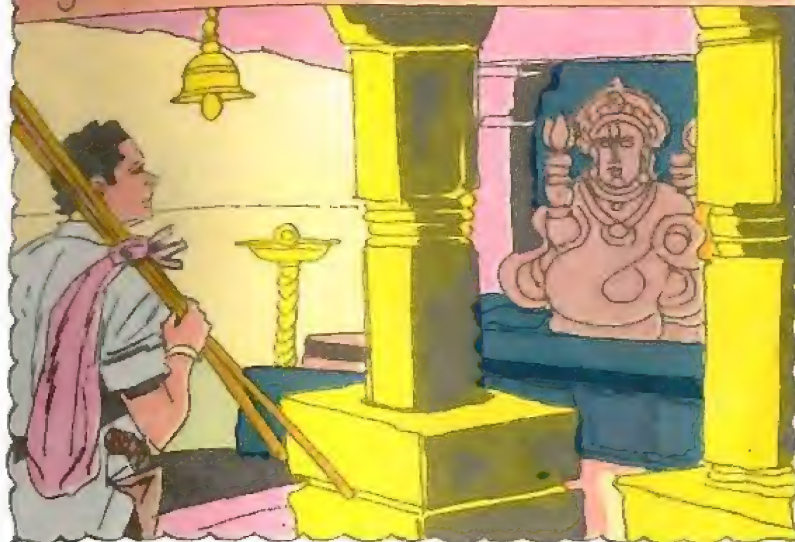
नागमणि इच्छाधारी साँप पकड़ना चाहता था। वह साँपों का विशेषज्ञ था और साँप पकड़ने के लिये जंगलों में भ्रमण करता था। एक दिन वह जंगल में पहुँचा तो-



यह तो किसी नागदेवता का पुराना मन्दिर मालूम पड़ता है।



नागराज की किसी बच्चे के बोलों की आवाज सुनाई दी। वह मन्दिर में दाखिल हो गया।



अरे, बच्चा! ओह, कितना प्यारा बच्चा है...



...मैं इसे पालूँगा!



...एक नाग फुँकावता हुआ उसके मार्ग में आ खड़ा हुआ।



यह तो इच्छाधारी नाग है। मेरी आँखें धोखा नहीं खा सकती।

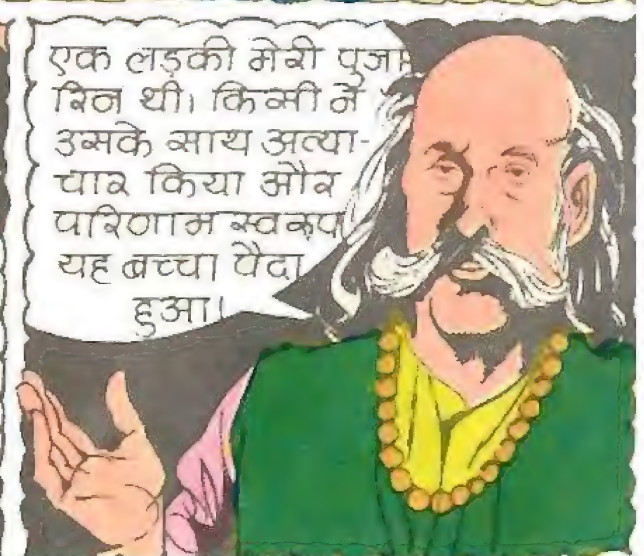
फिर जैसे ही नागराज ने बच्चे को गीद में लिया...

और तभी इच्छाधारी ने इन्सान को धर लिया।



मेरे दर्शन बहुत मुश्किल से प्राप्त होते हैं। ऐ इन्सान लू जी भी है, जीवंत से मेरी बात सुन।

एक लड़की मेरी पूजा रित थी। किसी ने उसके साथ अत्याचार किया और परिणामस्वरूप यह बच्चा पैदा हुआ।







मरने से पहले उसने  
इस बच्चे की मेरी शरण  
में छोड़ दिया।  
तब से यह बच्चा  
इसी जगह है।



मुझे इस बच्चे के संरक्षक की जगह  
बत थी, जो इसे पाल पोस कर जवान  
करे और इसे अपनी माँ के  
साथ हुये अन्याय का बदला  
लेने के काबिल बना सके।

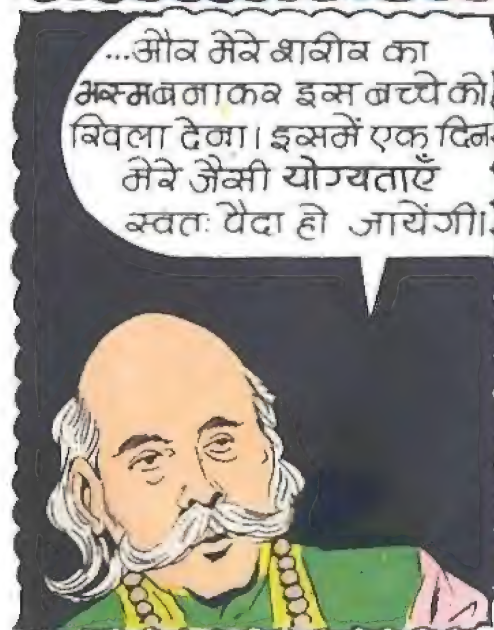


मुझ पर विश्वास  
करो। मैं इसे वैसा  
ही बना दूँगा, जैसा  
तुम चाहते हो।

मैं इस बच्चे को  
पराक्रमी व बलवान  
बनाना चाहता  
हूँ।



आज से बीस वर्ष बाद तुम इस  
जगह आना, मैं तुम्हें मृत अव-  
स्था में मिलूँगा। तुम मेरे  
कंठ से विष की शैली  
निकाल लेना...



...और मेरे शरीर का  
अस्म बनाकर इस बच्चे को  
बिप्ला देना। इसमें एक दिन  
मेरे जैसी योग्यताएँ  
स्वतः पैदा हो जायेंगी।



फिर वह साँप के रूप में परिवर्तित हो गया।

परन्तु याद रहे, मेरी भस्म  
बनाकर बिप्लाने से पहले इस  
बच्चे की एक हजार जहरीले साँपों से  
डसवाना होगा। हल्के जहर से  
तुम इस पर प्रयोग करोगे।





और सबसे अंत में तुम मेरे कंठ से निकली जहर की थैली से इसके शरीर में मालिश करोगे थोड़ा-सा जहर इसकी जिह्वा से स्पर्श करामोगे।



और तब यह नागराज बन जायेगा। साँपों की कोई भी शक्ति इसे पराजित न कर सकेगी।

ठीक है। मैं ऐसा ही करूँगा।



और नागराज ने उस लवचे पर प्रयोग शुरू कर दिया।

स्नेकमैन! यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आविष्कार होगा।



जिब तबह राजा विष-कन्या बनाते थे, मैं विष तब बनाऊँगा। जिसके एक हजार साँप गुलाम होंगे।



नागराज ने उस पर अपने जहरीले साँपों का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया।

इसमें गजब की क्षमता पैदा होती जा रही है। धीरे धीरे इसकी क्षमता बढ़ती जायेगी।



नागराज के घर में ही नागराज बड़ा हुआ।

अब वह वक्त आ गया है, जब इच्छाधारी की भक्ति इसे खिलाई जाये।





ओह, अभूतपूर्व! इसके जिस्म की रंगत बदलने लगी।



कुछ दिन बाद-

यह एक बर्फीलाक नाग की तरह ठंडा आ रहा है। जिसका चेहरा इंसानों जैसा है।



मैं सफल हो गया। नाग-राज पर अब मेरा अंतिम प्रयोग बाकी है।



नागराज के जिस्म पर इच्छाधारी साँप के जहर की मालिश की गयी।

लेकिन मुझे इसके ब्रेन पर कंट्रोल बरबतना होगा। अब कुछ वर्षों बाद इसमें इच्छाधारी साँप के सब गुण आ जायेंगे।



नागराज ने नागराज के मस्तिष्क का अप्रे-बात करके उसमें एक कैप्सूल फिक्स कर दिया।

अब इसकी अपनी कोई इच्छा नहीं होगी। जो मैं सोचूंगा वही इसकी सोच होगी।



नागराज! तुम मेरे गुलाम हो। तुम एक ऐसी मशीन हो, जो मेरे लिये काम करेगी।

हो आका! मैं आपका गुलाम हूँ।





## नागराज

एक हजार साँप तुम्हारे रक्त में  
अदृश्य हो चुके हैं। जब तुम  
उन्हें जगाओगे तो वह तुम्हारे  
हाथों से जिन्दा होकर  
बाहर निकल  
आयेंगे।



और एक दिन तुमसे रक्त  
अदृश्य होने की शक्ति उत्पन्न  
होगी। तब तुम इच्छाधारी साँप  
की सम्पूर्ण योग्य-  
ताये प्राप्त कर  
लोगे।



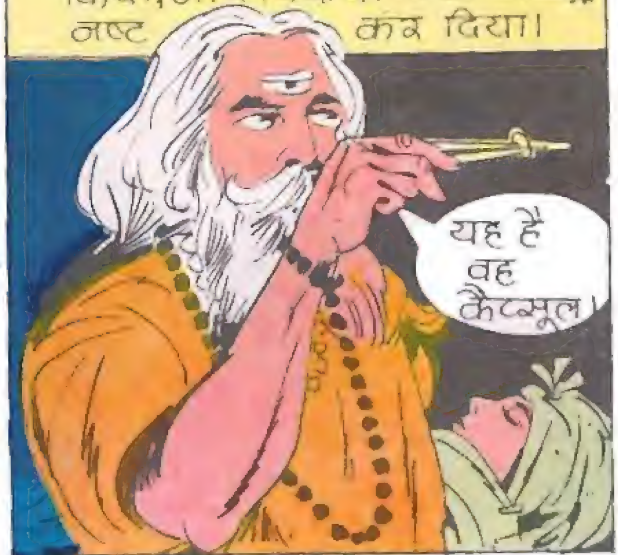
इस तरह...

...गोबरबनाथ ने नागराज की उत्पत्ति की पूरी  
कहानी जान ली।

नागराज ने इसे अपने स्वार्थ के  
लिये प्रयोग कर रहा है। इसके  
मास्तिष्क का कैल्सूल निकाल  
देना चाहिए



गोबरबनाथ ने योग विद्याओं से  
नागराज के मास्तिष्क का आप्रेशन  
किया, और विरोध गारा कैल्सूल  
नष्ट कर दिया।



यह है  
वह  
कैल्सूल।

जब नागराज को होश आया-

अब तुम ठीक  
हो। तुम कैसा  
महमूस कर  
रहे हो?



बहुत तरी-  
काज़ा, जैसे  
कोई बीज  
हट गया हो।





क्या तुम आतंकवादी  
जिरोहों के लिए अब भी काम  
करोगे? क्या तुम अब भी नाज-  
मणि के गुलाम हो?



मैं किसी का गुलाम  
नहीं हूँ। वह सब दृश्य मुझे  
याद आ रहे हैं। मुझे कितने भयं-  
कर अपराध करवाये जाने वाले थे।

लेकिन असली जंग अब से शुरू होगी।  
मैं दुनिया से आतंकवादी जिरोहों का  
सफाया कर दूंगा। मैं इन जिरोहों के  
सबदारी की पहचानता हूँ। ये लोग  
अब अधिक दिनों तक धरती  
पर नहीं रह सकेंगे।

इसे सजा  
मिल गई।  
यह सही  
रास्ते पर आ  
गया।



आपके चमत्कारी  
शिकांगी नेवले ने मुझे धर  
लिया था, अगर यह देवता तुल्य  
नेवला आपके पास न होता  
तो मैं आपके काबू में  
नहीं आता।



काला नेवला शिकांगी नस्ल का होता है, जिसके  
दर्शन भी दुर्लभ होते हैं। यह नेवला वशीकरण  
शक्ति का स्वामी माना जाता है। यह अपने  
आप में बहुत बड़ी जादुई शक्ति है। जंगली लोग  
इसकी पूजा करते हैं और जादूगर अपनी  
कला के लिये इसकी साधना करते हैं। यह  
नेवला गोरखनाथ ने बड़ी साधना से प्राप्त  
किया था और जब से शिकांगी उसके पास  
था, वह रहस्यमय शक्तियों का स्वामी बन  
गया था।

मुझे शिकांगी ने ही इस बात  
की सूचना दी थी कि तुम मूर्ति  
पूजा कर भाग रहे हो और  
किस रास्ते से भाग रहे हो।  
जाओ, शिकांगी की कृपा से  
तुम आजाद हो जाओगे।





मैं आपको कभी नहीं भूलूँगा। आप  
अचभुच देवता हैं। न जाने मुझसे  
कितने अपराध होते और  
न जाने कब तक मैं नागराज  
की गुलामी करता रहता।



और जब भी तुम्हें मेरी आव-  
श्यकता पड़े, तुम मुझे याद कर  
लेना। तुम मुझे अपने मस्तिष्क  
में बड़ा वासोजो। जाओ,  
मेरा आशीर्वाद तुम्हारे  
साथ है।



## fenzz scans

नागराज का नया जन्म हो चुका था। उसे बाबा  
गोबबनाथ का आशीर्वाद प्राप्त था और वह  
आतंकवादी गिरोहों के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ  
था। अब देववना यह है कि उसका निशाना अब  
मे पहले कौन बनता है। उधर गोबबनाथ ने  
मूर्ति को यथावधान उसी मन्दिर में स्थापित  
कर दिया। मूर्ति तत्काल लौट आने से सम्प्रदा-  
यिक हिंसा रूक गयी और कहीं-कहीं तो गोबब-  
नाथ की जय-जयकार होने लगी।

नागराज अपने सफर पर निकल  
पड़ा।



समाप्त



PAWAN THAPA



# बागाराज की कब्र





# नागराज की कब्र

कथा: परशुराम शर्मा चित्रांकन: संजय अष्टपुत्रे सम्पादक: मनीष चन्द्र गुप्त

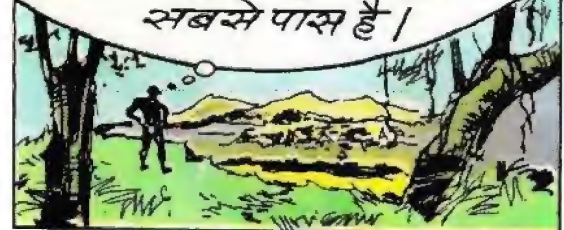
कुरब्यात वैज्ञानिक प्रो. नागमणि ने नागराज का निर्माण आतंकवादी गिरोहों के लिये किया। एक ऐसा शास्त्र जो प्रत्येक परिस्थिति का मुकाबला कर सकता था।

महाशक्तिशाली नागराज को आतंकवादी गिरोह के सरदार बुलडाग ने किशये पर प्राप्त कर लिया और नागराज ने आसाम में विनाश प्रारंभ कर दिया। लेकिन एक शक्तिमान यात्री महात्मा गोबरवनाथ ने नागराज को अपनी युद्ध शक्तियों के बल पर पकड़ लिया फिर नागराज के मस्तिष्क का अप्रेशन कर उसे प्रो. नागमणि के जंगल से मुक्त कर दिया। तब नागराज ने की के रास्ते पर निकल पड़ा और उसने कसम खाई कि वह दुनिया से सभी आतंकवादी गिरोहों का सफाया कर देगा।

बुलडाग मेरा पहला शिकार होना चाहिये, क्योंकि उसी ने मुझे किशये पर हासिल किया था।



आसाम में उसके कई बेगार कैम्प हैं-मुझे सबसे पहले साकू कबीला देखना चाहिये यहां से वही सबसे पास है।



नागराज नागराज की मदद से जंगलों को पार करता साकू कबीले की ओर बढ़ चला।



और फिर इन्हीं कैम्पों से मुझे बुलडाग के हेडक्वार्टर का पता चल जायेगा।



एक रात का सफर तय करने के बाद  
नागराज सुबह ही साकू कबीले जा पहुँचा।

यह मेरे लिये स्वर्णिम सवेरा है  
जो इन लोगों के लिये तबाही का  
अंधेरा लेकर आया है।



नागराज बस्ती के एक खस्ता हाल होटल में  
जा पहुँचा।

क्या तुम शेरू को जानते  
हो? वह इसी बस्ती  
में रहता है।

शेरू!  
ठहरो...  
वहाँ बैठो...



पता नहीं शेरू का नाम  
सुनकर यह क्यों धबका  
गया...?



उधर होटल मालिक होटल के पिछवाड़े जा पहुँचा।

अगर यह वही आदमी हुआ  
तो मुझे वह दोलत जरूर मिलेगी  
जो इस पर लगाई  
गयी है।



पास ही के एक झोपड़े में वह घुसा।

शेमो सुनकर  
रबुदा होगा।



शेमो!  
मैं एक अच्छी खबर  
लेकर आया हूँ।

फिर तो मैं सुबह-  
सुबह तुम्हारा मुँह  
कड़वा जरूर  
करूँगा।





## जागराज की कब्र

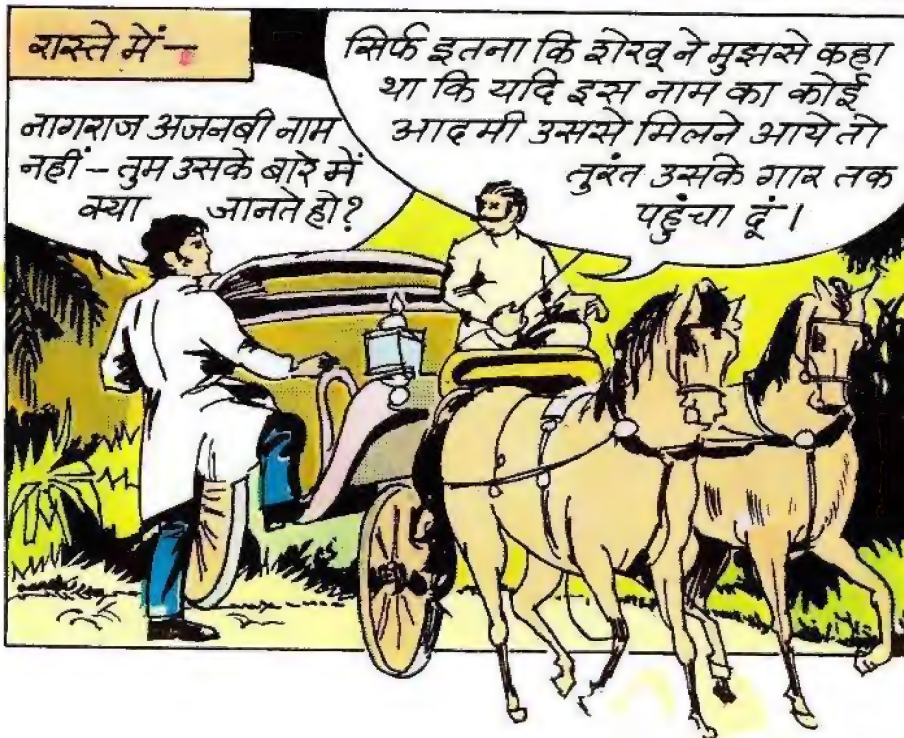








## नागराज की कब्र

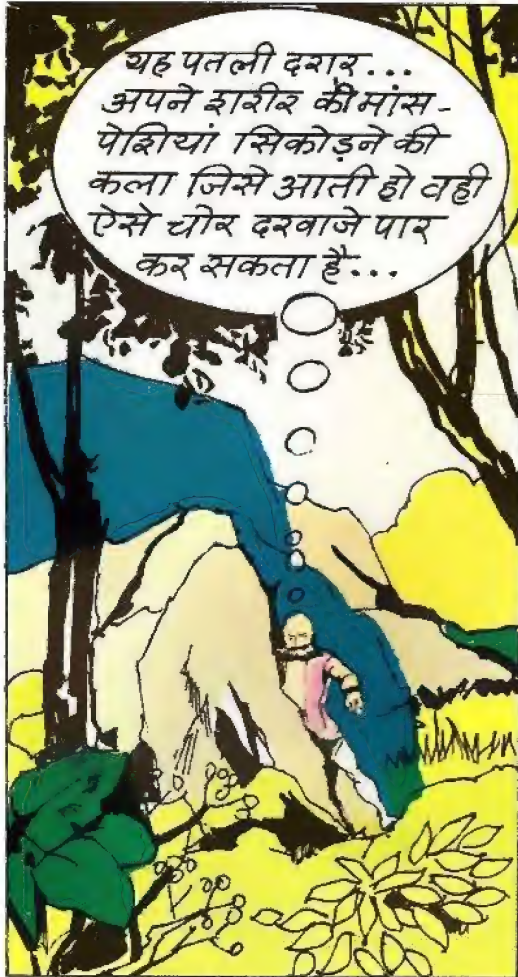








## नागराज की कब्र





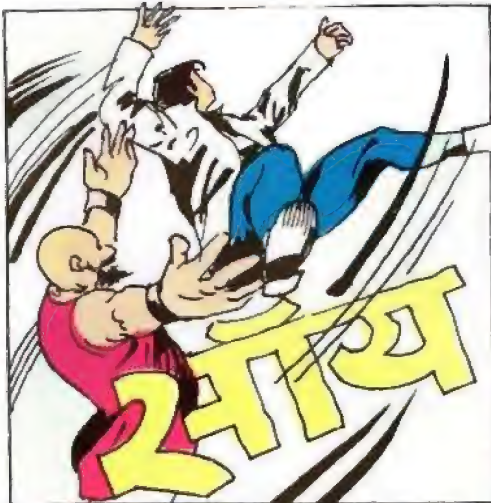




## नागराज की कब्र



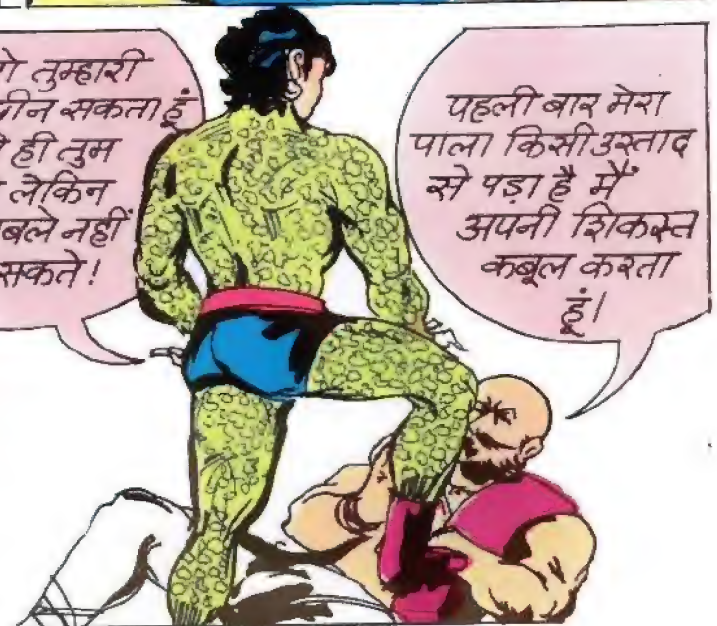








मैं चाहूँ तो तुम्हारी जिन्दगी छीन सकता हूँ रोमो... भले ही तुम मास्टर हो लेकिन मेरे मुकाबले नहीं ठहर सकते!









दोनों झींगा गाव से बाहर निकले।

इन लोगों ने मुझे नशे का आदी बना दिया - ताकि हर समय मुझे पैसे की जरूरत महसूस होती रहे और मैं इनके लिये काम करता रहूं।



लेकिन एक मासूम लड़की की हत्या ने मेरे मन में उनके प्रति नफरत भर दी - उसे मेरे सामने कत्ल किया गया। मैं शराब पीता रहा और उसे बचा नहीं सका ऐसा लगता है उसकी आत्मा मेरे इर्द-गिर्द भटकती रहती है।

उसकी हत्या क्यों की गयी?



यह एक दिल हिला देने वाली कहानी है। एक देशभक्त जासूस की मदद करने वाली लड़की की... यह किस्सा छः माह पूर्व का है, जब मुझे एक काम सौंपा गया था...



मास्टर शेमो! हेडक्वार्टर से तुम्हारे लिये एक नया काम आया है।



किसी के कत्ल का मामला होगा शेनबू?

हां-हेडक्वार्टर ने बेगाव कैम्प के नाम से जो प्रशिक्षण केन्द्र खोला है, वहां से एक मजदूर भाग निकला था वह दरअसल एक जासूस था, हर इलाके में नाके बंदी की गयी परन्तु उसका कोई सुराग नहीं मिला।

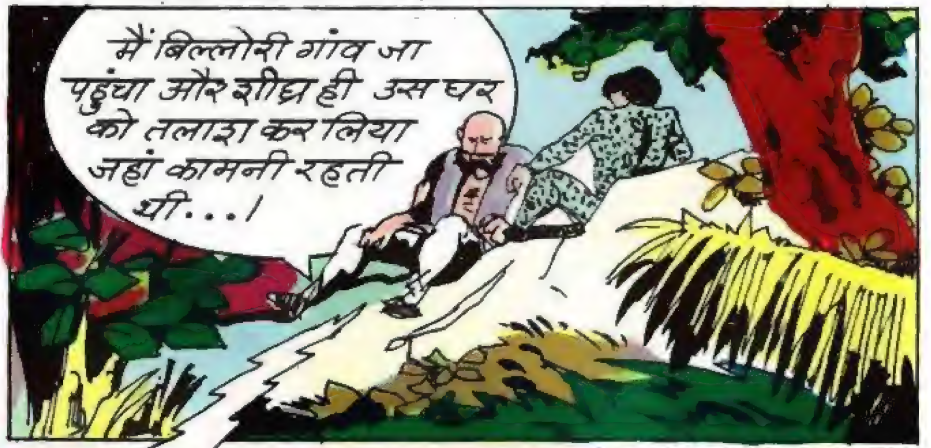


राजा सूचना के अनुसार वह बिल्लोरी बस्ती के करीबी जंगल में छिपा हुआ है। मालूम हुआ है कि एक लड़की उसे जंगल में खाना देने जाती है बिल्लोरी बस्ती में रहने वाली इस लड़की का नाम कामनी है और इस के साथ सिर्फ एक बूढ़ी औरत है।

तुम्हें सिर्फ जासूस की लाश चाहिये ना?









## मागराज की कब्र



मां-आपभी सबकी बातों में आ जाती हो।

यह मेरी बेटी कामनी है एक ही बेटी है।

मुझ पर शक मत करो लड़की- मैं सचमुच मुसीबत में हूँ।



लेकिन तुम्हें यह यकीन कैसे आ गया कि हम तुम्हारी जान बचा सकते हैं?



बस्ती के बाहर एक फकीर मुझे मिला था उसीने मुझे बताया कि इस घर के लोग मुझे बचा सकते हैं।

मैं तुम्हें बचा सकती हूँ लेकिन एक शर्त पर... तुम्हें मुझे बहन बनाना होगा।



बहन!

हां-मेरा एक भाई था... आंधी लूफानों का मुकाबला करने वाला दिलेर भाई- बस कुछ हत्यारोंने उसे हमसे छीन लिया...



...और अब उस भाई की जगह पूरी करने वाला मुझे वैसा ही भाई चाहिये...

अगर तुम मुझे इस लायक समझती हो तो मुझे तुम्हारा भाई बनकर फरार होगा।

...वैसे तो अब तक मेरे बहुत से भाई बन चुके हैं- लेकिन वह बात मुझे अब तक किसी में नजर नहीं आई जो मेरे भाई में थी...

क्या विशेषताये थी उसकी?







## नागराज की कब्र





हां-इस बुढ़ाई की वजहसे कई रातों तक मुझे नींद नहीं आई फिर एक दिन मुझे मालूम हुआ कि कामनी को पकड़ लिया गया।

कामनी को क्यों पकड़ा गया ?

बुलडाग के आदेश पर ! उसे शक था कि जासूस ने उस लड़की को कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं।

कामनी को यातनाये देकर इसकी पूछ-ताछ की जाती रही-फिर उसकी हत्या कर दी गयी...

तुम्हारी आंखों के सामने हत्या की गयी ?

मैं शराब के नशे में था लेकिन उसके बावजूद मुझे उसकी चीखें आज तक याद हैं।

नीच आदमी ! तुम अपनी बहन को नहीं बचा सके...

इसीलिये कहता हूं नागराज ! तुम मेरा कत्ल कर दो... हां मैं अपनी बहन का हत्यारा हूं।

अगर तुम उसे बचा नहीं सके तो फिर तुम्हें इसका भरपूर बदला लेना चाहिये था।

इसके लिये धन, लाकत, और गिरोह की जरूरत मुझे महसूस हुई - क्योंकि मैं अकेला उनके सामने चींटी समान हूं - इसीलिये मैं तुमसे मूर्ति हासिल करना चाहता था।



## नागराज की कब्र







यह जो गोल घेरे में झोपड़िया बनी हैं- सब शेरवू की हैं- इसके बीच एक बड़ा दालान है जिस पर शेरवू का मकान खड़ा है।



इस गेट से अन्दर जाया जाता है।

गेट पर स्टेनगन-धारी खड़े हैं।



वहीं रुक जाओ कौन हो तुम लोग?

अबे मैं रोमो हूँ गधे की औलाद! तुम सबका बाप...

यह शराबी बासका मुँह लगा है- लेकिन इसके साथ कौन है?



यह मेरा भाई है काम मांगने आया है। रोमो की इतनी बेकदरी कि तुम उसे रोकने की हिम्मत कर सको...

जाने दो- इससे मुँह क्यों लगते हो

ठीक है जाओ!



शेरवू दालान में बैठा था।

रोमो आया है बास... अपने भाई को साथ लाया है।

उसे यहां भेज दो!



मैं रोमो का भाई नहीं हूँ और तुमसे अकेले में बात करना चाहता हूँ!

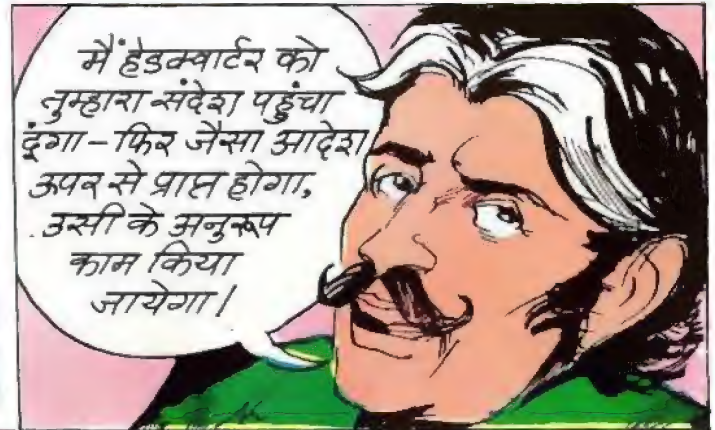
क्या मतलब? कौन हो तुम?







## नागराज की कब्र



नागराज के स्वागत में जश्न मनाया गया।









फिर शेरू ने रोमो को तलब किया।

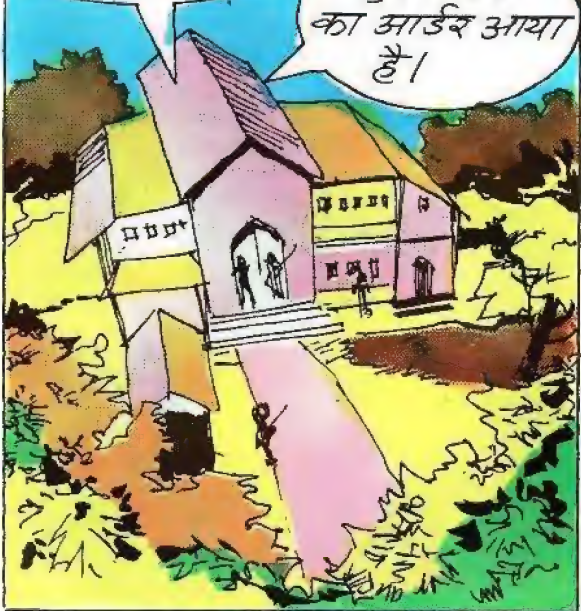
बहुत दिनों से मैंने तुमसे काम नहीं लिया... क्या तुम्हारी ताकत आज भी बरकरार है या शराब ने तुम्हें खोखला कर दिया?

काम बताओ उस्ताद। और काम की कीमत बताओ... तुम्हें आम खाने से मतलब होना चाहिये - पेड़ गिनने से नहीं।



लेकिन क्या मैं पूछ सकता हूँ यह कैसेला अचानक कैसे हुआ?

सुपर बॉस का आर्डर आया है।



तुम्हें नागराज की हत्या करनी है!

क्या?

वह तुम पर यकीन करता है - तुम उसे आसानी से ठिकाने लगा सकते हो।



और अगर वह तुमसे बच निकला तो बाहर दूसरे लोग उसके स्वागत के लिये तैयार मिलेंगे - एक लाख रुपया नगद मिलेगा।

एक लाख रुपया! इस के लिये तो मैं अपना भी कल्ल कर सकता हूँ।



रोमो नागराज के पास पहुँचा जो एक झोपड़ी में शेरू का मेहमान बना हुआ था।

तुम्हारे कल्ल का फरमान लेकर आया हूँ।

इसका मतलब भेद भेद नहीं रहा...





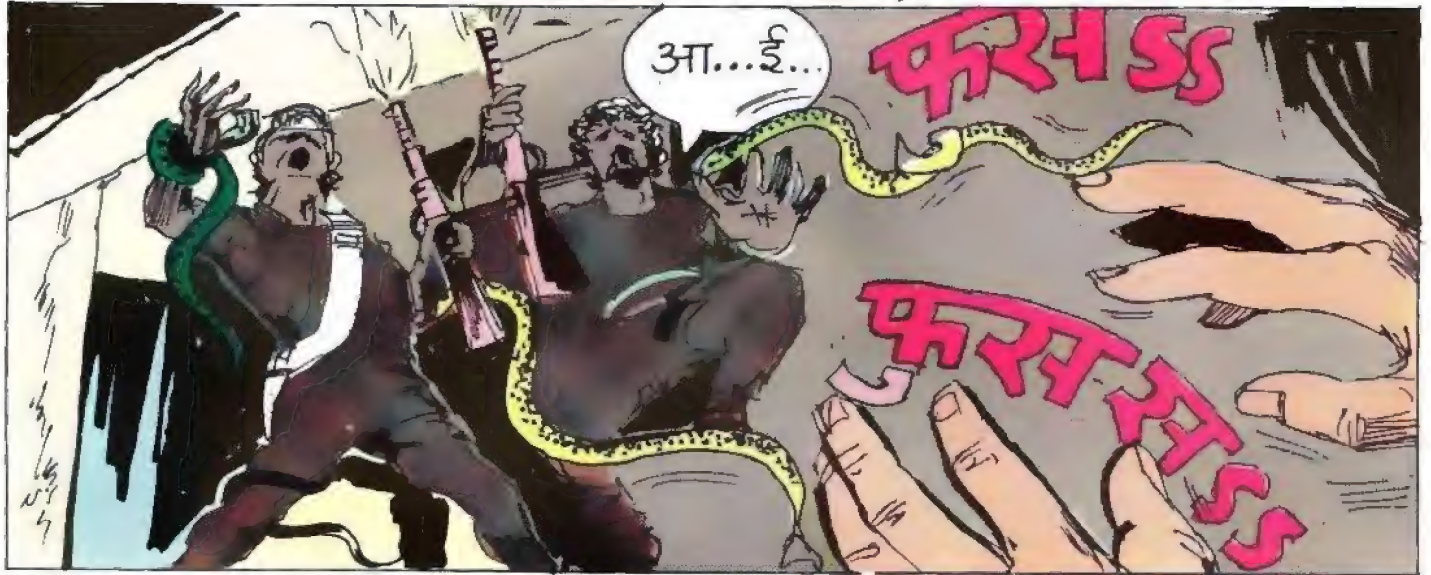
## नागराज की कब्र











अपने साथियों पर साँपों का हमला होले  
देख डेरवू भाग खड़ा हुआ।









इधर रोमो धूप्यर फाड़ कर कूदा और—



उधर



शेरू के अइडे पर तबाही के बादल मंडराने लगे।









## नागराज की कब्र



शेरवू को नागराज के नाग ने रोक लिया।



बस्ती में शोर मच गया — लोग बस्ती छोड़कर भागने लगे... झोपड़ियां भीषण आग की लपटों में चिंद चुकी थीं।



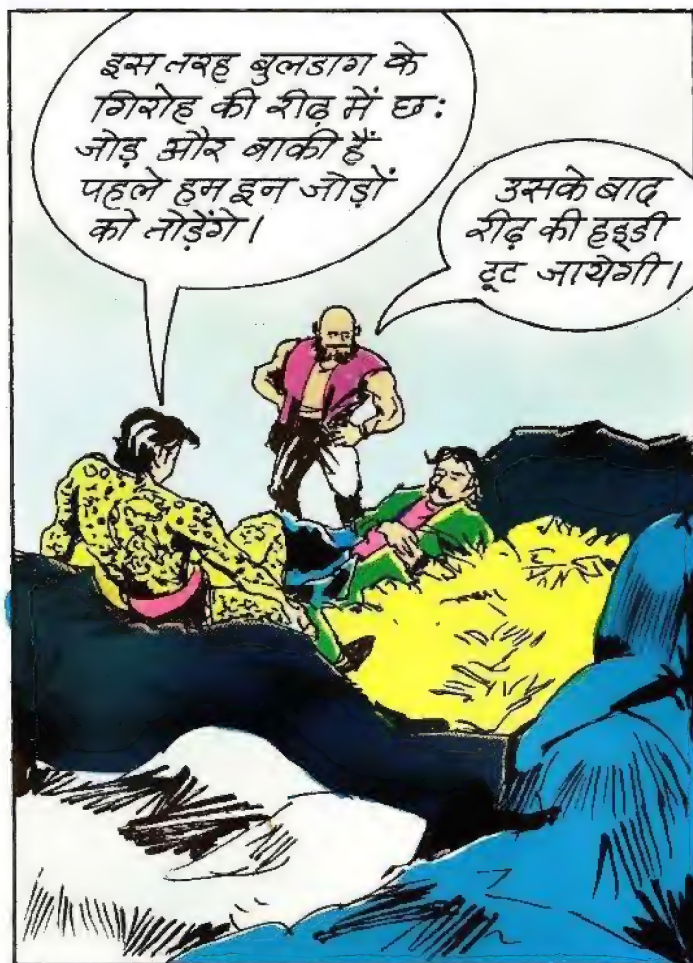






नागराज ने शेरवू को अपनी सर्पिली आंखों से सम्मोहित कर अला।

सम्मोहित अवस्था में नागराज ने शेरवू से बहुत सी बातों की जानकारी हासिल कर ली।





अगली सुबह—

यहां से सबसे करीब स्टेशन नम्बर चार पड़ता है।  
पूरा नक्शा तुम्हारे दिमाग में आ गया  
होगा रोमो, तुमने यह इलाका  
धूसा हुआ है।

हां- स्टेशन चार  
डिब्रू पहाड़ी पर है

वे लोग डिब्रू पहाड़ी की ओर  
रवाना हो गये।

उधर नुनडाग  
के हेडक्वार्टर  
में खलबली  
मच गयी।

तुम सब लोग मुझे मनहूस खबरें  
सुनाने आये हो।

सुपर बास! हम आपको  
किसी भ्रम में नहीं  
रखना चाहते।

नागराज  
हमारे सभी  
अड्डों पर कहर  
बाना बढ़ रहा है

और उसका रुख बुलडाग  
की तरफ है - यानि भेरी  
तरफ यही ना?

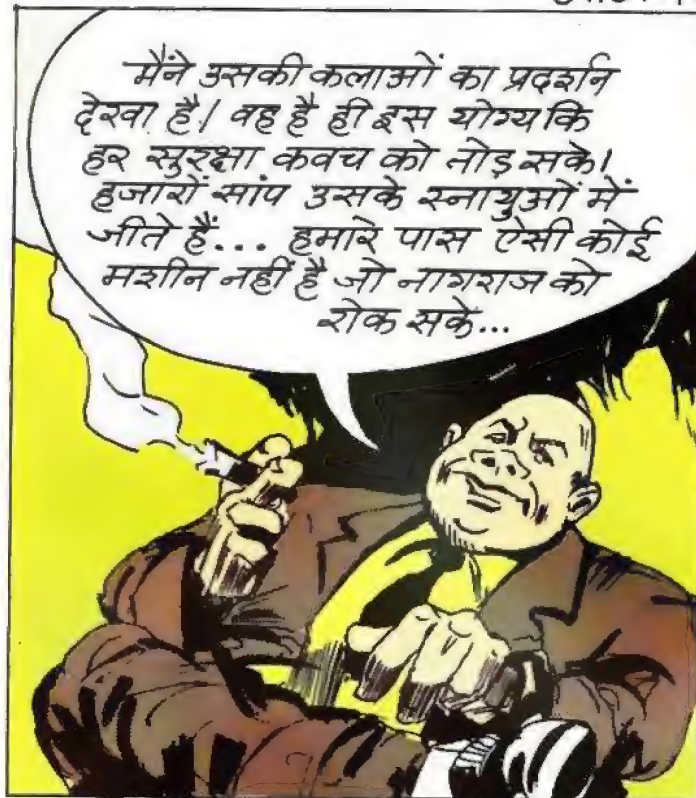
उसकी गति विधियां  
यही संकेत दे रही हैं

हर प्रकार का  
सुरक्षा कवच, हथियार  
सब उसके सामने  
नाकारा है

इसके अलावा हमारा एक  
गद्दार साथी रोमो  
उसका साथ दे रहा  
है।

इस तरह तो  
वह तुम सबको  
बर्बाद कर  
देगा।









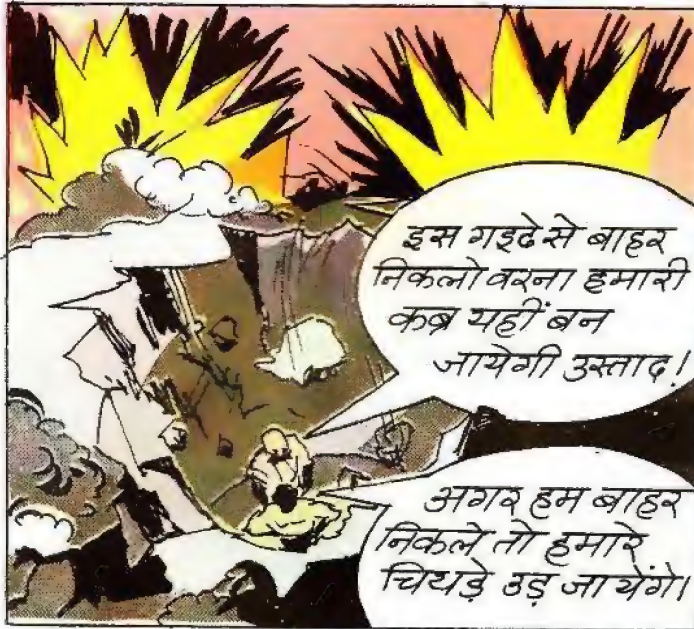




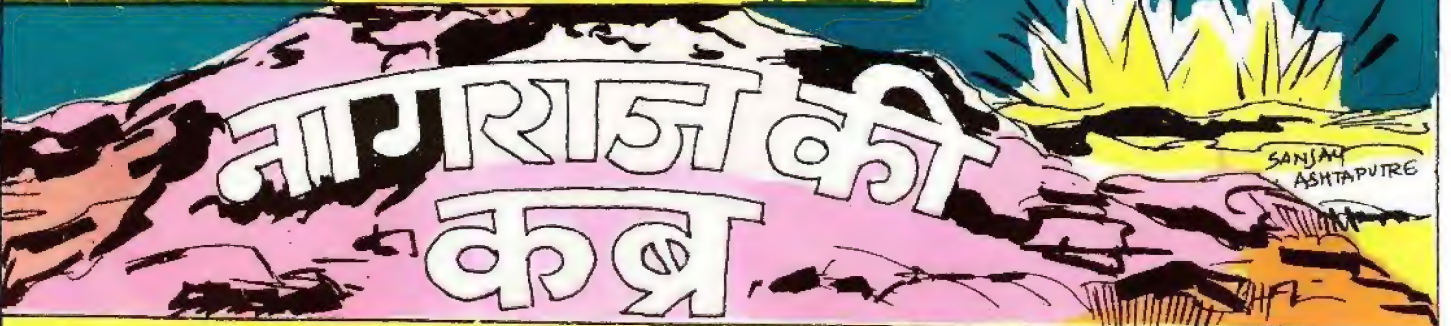








क्या नागराज इस कब्र से बाहर आ सकेगा...?



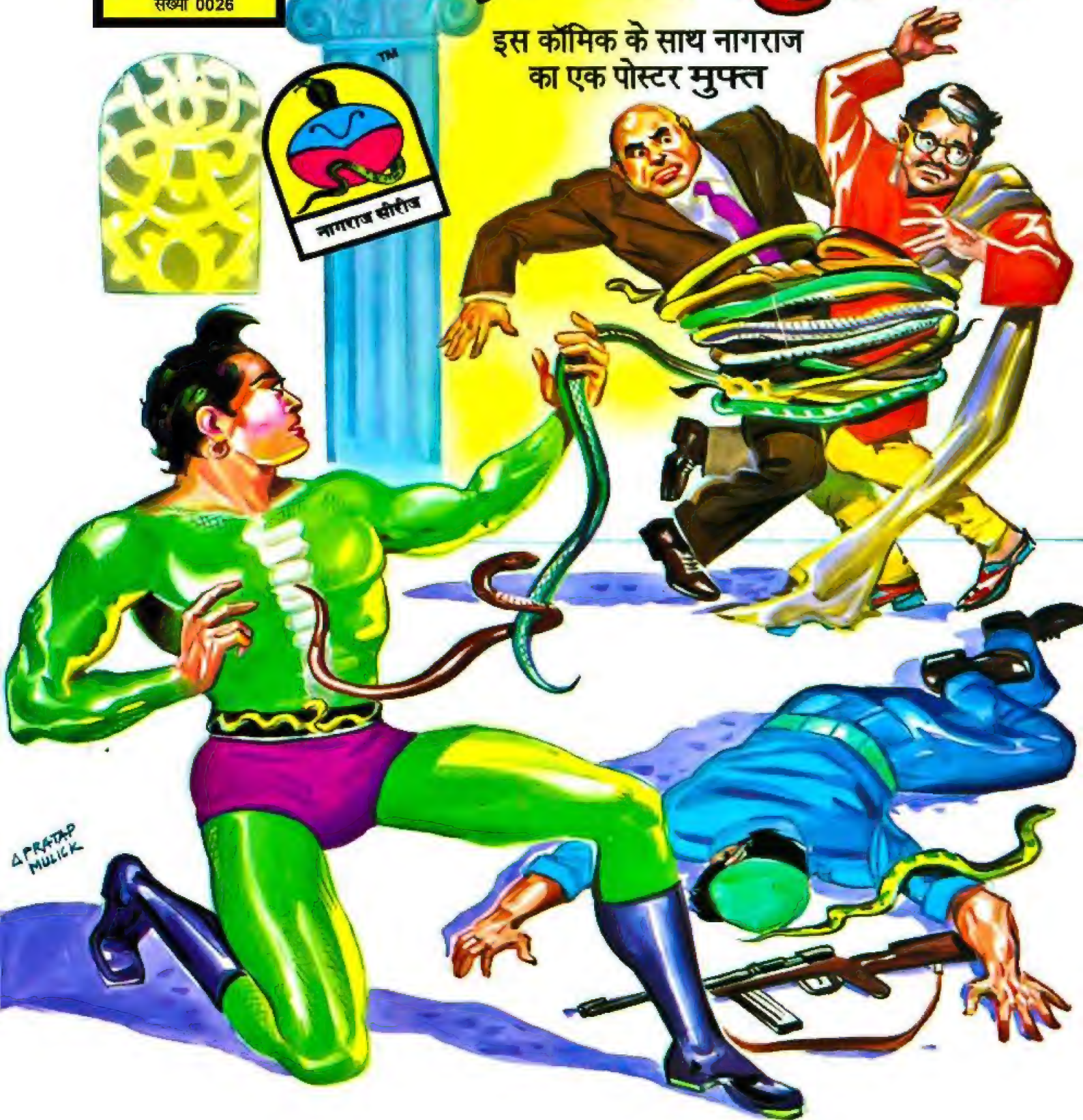
राज दौमिकस के आगामी सेट में पढ़िये—'नागराज का बदला'





# नागराज का बदला

इस कॉमिक के साथ नागराज  
का एक पोस्टर मुफ्त



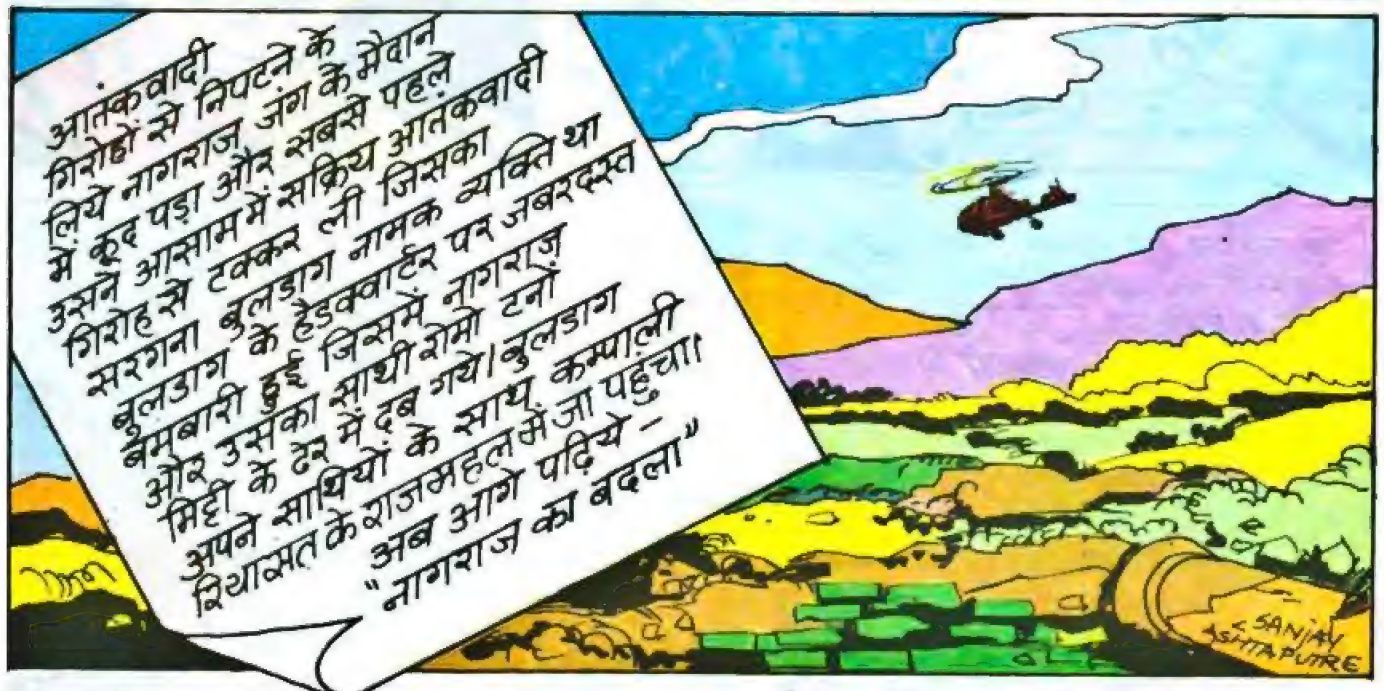


# नागराज का बदला

चित्रकथा:  
परशुराम शर्मा

चित्रांकन:  
संजय अष्टपुत्रे

सम्पादन:  
मनीष चंद्रगुप्त



उधर कम्पाली हिल के किले में मीटिंग चल रही थी।

और नुम्हारे हक में भी यह बात जाती है महामंत्री किल्लौल!

कम्पाली एक आजाद रियासत है और तीन देशों की सीमा इससे मिलती है - इससे बेहतर स्थान आपके लिये दूसरा कोई नहीं होगा मिस्टर बुलडाग!









## नागराज का बदला





श्रांग कम में डाक्टर सिमलो ने परीक्षण किया

नागराज को स्ट्रेचर द्वारा  
आप्रेशन कम में ले जाया गया।



आप्रेशन कम में डाक्टर सिमलो  
आप्रेशन के लिये तैयार था।

अगर मैंने इसके मुकाबले का  
ऐसा ही शक्तिशाली मानव  
तैयार कर दिया तो मैं सबसे  
बड़ा दौलत मंद इन्सान  
कहलाऊंगा।



सबसे पहले  
इसके ब्रेन का  
आप्रेशन  
होना चाहिये।



नागराज की आंखें खुल गयीं और  
सम्मोहन की एक प्रचंड लहर डाक्टर  
सिमलो की आंखों की भेदती चली गयी

उफ्फ  
मेरी आंखों के  
आगे अंधेरा घना  
जा रहा है, सिर  
चकरा रहा  
है।





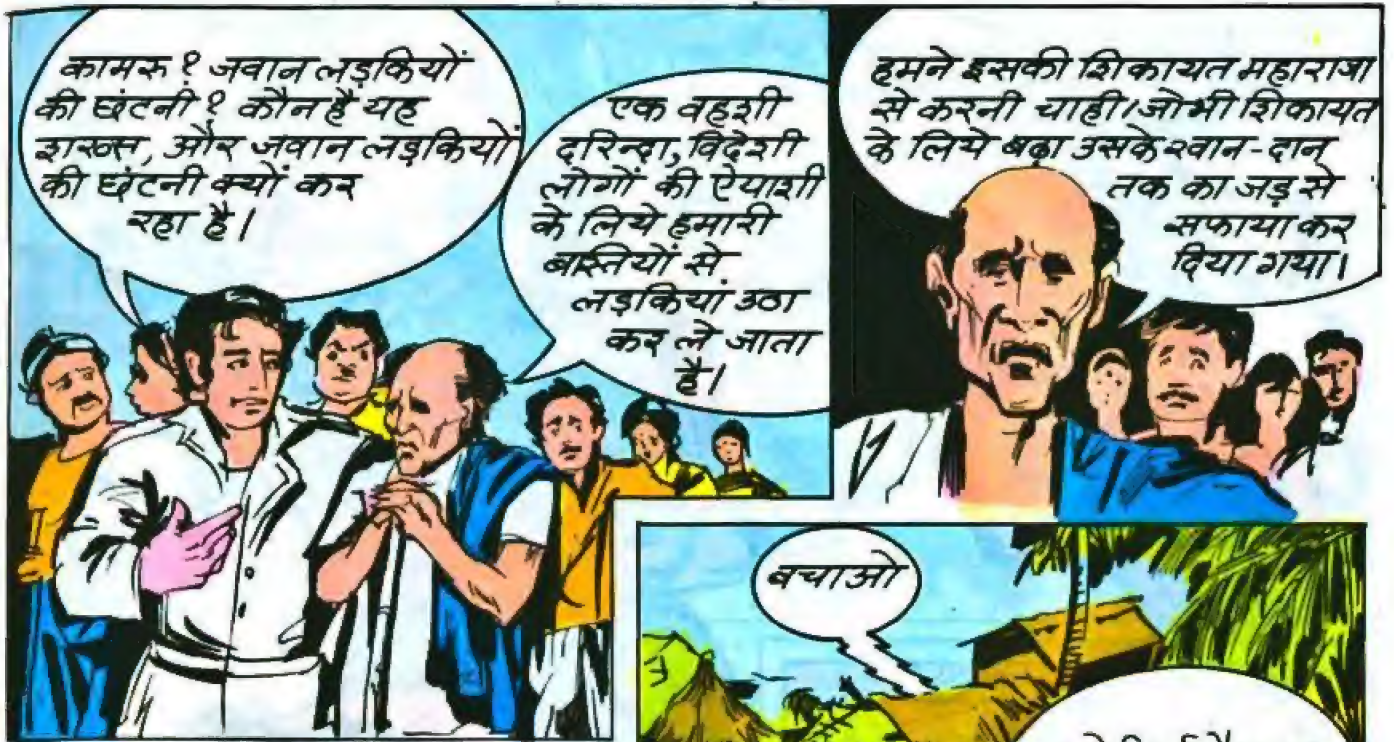
## नागराज का बदला























बस्ती वालों ने नागराज को कंधों पर उठा लिया







उधर महामंत्री किल्लौल को पता चला—











जाक्स ने स्याई कैमरे से नागराज का फोटो खींच लिया जो उसने पोशाक में छाली से लगाया हुआ था।

उसने नागराज को एक फर्जी कहानी सुना डाली।

मैं लकड़हारा हूँ, जंगल में मेरी कुटिया है... कुछ बदमाश पहले मेरी जवान लड़की को उठाकर ले गये फिर...





जामूस वापिस किल्लौल के पास पहुंचा।

कल वह पोरवर के जंगल आ जायेगा। उसने दो दिन वहां रहने का वादा किया है... मैंने कहा था कि बदमाश मेरी बड़ी लड़की को उठाकर ले गये हैं और छोटी लड़की की फिराक में हैं।



और यह रहा उसका फोटो

अब देखता हूं वह पोरवर के जंगल से किस तरह निकल पाता है।

किल्लौल ने अपनी योजना तैयार कर ली।

लड़की सुवांगनी! तुम्हें उस लकड़हारे की छोटी लड़की बनकर जंगल की कुटिया में नागराज के साथ रहना है।



हुजूर, सुवांगनी एक विषकन्या है जो मर्द किसी के काबू में नहीं आता, सुवांगनी उसे बड़े सलीके से परलोक पहुंचा देती है। आप बस हुक्म करें, बाकी काम सुवांगनी रबूद कर लेगी।



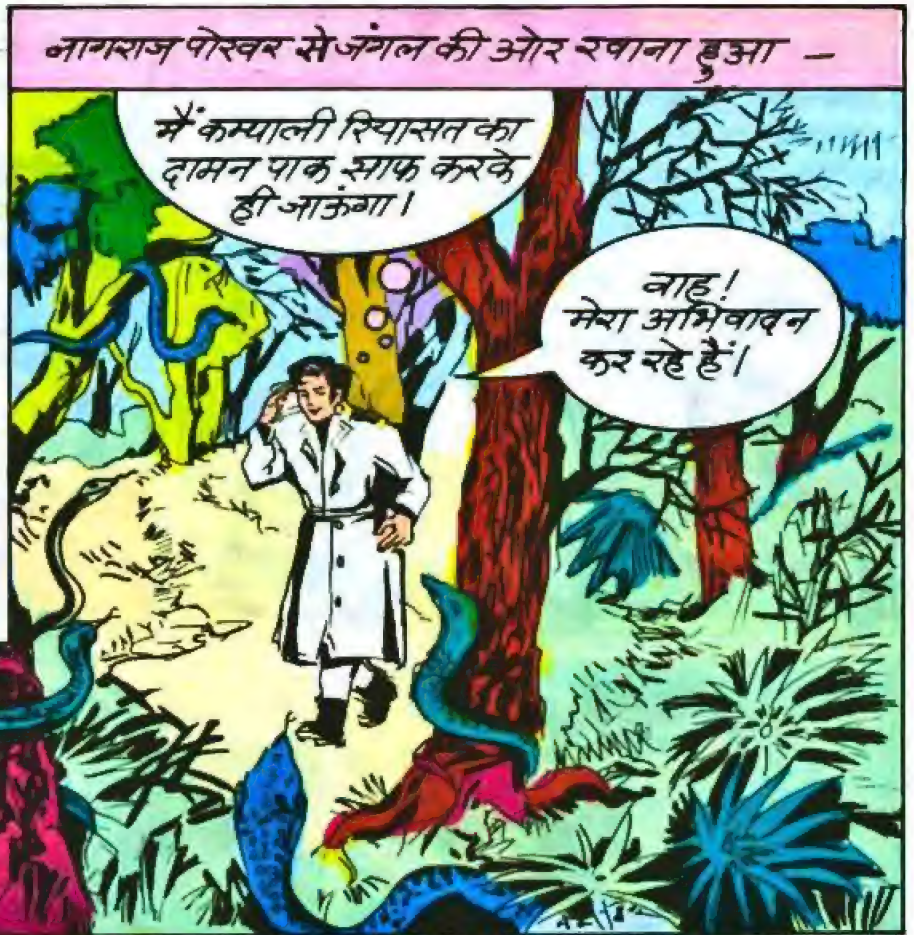
मुझे यकीन है बुगरासी, इसीलिये तुम्हारी सेवा प्राप्त की है - सुवांगनी का काम होगा नागराज को परलोक पहुंचाना।



और अगर सुवांगनी सफल न हो सकी तो तुम्हारी गुरिल्ला फौज उसे ठिकाने लगायेगी।







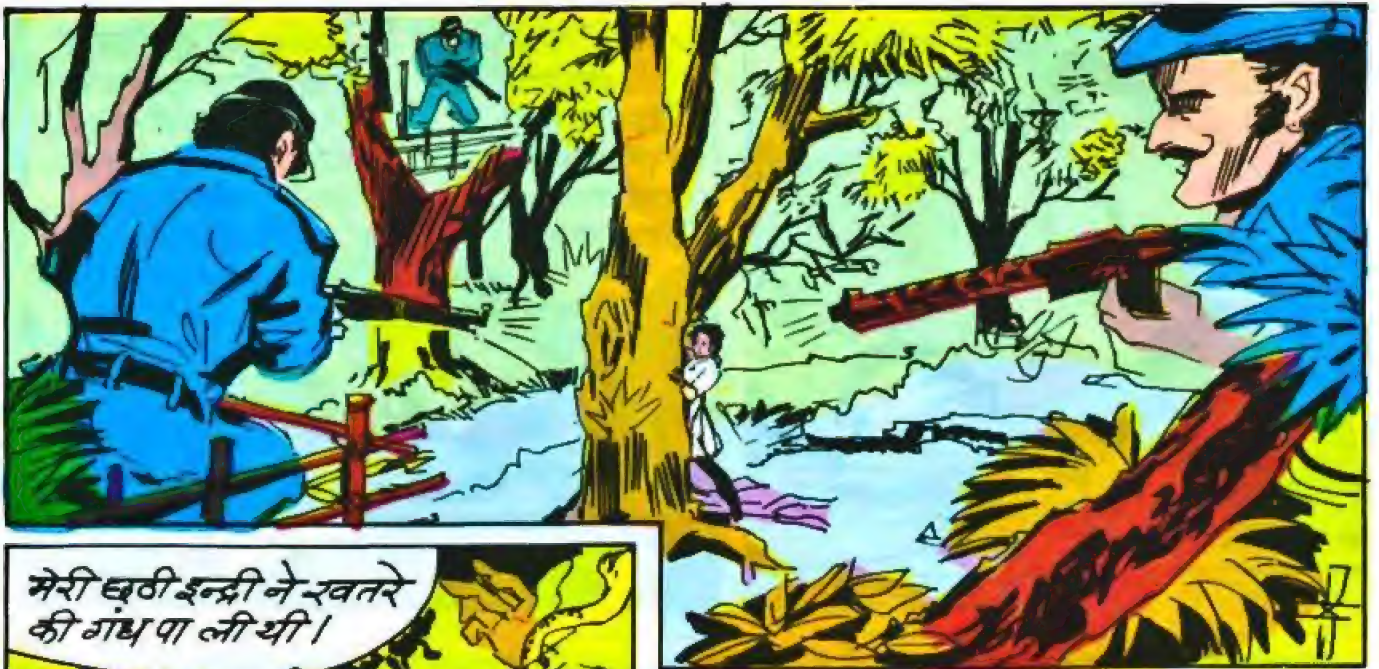












मेरी छठी इन्ट्री ने खतरे की गंध पा ली थी।



पूरा जंगल फायरिंग की आवाज से दहल उठा।



यह तो सरकारी वरदी के सैनिक हैं जो मुझे घेरकर मारने की कोशिश कर रहे हैं।









जैसे ही हेलीकाप्टर नीचे झुका और करीब  
आया, नागराज की नागरस्सी काप्टर पर  
जपक पड़ी।











वह कम्पाली दर्रे के पुराने किले में उतरा ।









बुलडाग ने किल्लौल को इसी योजना समझा दी।

तुम यहा फतह पाओगे-  
बस उसके बाद तुसे  
कम्पली में कोई  
राजकीय पद देदो,  
और फिर... वह  
होगा जो हम  
चाहेंगे क्योंकि  
वह हमारा  
आदमी बन  
जायगा



किल्लौल वापिस राजमहल  
पहुंच गया।



यह नगरवासियों  
की भीड़ कैसी?

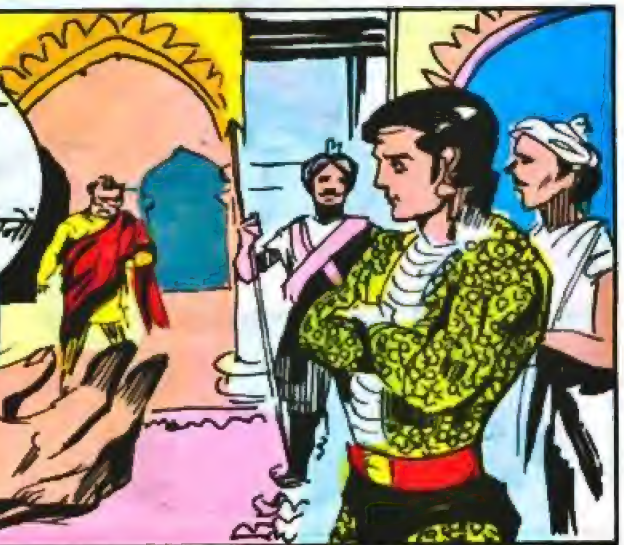


सब लोग महाराजा  
से कहियाद करने आये  
हैं और उनका नेतृत्व  
नागराज कर रहा है।

तुरन्त ही किल्लौल दरबार में पहुँचा।



आइये महामंत्रीजी,  
पधारिये और सुनिये यह  
नगरवासी क्या-क्या  
शिकायतें लेकर आये  
हैं, हमें इन बातों की कानों  
कान खबर नहीं  
हुई।











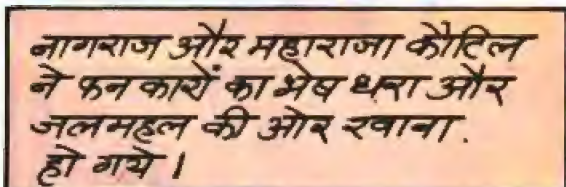




नागराज ने किल्लौल की योजना पर अमल किया।









जलमहल में पहरेदारों ने उन्हें रोक लिया।



कुछ ही देर में -



नागराज महाराजा के साथ जश्न हॉल में पहुँचा-















नगर वासी नागराज की जय-जय कार के नारे लगा रहे थे।



अगले सैट में पढ़िए-

# नागराज की हांगकांग यात्रा





# नागराज की हांग कांग यात्रा

नागराज का एक पोस्टर मुफ्त





संजय गुप्ता पेश करते हैं...

# नागराज की हांगकांग यात्रा

लेखक : परशुराम शर्मा  
चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे  
सम्पादक : मनीष गुप्ता

नागराज आतंकवादी गिरोहों की तलाश में विश्व-भ्रमण पर निकल पड़ा।



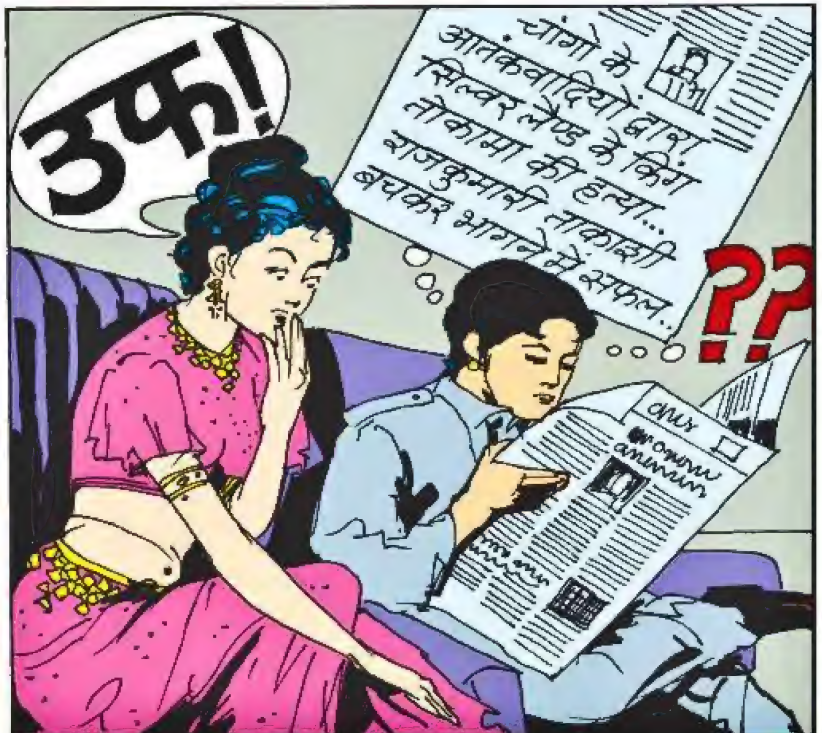
प्लेन में —

हैलो! माई सेल्फ  
मिस्स लाकाशी!

कृपया  
अपनी सीट बेल्टें  
बांध लें। विमान उड़ान  
के लिए तैयार है।



हांगकांग होकर टोकियो जाने वाले  
एयर इण्डिया के बोइंग 747 ने  
निश्चित समय पर उड़ान भरी।







मिस ताकाशी जिस टैक्सी में बैठी थी... एकाएक दाएं-बाएं से दो व्यक्ति आकर - दोनों ओर के दरवाजे खोलकर उसमें बैठ गए।



नागराज ने नुरन्त ही निर्णय लिया और एक टैक्सी की ओर लपका और..



नागराज की नजरों से झाड़ूवर सम्मोहित सा हो गया - वह कुछ पूछ भी न सका।



नागराज ने टैक्सी झाड़ूवर को किराया देकर विदा किया।



## नागराज की हांगकांग यात्रा



फाटक पर पहरेदार मुस्तैद  
रवड़े हैं। उनसे बहस करनी  
बेकार है, अदर प्रवेश  
करने के लिए मुझे अपना  
ही तरीका इस्तेमाल  
करना होगा।



नागराज ने इमारत के पीछे  
पहुंच कर अपना ओवरकोट उतारा।



ओवरकोट का कपड़ा  
जिसे नागराज ने  
पर लपेट लिया।

खलौफनाक  
जंग के आसार  
नजर आ रहे  
हैं।



नागराज पार्श्व भाग की दीवार पर चढ़ने लगा



और एक खिड़की से...

...अंदर कूद गया।



तभी-

ऐ!  
कौन हो तुम?

तुम्हारा  
बाप!



# फरस

राज कॉमिक्स



दसवें फ्लोर पर पहुँचते ही नागराज का स्वागत किया गोलियों ने!





## नागराज की हांगकांग यात्रा



रोशनदान से नागराज कंट्रोल रूम में पहुंचा -









## नागराज की हांगकांग यात्रा







यह सुजुकी  
कौन है?

मार्शल आर्ट, जूडो-  
कराटे, कुंगफू का सबसे  
बड़ा माहिर-जिसके  
सामने झांगो भी  
सिर झुकाता  
है!

**झांगो**

यह कौन है???

हमारे बॉस  
-चांगो से टक्कर लेने  
का हौसला रखने वाला  
-एशिया का एक मात्र  
लड़ाका! चांगो के बाद  
एशिया के अण्डर वर्ल्ड  
की सबसे बड़ी शक्ति  
झांगो ही है!



हुम्म! अब मेरी बात ध्यान  
से सुनो मिस्टर इंचार्ज-  
अपने आदमियों को आदेश  
दो- राजकुमारी ताकाशी  
को तुरन्त छोड़ दिया जाए,  
उसे कहीं जाने से  
रोका नहीं जाए!



मैं अपनी आंखों से उसे  
इस इमारत से बाहर  
निकलते देखना चाहता  
हूँ! तुरन्त... अभी...  
इसी समय...

ठीक है!  
मैं अभी  
आदेश देता  
हूँ!

अगले ही पल-

हेलो, रीबन बॉस का नया  
आदेश है- राजकुमारी  
ताकाशी को  
फौरन छोड़  
दिया जाए!



इंचार्ज के आदेश का तुरन्त ही पालन  
किया गया-

टी.वी. स्क्रीन पर नागराज ने मिस ताकाशी को  
चांगो इंटरप्राइजिज के फाटक से बाहर  
निकलते देखा।



जैसे ही राजकुमारी ताकाशी फाटक  
से बाहर निकली-

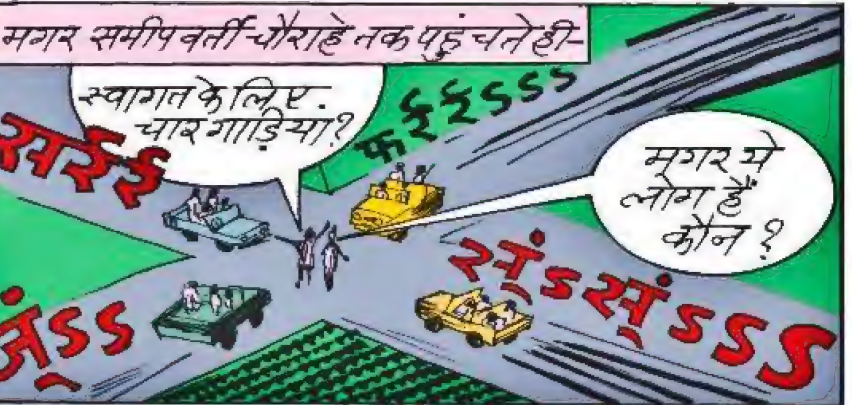




## नागराज की हांगकांग यात्रा



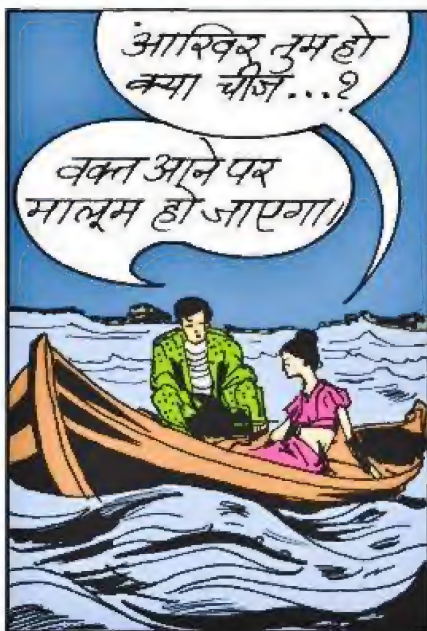






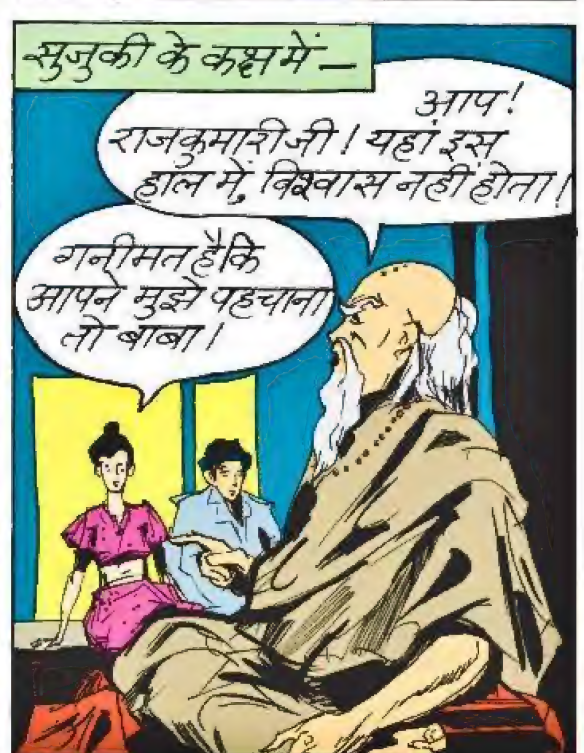




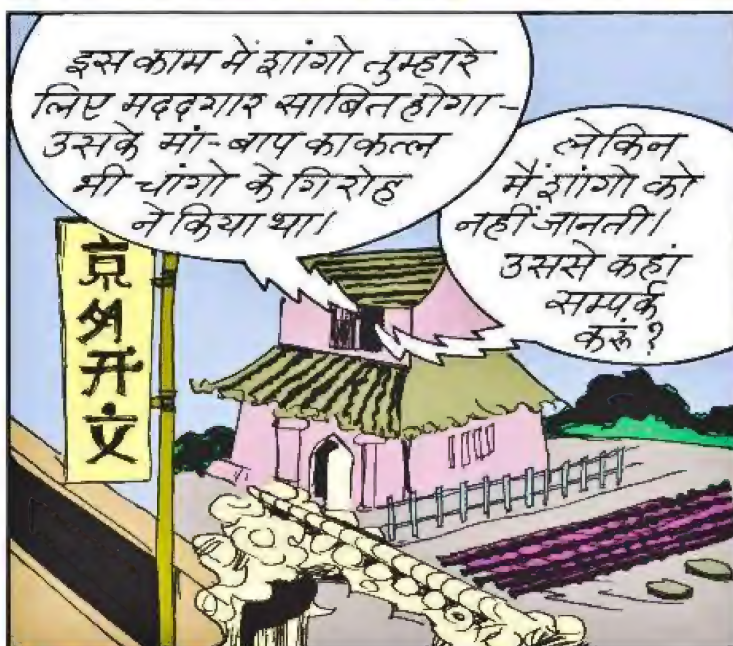
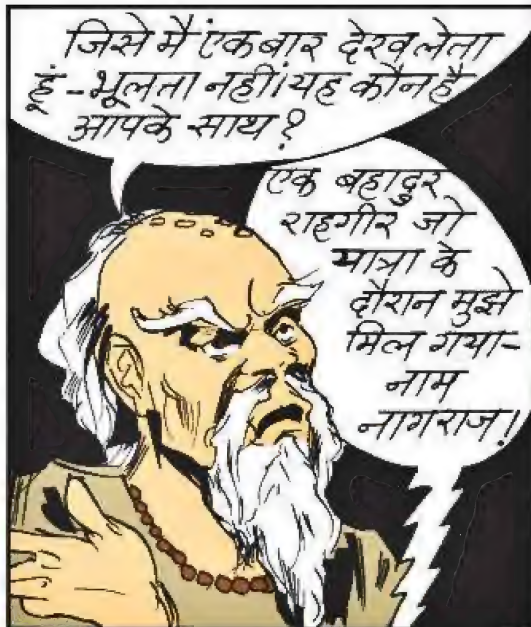




## नागराज की हांगकांग यात्रा









# नागराज की हांगकांग यात्रा

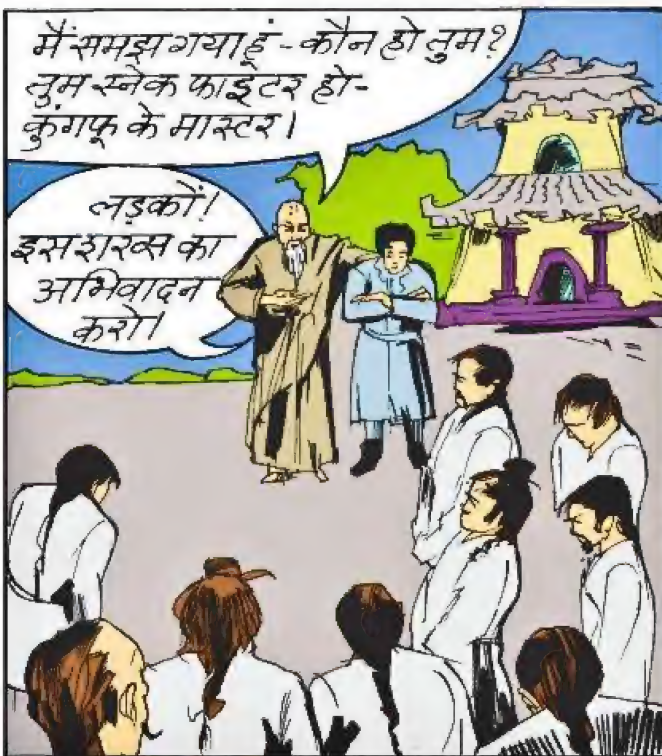
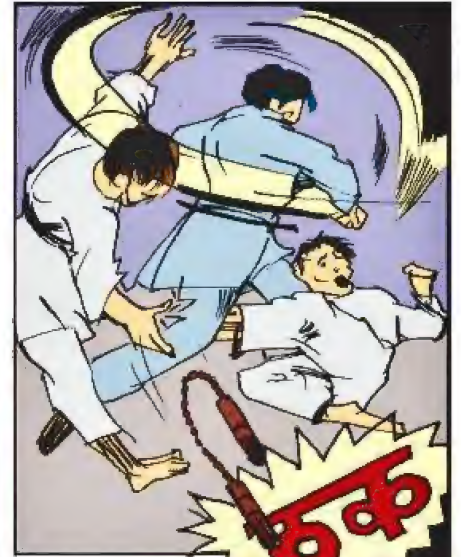








# नागराज की हांगकांग यात्रा





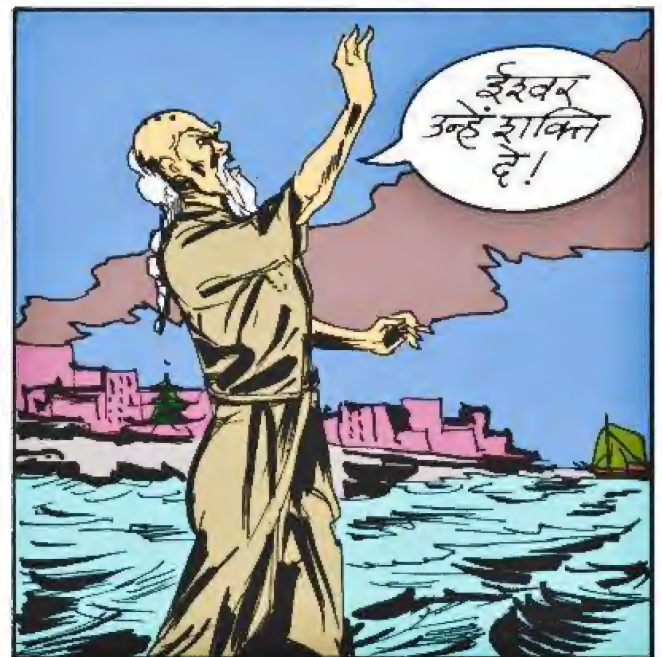




## नागराज की हांगकांग यात्रा

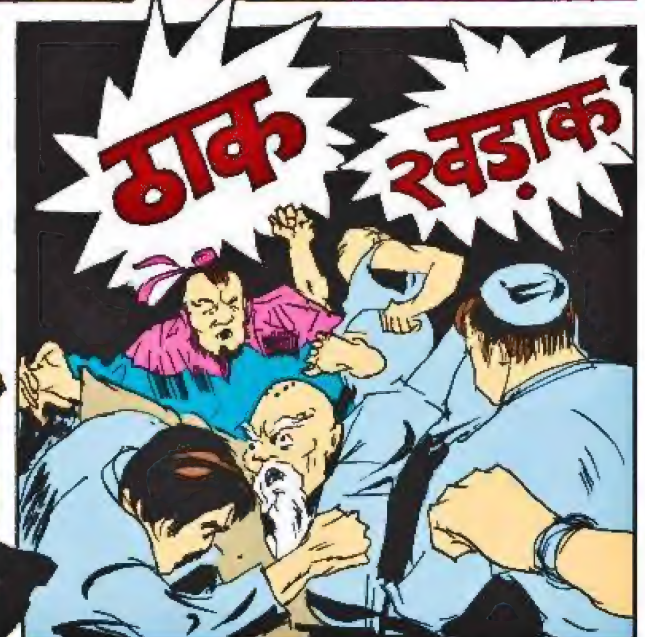




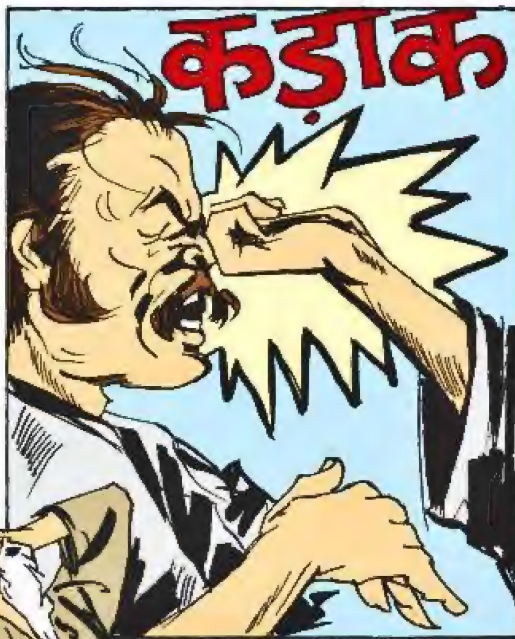




# नागराज की हांगकांग यात्रा







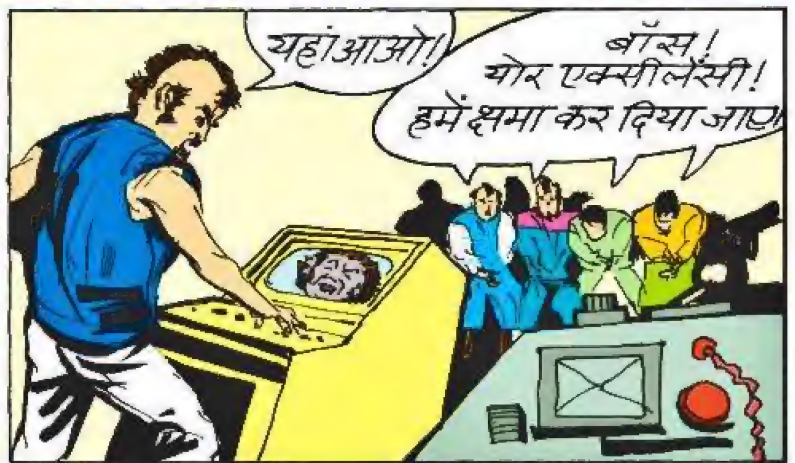


## नागराज की हांगकांग यात्रा



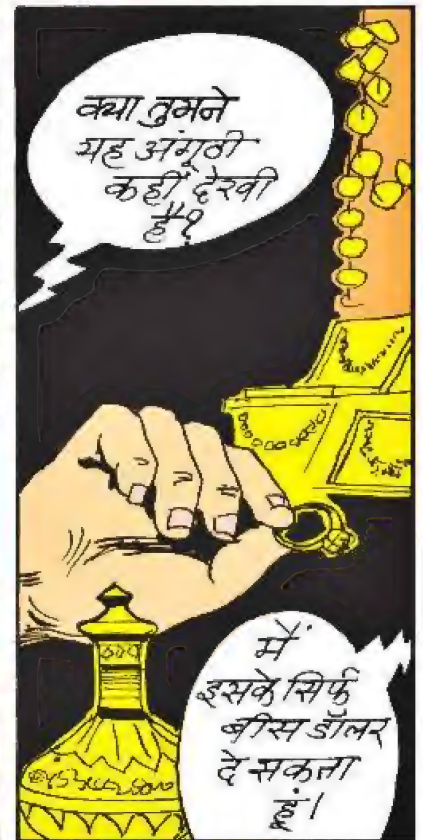


चांगो के अइडे पर -

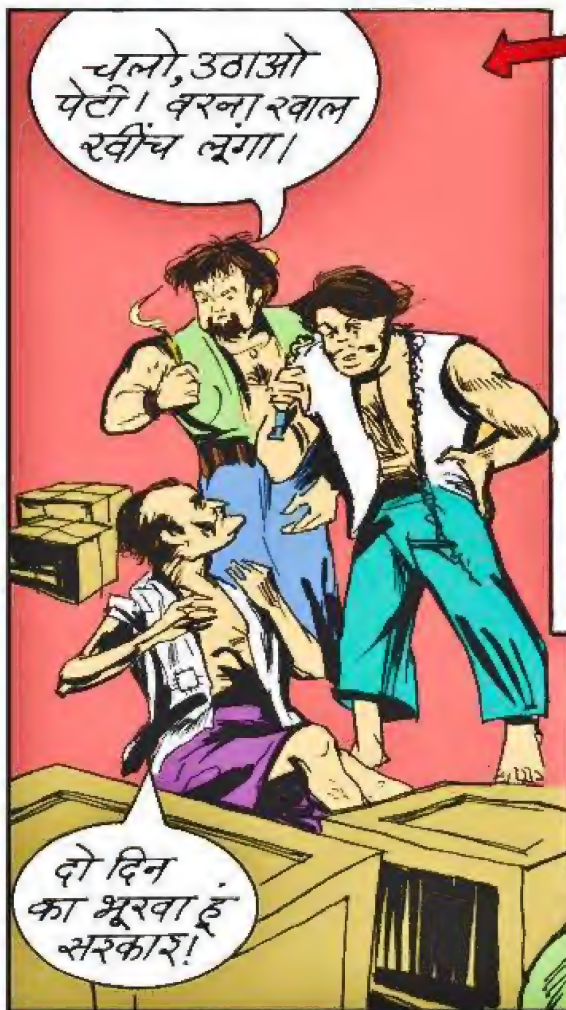




## नागराज की हांगकांग यात्रा









## जागराज की हांगकांग यात्रा

















## नागराज की हांगकांग यात्रा



# नागराज और शांगो







# नागराज और शांगो





संजय गुप्ता पेश करते हैं।

# नागराज और शांगो

लेखक : परशुराम शर्मा चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे सम्पादक : मनीष गुप्ता

एशियन क्रूक चांगो के गिरोह के रबरबार लोगों ने सिल्वर लैण्ड के राज परिवार का कत्ल कर दिया था। सिर्फ राजकुमारी ताकाशी ही उनके चंगुल से बचकर भागने में सफल हो सकी थी। वह हांगकांग में अपने पिता के मित्र मास्टर सुजूकी की सहायता लेने पहुंची - किन्तु फंस गई चांगो के गिरोह के लोगों के बीच। नागराज की मदद से किसी तरह वह मास्टर सुजूकी तक पहुंचने में सफल हो गई। सुजूकी ने उन दोनों को एक जैसी अंगूठी देकर वापस सिल्वर लैण्ड भेजा। जहां वैसी ही तीसरी अंगूठी देकर चांगो के जबरदस्त प्रतिद्वन्दी कोरियन फाईटर शांगो को उनकी मदद के लिए वह भेजने वाला था। मगर शांगो को अंगूठी देने से पहले ही मास्टर सुजूकी चांगो के गिरोह के लोगों से टक्कर लेता हुआ बुरी तरह घायल हो गया। शांगो जब मास्टर सुजूकी से मिलने पहुंचा तो तीसरी अंगूठी, उसे देने इशू सुजूकी ने दम तोड़ दिया और गलत फहमी का शिकार होकर शांगो नागराज का दुश्मन बन गया। अब उसे तलाश थी नागराज की - -

यह सब आपने "राज कॉमिक्स में पूर्व प्रकाशित कॉमिक "नागराज की हांगकांग यात्रा में पढ़ा और अब आगे पढ़ें -

नागराज हट नम्बर पांच में मौजूद था।













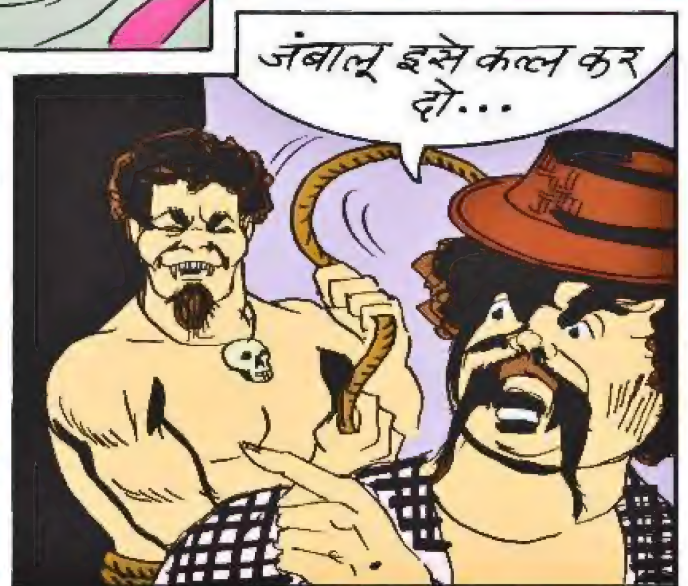




## नागराज और शांगो

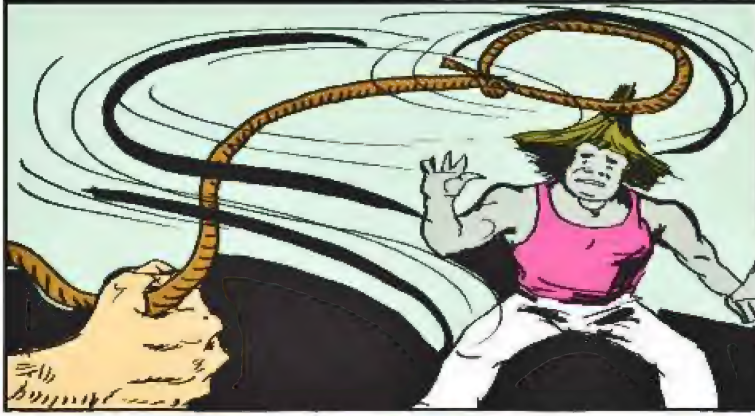








# नागराज और शांगो















झांगो का पीछा करने हुए नागराज गोदी तक पहुंच चुका था।





## नागराज और शांगो



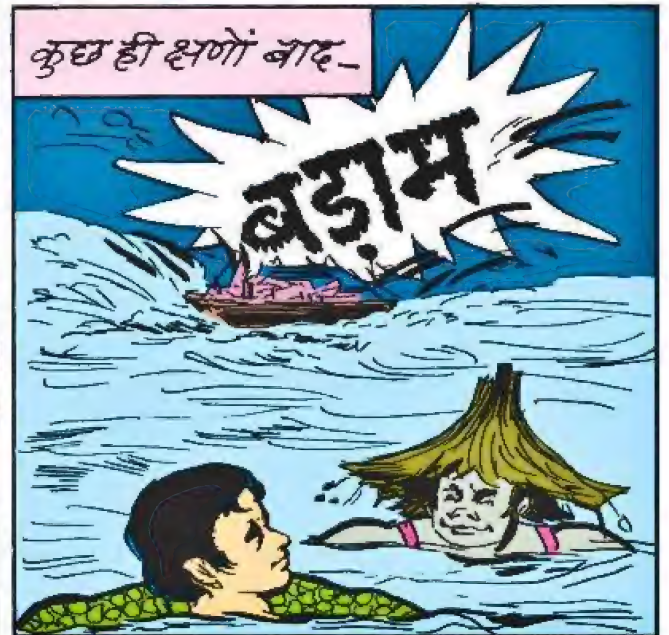




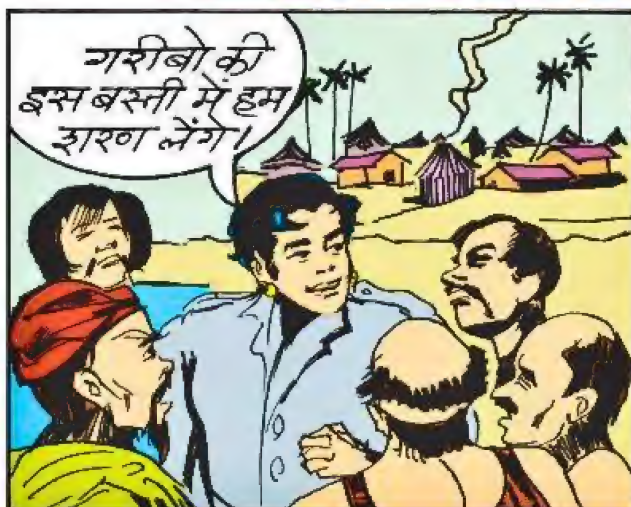
अभी यह बनाने का वक्त नहीं- पहले उसे देखो।













## नागराज और शांगो







...क्योंकि चांगो जानता है कि सुजूकी की मौत के बाद हांगकांग में क्या तूफान आएगा।...

...सुजूकी के शिष्य छोड़ेंगे नहीं चांगो को।



हमें एक ही रात में सारा काम समाप्त करना है झांगो! दो जगह एक साथ हमले होंगे- एक मोर्चा तुम संभालोगे और दूसरा मैं।

मैं तैयार हूँ!

चांगो ने सिल्वर लैण्ड स्थित अपने हेडक्वार्टर में अपने विशेष साथियों की सभा बुलाई।



सिल्वर लैण्ड में नागराज और झांगो दोनों मौजूद हैं।

आप हमें आदेश दें- हम अपनी जान पर खेल जाएंगे।



नागराज के सम्बंध में बहुत सी जानकारियां हमें उपलब्ध हो रही हैं। यह वही शरन्स है जिसने बुलडॉग का स्वात्मा किया था।



हमने सांपों से बचने का तरीका खोज लिया है।

सांपों से... क्या! क्या वह कोई सपेरा है?

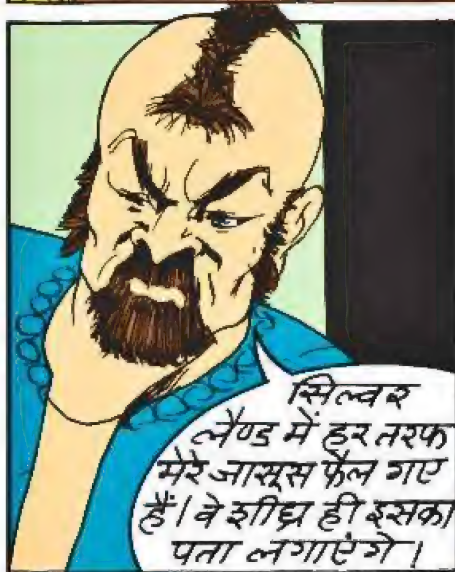


नहीं! वह हजारों नागों का स्वामी है- जो उसके शरीर में सूक्ष्म रूप में मौजूद रहते हैं।



हमने उससे निपटने के लिए एक विशेष ड्रेस बनाई है और यह ड्रेस हमारे आदमी धारण करेंगे।















उनके दस्ते

अलग-अलग रास्ते निकल पड़े।



बॉस! नागराज  
जल महल की  
झील तक आ  
पहुँचा है!

ओह! उसका  
इतना साहस!

झील के तट पर चांगो का बोट हाउस था।



यहाँ से  
मुझे एक बोट  
प्राप्त कर लेनी  
चाहिए।

ऐ कौन है?!

वहीं रुक  
जाओ।



यह बोट हाउस का  
गार्ड है मैं इसके  
वेश में आगे  
बढ़ सकता  
हूँ।

नागराज ने वेश  
बदल लिया—





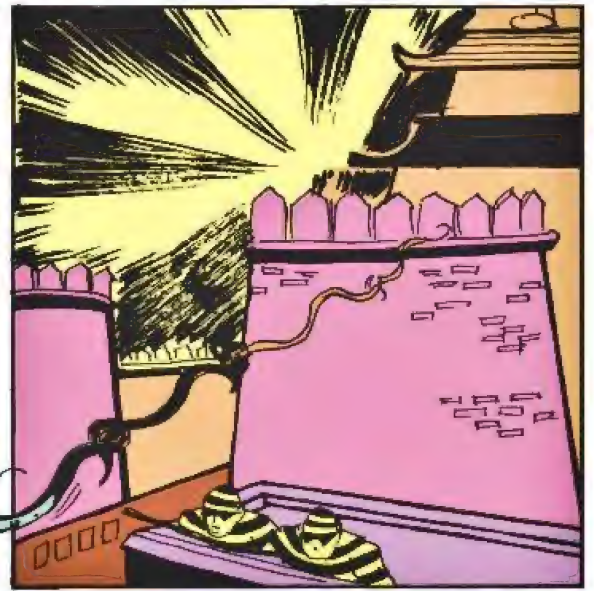
## नागराज और शांगो















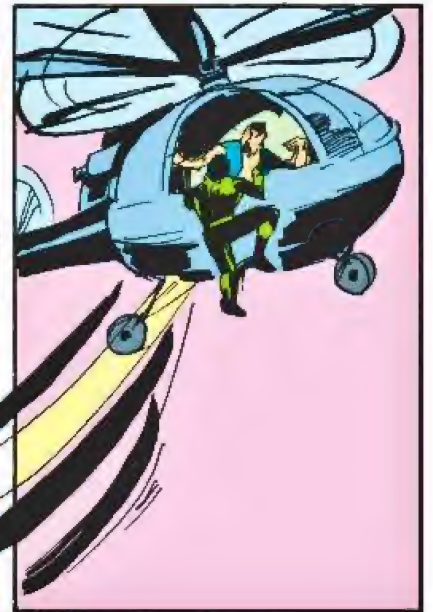
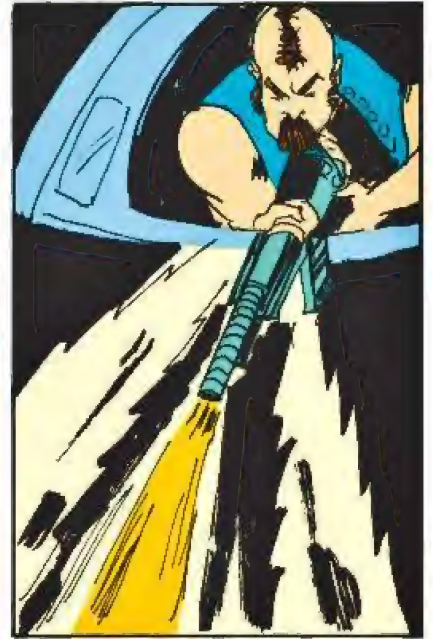




















नाकाशी और शांगो का सैनिक दस्ता सुरंग के रास्ते बढ़ चला...











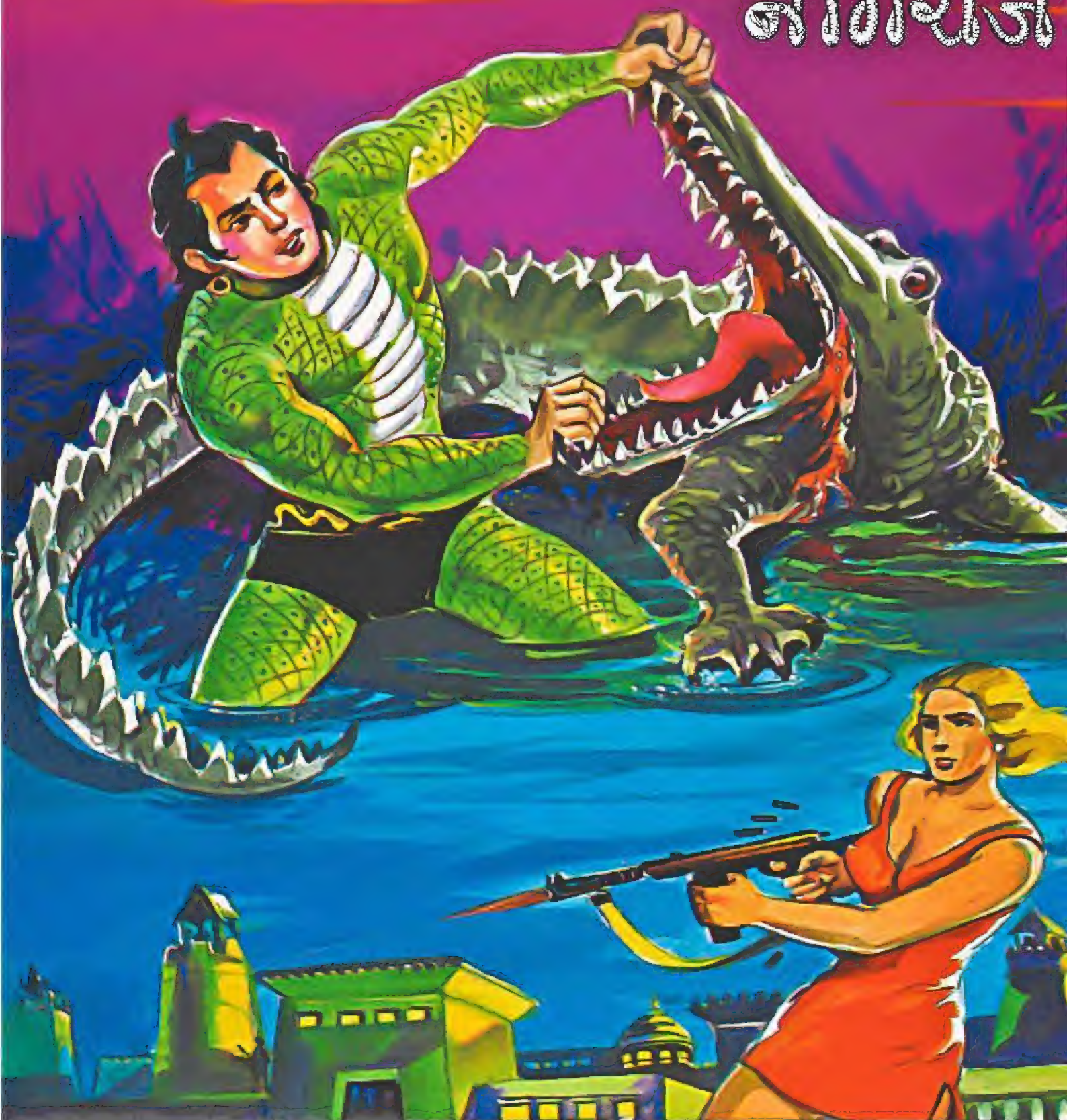






# खूनी खांज

नागराज





नागराज सीरीज

# खूनी खोज

लेखक : संजय गुप्ता  
कलादिबर्धक : प्रताप मुलीक  
चित्रकार : मिलिंद मुलीक, संजय  
सम्पादक : मनीष गुप्ता



आतंकवादियों की तलाश में विश्व  
भ्रमण पर निकला नागराज अमेरिका  
के शहर न्यूयॉर्क जा पहुंचा।



नागराज मैनहटन के होटल  
क्लेरिजिस में ठहरा।

CLARIDGES.



आधी रात को वह एक कैसीनो में पहुंचा-



वह बार में की तरफ बढ़ा-





नागराज ने रातभर न्यूयार्क के सारे नाइट क्लब छान मारे। लेकिन-

सॉरी सर! मैं खुद डॉन की तलाश में हूँ। उसका एक महीने से कोई पता नहीं है।

थैंक्स फ्रांसिस्को!



एफ.बी.आई. का एजेंट नम्बर डबल सेवन देर रात को अपने घर लौट रहा था, तभी...

नागराज निराश होकर वापस होटल के लिए चल दिया-



धॉंय धॉंय



फटाक

...एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे कार रोकने पर विवश कर दिया।

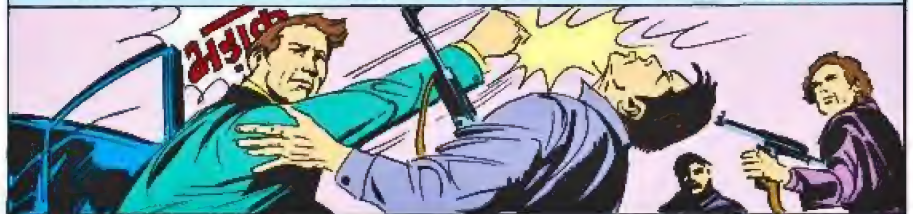
फिर आसपास की झाड़ियों से निकल कर आठ शूटों ने उसे घेर लिया।

लोबो! इसे कार से बाहर निकालो!

अरे टाइगर! यह तो विलियम के आदमी हैं।



लेकिन कार का दरवाजा लोबो ने नहीं, दरवाजा खोला डबल सेवन ने-



इससे पहले कि डबल सेवन लोबो पर हावी होता...



...विलियम के आदमियों ने डबल सेवन को फायरिंग करके गोलियों के घेरे में कैद कर दिया।



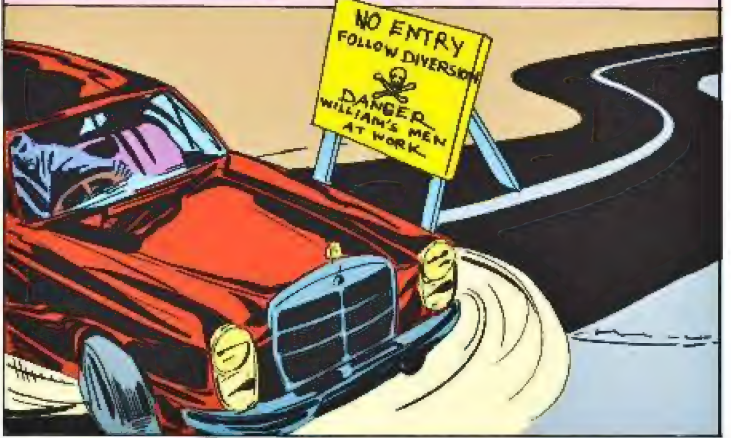
## खूनी खोज



हेंगो के प्रहारों से बचते हुए जैसे ही उसके शरीर का कोई भी हिस्सा बाहर निकलता था विलियम के आदमियों की बंदूकें गरज उठती थीं-



उत्तर नागराज की टैक्सी होटल की तरफ बढ़ रही थी। अचानक ड्राइवर ने टैक्सी कच्चे रास्ते पर उतार दी। तभी नागराज सड़क पर लगे बोर्ड को देख कर चौंक पड़ा-







डेंगो ने मजबूती से तलवार को ऊपर उठाया, लेकिन इससे पहले कि वह नीचे आती-



साँप से बचने के लिये डेंगो ने तलवार तो ऊपर उछाल दी, लेकिन खुद को गिरने से न बचा सका!



टाइगर व उसके साथियों ने उस तरफ देखा जिधर से साँप झपटे थे-









और कुछ ही देर बाद टाइगर के सभी साथी मृत्यु को प्राप्त हो चुके थे।



तभी नागराज की निगाह एक पेड़ की डाल पर छिपे टाइगर पर पड़ी-



नागराज ने उसे पेड़ से नीचे उतारा-



लेकिन नागराज इस समय एक लाश से बातें कर रहा था!



उफ! विलियम तक पहुंचने के लिये अब मुझे एक बार फिर डॉन की तलाश करनी होगी!



डबन सेवन के कराहने की आवाज सुनकर नागराज उसकी ओर बढ़ा-













दोनों टिकट लेकर एक ट्रेन में सवार हो गये।



अभी ट्रेन को चले दो ही घंटे हुए थे कि-



ओह! कोबरा नाग की गंध आ रही है। कहीं इसे सांप ने तो नहीं काट लिया!



नागराज लोगों को हटाकर उसके पास गया-

ओह! यह तो सर्पदंश ही है इसे बचाने के लिए मुझे तुरन्त इस के जिस्म से जहर को चूस कर बाहर निकालना होगा!



देखिए, आप लोग पीछे हट जाइए! इन्हें सांप ने काट लिया है। मैं इन्हें बचा सकता हूं।



नागराज ने होंठों से लड़की के पांव का सारा जहर चूस लिया!













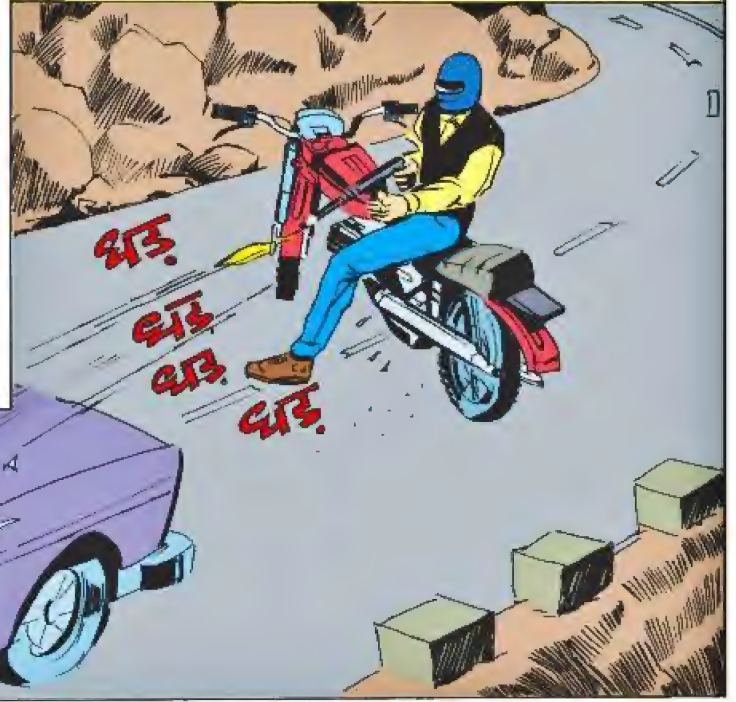




और अगले ही पल उस मोटर साइकिल सवार को अपने सामने देखा बास्को ने पूरी ताकत से ब्रेक दबा दिये।



ठीक उसी क्षण उस अज्ञात व्यक्ति ने अपने हाथ में दबी स्टेनगन का मुंह खोल दिया।



इसके बाद उसने मोटर साइकिल उसी दिशा में बढ़ा दी जिधर से वह आया था।



लेकिन मुझे नागराज तक अवश्य पहुंचना होगा। वही एक ऐसा व्यक्ति है जो विलियम को नेस्तनाबूद कर सकता है।



मौत से जूझते हुए बास्को ने कार आगे बढ़ा दी।











नागराज ने लॉकेट अपने पास रख लिया-



तभी वातावरण में पुलिस सायरन की आवाज गूंजने लगी-

कुछ ही देर बाद नागराज एक पार्क में बैठा उस लॉकेट के बारे में सोच रहा था-

इस लॉकेट में एक नृत्यांगना की आकृति बनी है। और बास्को श्री एक नृत्यशाला में गया था। यह लॉकेट अवश्य उसे वहीं से प्राप्त हुआ है।



तभी नागराज की निगाहें लॉकेट में बनी नृत्यांगना के हाथ की उंगलियों पर स्थिर हो गई।



नागराज ने घास में से एक बारीक तिनका तलाश किया और उसकी सहायता से उस सूक्ष्म बटन को ढबा दिया।



अब लॉकेट की मूर्ति ने एक दिशासूचक यंत्र का रूप ले लिया था। नृत्यांगना के हाथ अब ट्रैफिक पुलिस के सिपाही की तरह इशारे कर रहे थे।

















... 'डैडी ने पैकेट लिया और उसे खोलने लगे'...

"लेकिन वह पैकेट जैसे हमारे घर से हमारी सारी खुशियां छीनने आया था जैसे ही डैडी ने पैकेट खोला..."

न जाने क्या है इसमें?



... 'डैडी के चेहरे के चीथड़े उड़ गये। पैकेट में बम था। डैडी के गम में रोते-रोते मम्मी ने श्री प्राण त्याग दिये'...



...तब से अब तक मैं उस डॉन नामक कुत्ते की तलाश में थी। आज तुमने मुझे मेरी मंजिल के इतना करीब पहुंचा दिया है कि अब मैं और देर नहीं करना चाहती।

फ्लोरिडा, डॉन जेल में है। हम उसे कल सुबह तलाश करना शुरू करेंगे तब तक तुम आराम करो।

अगली सुबह नागराज फ्लोरिडा के साथ कार में सवार होकर निकल पड़ा डॉन की खोज में-



लॉकेट नागराज के गले में झूल रहा था।

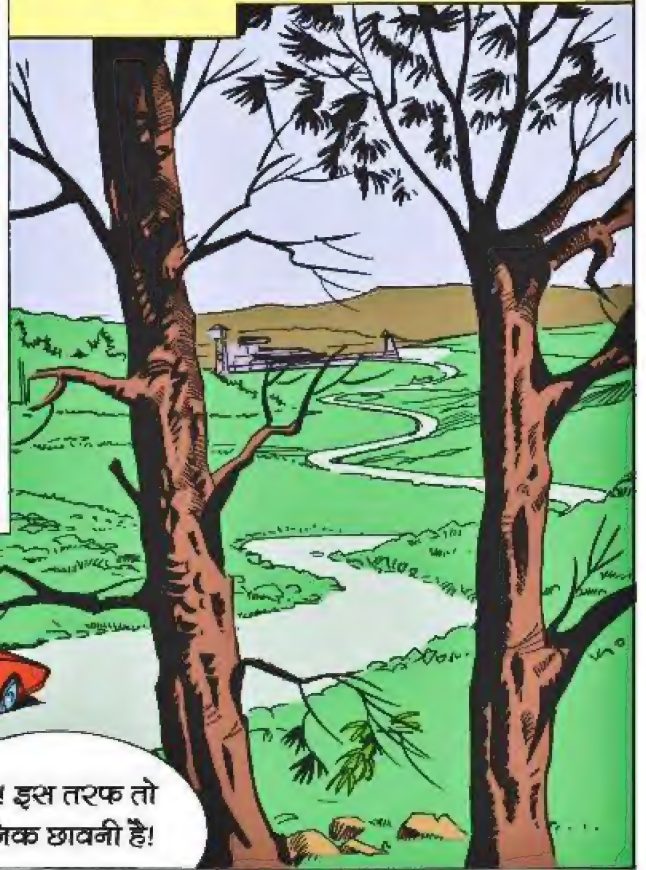


लॉकेट में बनी आकृति उन्हें हाथ के इशारे से दिशा संकेत दे रही थी।

यहां से दायें मोड़ लेना फ्लोरिडा!



विभिन्न ग्रीड-ग्राड वाली सड़कों से गुजरने के बाद अब वे शहर से बाहर एक निर्जन सड़क पर बढ़ रहे



अरे! इस तरफ तो सैनिक छावनी है!



थोड़ा आगे पहुंचने पर छावनी नजर आने लगी। तभी लॉकेट की आकृति हाथ के इशारे से रुकने का संकेत देने लगी।

ओह! कहीं वह जेल इसी छावनी के अन्दर ही तो नहीं है।

हां, ऐसा ही लगता है। क्योंकि सैनिक छावनी से सुरक्षित जगह शिकागो में दूसरी नहीं है!





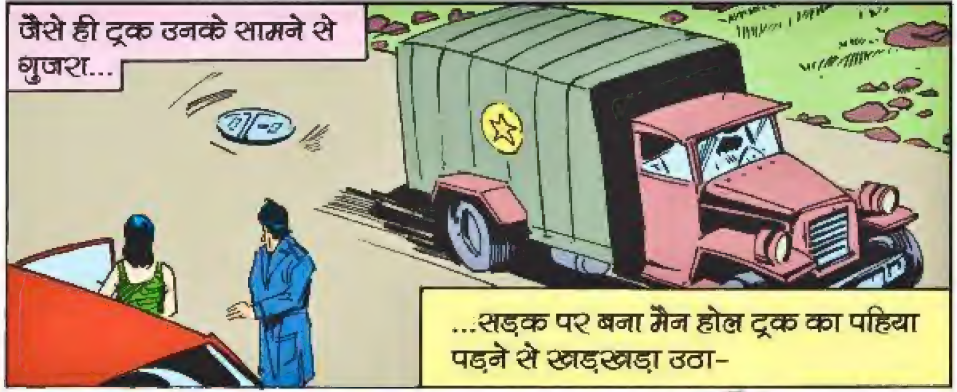
## खूनी खोज

दोनों कार से बाहर उतरकर छावनी में प्रविष्ट होने कि योजना बनाने लगे।



तभी धड़धड़ाता हुआ एक आर्मी का ट्रक सामने से आता दिखाई दिया।

जैसे ही ट्रक उनके सामने से गुजरा...



...सड़क पर बना मैन होल ट्रक का पहिया पढ़ने से खड़खड़ा उठा-

और खड़क उठा नागराज का मस्तिष्क-



फ्लोरिडा! छावनी में मैं अकेला जाऊंगा।

लेकिन...

तुम फिक्र मत करो! डॉन को मैं तुम्हारे पास जिन्दा लेकर आऊंगा।



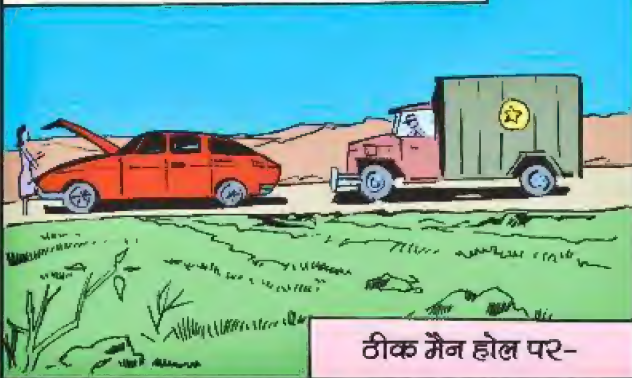
नागराज ने अपनी योजना फ्लोरिडा को बता दी।

ठीक आधे घंटे पश्चात् एक और आर्मी ट्रक छावनी की तरफ बढ़ रहा था। तभी-



अरे, यह कार बीच सड़क में कैसे खड़ी है? लगता है खराब हो गई है।

ट्रक कार के पीछे जाकर रुक गया।



ठीक मैन होल पर-



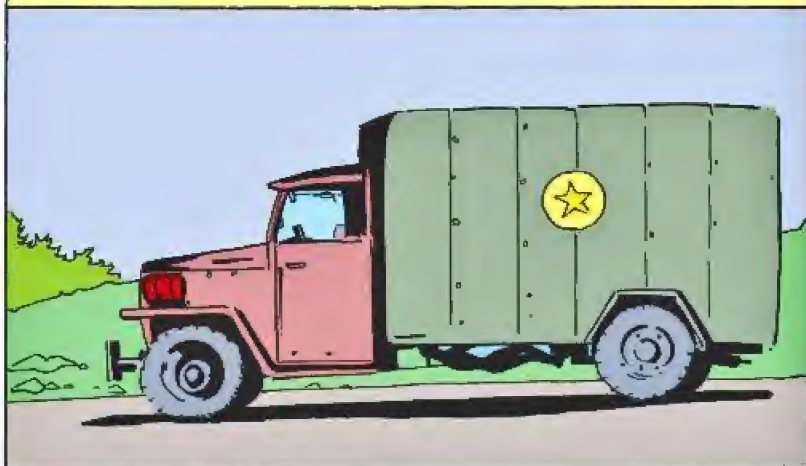
देखिए! मेरी कार अचानक खराब हो गई है। इसे साइड पर लगाने में मेरी मदद कीजिए प्लीज!



इसी बीच ट्रक के नीचे मैन होल का ढक्कन हटाकर नागराज बाहर आया...



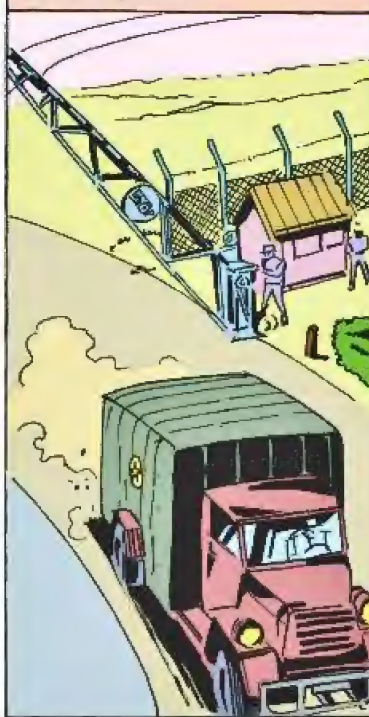
...और ट्रक के निचले हिस्से में सांप की तरह चिपक गया-



और तब तक फ्लोरिडा की कार सड़क के किनारे लगाने के बाद ट्रक ड्राइवर ने ट्रक आगे बढ़ा दिया-



कुछ ही देर में ट्रक छावनी में प्रविष्ट हो गया!



सैनिकों की बैरेकों के पास आकर ट्रक रुक गया।



सैनिक धड़धड़ाते हुए ट्रक से उतरे और बैरेकों में चले गए।



नागराज ट्रक के नीचे से निकला और पेड़ पर चढ़ गया-





पेड़ की सबसे ऊँची शाखा पर पहुँचकर नागराज पूरी छावनी को देख सकता था।

लगता है यह सारे सैनिक ट्रेनिंग के लिये मैदान में जमा हो रहे हैं।



नागराज ने गर्दन घुमाकर दूसरी तरफ देखा तो चौंक पड़ा-

ओह! तो यही वह अभेद्य किला है- जिसमें से मुझे डॉन को निकालना है।



नागराज पेड़ से नीचे उतरा और किले की ओर बढ़ने लगा-



किले में प्रविष्ट होने का इससे अच्छा मौका और नहीं मिलेगा। सारे सैनिक मैदान में जमा हैं।

लेकिन किले से पहले उसे खाई का सामना करना पड़ा-

ओह! इसे तो मैं पलभर में तैरकर पार कर लूँगा।

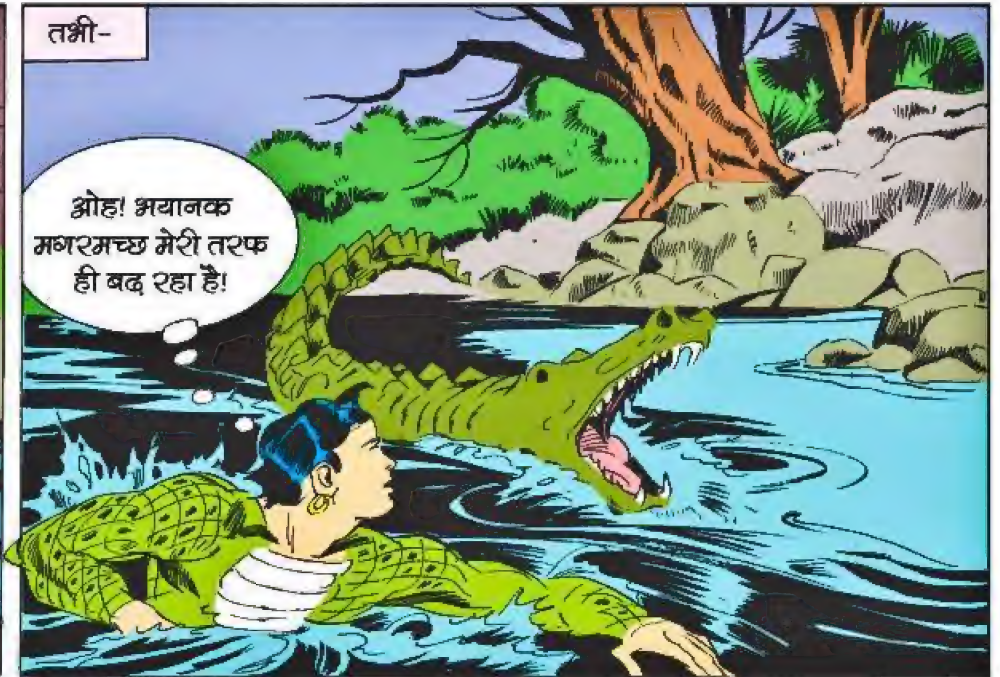






तभी-

ओह! भयानक  
मगरमच्छ मेरी तरफ  
ही बढ़ रहा है!



और फिर शुरु हो गई एक खूनी मुठभेद-



अभी नागराज मौत के दूत से जूझ ही रहा था कि-

ओह! एक और  
मगरमच्छ!





मौत के बढ़ते हुए कदमों को नागराज ने इस प्रकार रोका-



और नागराज की दूसरे मगरमच्छ के जबड़े पर कस गई-



फिर नागराज ने अपनी उंगलियां पहले मगरमच्छ की आंखों में घोंप दीं-



मगरमच्छ दर्द से छटपटाया और इसी बीच नागराज ने गोता लगाकर उसके पेट के कोमल हिस्से में अपने विषयुक्त दांत गड़ा दिये।



पोटाशियम साइनाइड से ज्यादा विषैले नागराज के दंश के प्रभाव से मगरमच्छ छटपटा भी न सका।





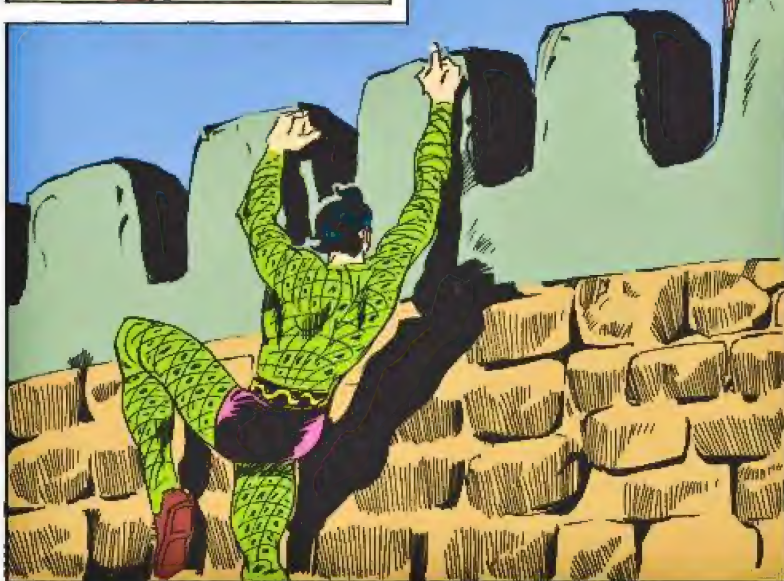
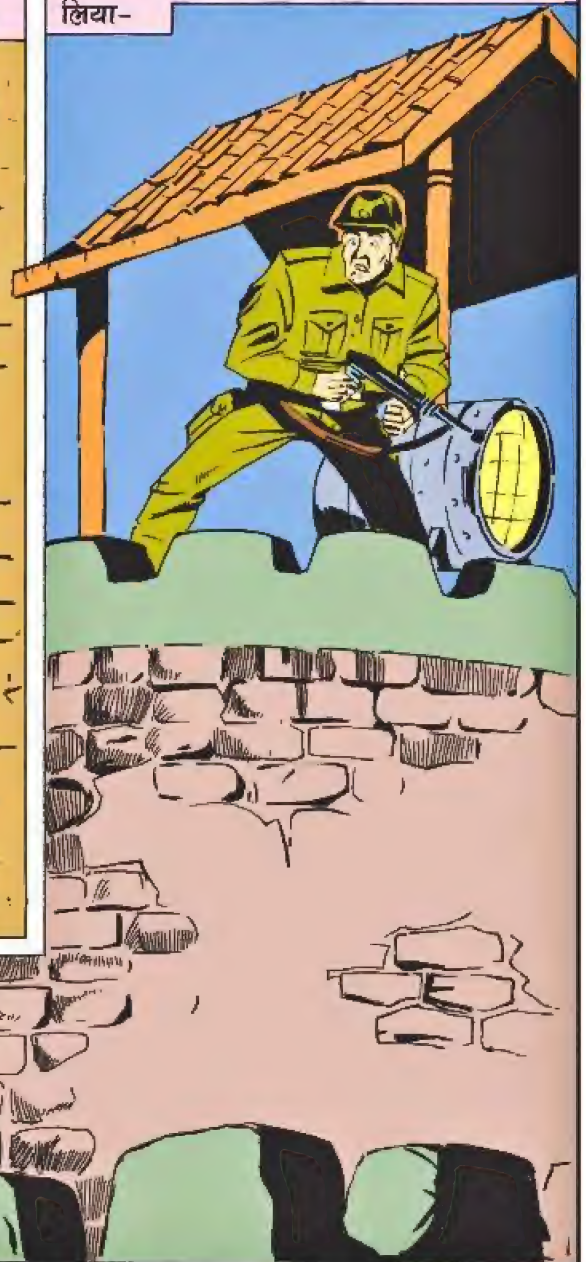
इसके बाद नागराज  
किले की दीवार पर  
पहुंच गया-



अब वह ठीक किसी सांप की तरह  
रेंगता हुआ किले की दीवार पर चढ़  
रहा था।



किले की बुर्जी पर खड़े गार्ड ने उसे देखा  
लिया-



लेकिन अगले ही पल चीखने के लिये खुला  
उसका मुंह...





...खुला का खुला रह गया-



वह मर चुका था।

दीवार से उतरते ही नागराज का सामना हुआ एक वार्डर से-



मेरी आंखों में देखो!

??



देखो, मुझे डॉन तक पहुंचने का रास्ता बताओ।



डॉन की सैल मेन बिल्डिंग में है और जिसका गेट स्वचालित मैकेनिज्म द्वारा सिर्फ एक बजे खुलता है। अब कल एक बजे से पहले अंदर जाने के बारे में सोचना बेकार है।

तभी नागराज की दृष्टि एक मेन होल पर स्थिर हो गई!



ओह! मेन बिल्डिंग के गंदे पानी की निकासी इसी सीवर लाइन द्वारा होती होगी?



देखो! अब तुम दो घण्टे के लिए सो जाओ।

नागराज ने सोते हुए वार्डर को छिपा दिया।



नागराज मैन होल का ढक्कन हटाकर सीवर में प्रविष्ट हो गया।



अन्दर घटाटोप अंधकार में नागराज सीवर की छत से चिपका बद्धा जा रहा था।



काफी देर चलने के बाद एक मैन होल का आभास पाकर नागराज रुक गया-



नागराज ने मैन होल का ढक्कन थोड़ा सा हटाया...

“और झांक कर देखा-

लगता है यहां कोई नहीं है। मुझे बाहर निकलना चाहिये।



नागराज मैन होल का ढक्कन हटाकर बाहर आ गया था।







शीघ्र ही एक नाग नागराज की कलाई से छूटा...



बटन दबाते ही सत्तरह नम्बर कोठरी का दरवाजा खुल गया-



इसके बाद नागराज डॉन के साथ उसी सीवर के रास्ते से बाहर निकल गया।



उसी रास्ते पर बढ़ते हुए नागराज उसी मैन होल के नीचे पहुंच गया- जहां से वह अन्दर प्रविष्ट हुआ था उसने ढक्कन को ऊपर उठाना चाहा लेकिन-



लाख कोशिश के बाद भी ढक्कन टस से मस न हुआ।

डॉन! हमें दूसरे मैन हाल से बाहर निकलना होगा!



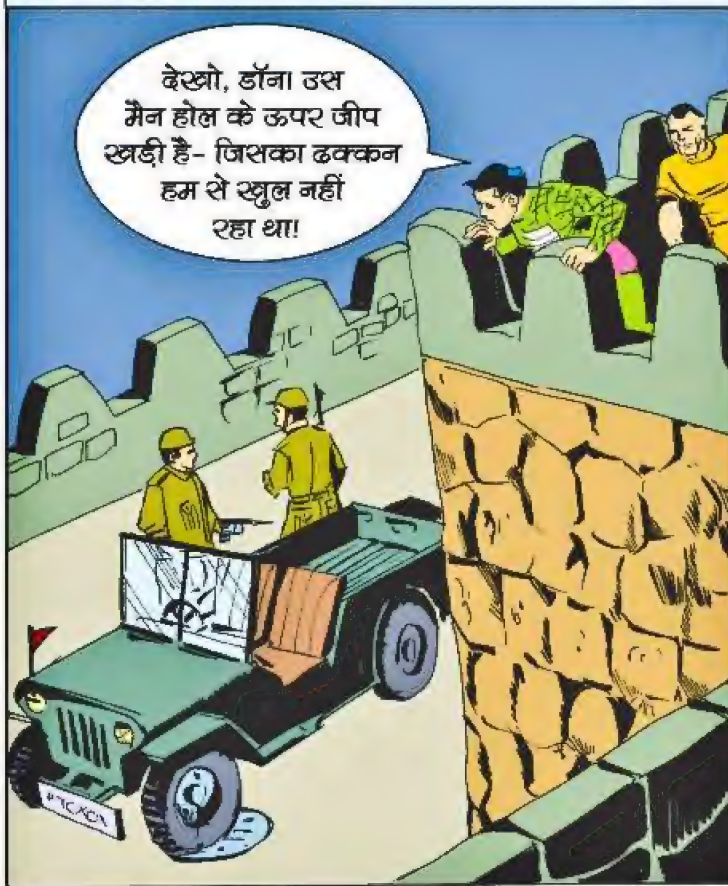
दोनों अगले मैन होल की तलाश में आगे बढ़ गए।

अगले मैन होल पर पहुंचकर नागराज ने सावधानी से ढक्कन हटाया और दोनों बाहर आ गए।





बाहर आते ही दोनों भागकर दीवार पर चढ़ गए-



दोस्त! यह तो जेलर की जीप है! इसे काबू में कर लें तो हम आसानी से बाहर निकल सकते हैं!

अच्छा! फिर तुम मेरा कमाल देखो!



नागराज की कलाईयां हरकत में आ चुकी थीं।

जीप के पास-



दोनों डर की अधिकता के कारण बेहोश हो गए।

जेलर की जीप की वजह से किले का सबर दरवाजा खोल दिया गया था-



अब नागराज उस अभेद्य दुर्ग को भेद कर डॉन को साथ लिपु जा रहा था-



जेलर की जीप निर्विघ्न छावनी से बाहर आ गई।



नागराज ने फ्लोरिडा की कार के पास जाकर जीप रोक दी-

फ्लोरिडा तुम कहाँ हो?



लेकिन फ्लोरिडा कार में नहीं थीं।

वह तो सड़क के किनारे एक चट्टान पर स्टेनगन लिए खड़ी थी।

डॉन! यू रास्कल! यू बूट! मरने के लिये तैयार हो जाओ।



नहीं! फ्लोरिडा गोली मत चलाना! नहीं! नहीं!

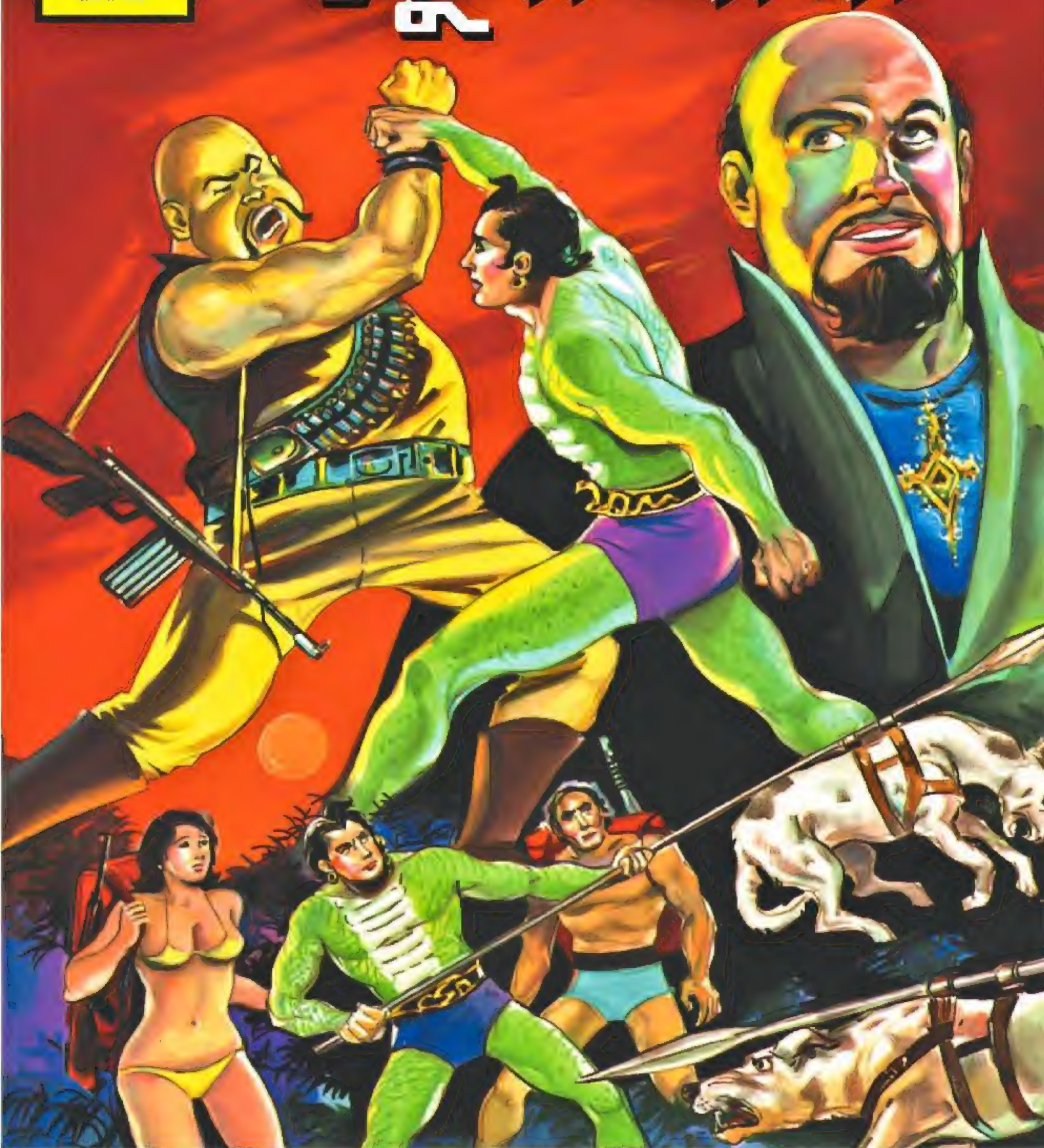


- ★ क्या फ्लोरिडा अपना इंतकाम पूरा कर सकी?
  - ★ क्या नागराज विलियम तक पहुँच सका?
  - ★ डॉन का क्या हुआ?
- यह सब जानने के लिए पढ़ें :-

**खूनी यात्रा**



# खूनी यात्रा





# खूनी यात्रा

लेखक : संजय गुप्ता  
चित्रकार : चंदू, विनय

कलादिबोधक : प्रताप मुलीक  
सम्पादक : मनीष गुप्ता

नागराज, जिसने विश्व से आतंकवाद व अपराध को जड़ से उखाड़ फेंकने की कसम खाई थी, बुलडाग और चांगो जैसे विश्वव्यापी अपराधियों को नेस्तनाबूत करने के बाद अब अमेरिका व पश्चिमी यूरोप के सबसे खतरनाक गैंगस्टर विलियम से टकराने जा पहुंचा था, न्यूयार्क में। न्यूयार्क में सिर्फ डॉन ही ऐसा व्यक्ति था जो नागराज को विलियम तक पहुंचा सकता था। लेकिन वह इस समय शिकागो की सर्वाधिक सुरक्षित जेल में था। नागराज डॉन को जेल से आजाद कराने के लिए शिकागो पहुंचता है। राह में उसकी मुलाकात होती है फ्लोरिडा से.. एक ऐसे साथी के रूप में.. जिसकी मंजिल श्री डॉन तक पहुंचना थी। फ्लोरिडा डॉन के खून की प्यासी थी- क्योंकि उसने उसे अनाथ कर दिया था। नागराज फ्लोरिडा को बाहर छोड़कर जेल में प्रविष्ट होता है। फ्लोरिडा को डॉन की मौत चाहिए थी और नागराज को उसका जीवन। जैसे ही नागराज डॉन को लेकर बाहर आया, फ्लोरिडा ने डॉन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। यहां तक आपने पढ़ा 'खूनी खोज' में। अब आगे पढ़ें-



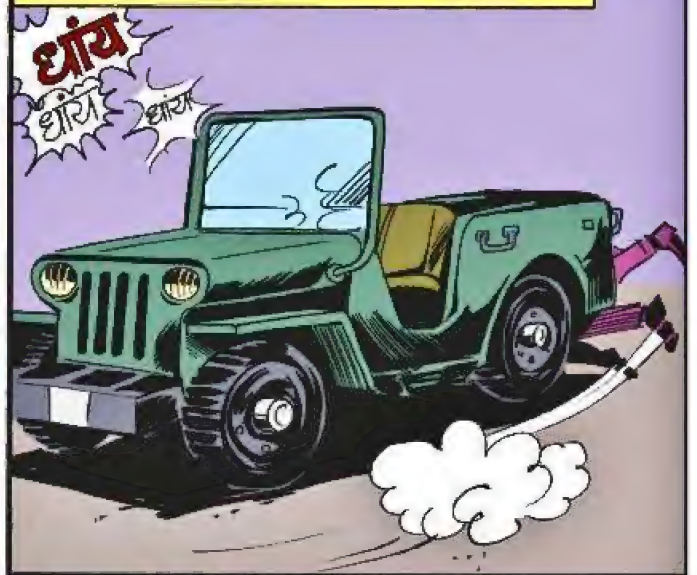


लेकिन इससे पहले कि एक भी गोली डॉन को स्पर्श करती...



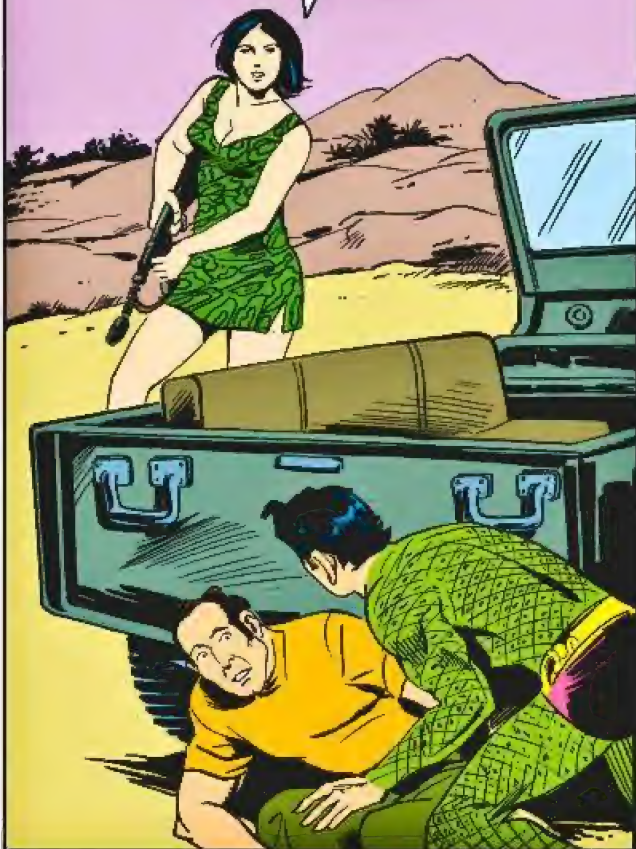
...नागराज ने डॉन पर छलांग लगा दी...

...और उसे लेता हुआ जीप के पीछे लुढ़क गया।



चट्टान से उतरकर फ्लोरिडा जीप के पास आ गई।

नागराज! इस कुत्ते को मेरे हवाले कर दो। यह मेरे पिता का हत्यारा है। इस स्टेनगन की गोलियां भी शायद आज इसके सीने में इतनी आग भरने के लिए कम पड़ेगी - जितनी दो साल से मेरे सीने में धक्क रही है।













## खूनी यात्रा

...आज से चार वर्ष पहले की बात है। आज की तरह उस समय भी न्यूयार्क व शिकागो के अण्डर वर्ल्ड में विलियम सबसे बड़ी हस्ती थी। वह न्यूयार्क का सबसे बड़ा स्मगलर था...



...न्यूयार्क व शिकागो का कोई भी छोटा-बड़ा स्मगलर विलियम के आगे सर उठाने की हिम्मत नहीं रखता था। उन्हें विलियम को हर डील का कमीशन देना पड़ता था...



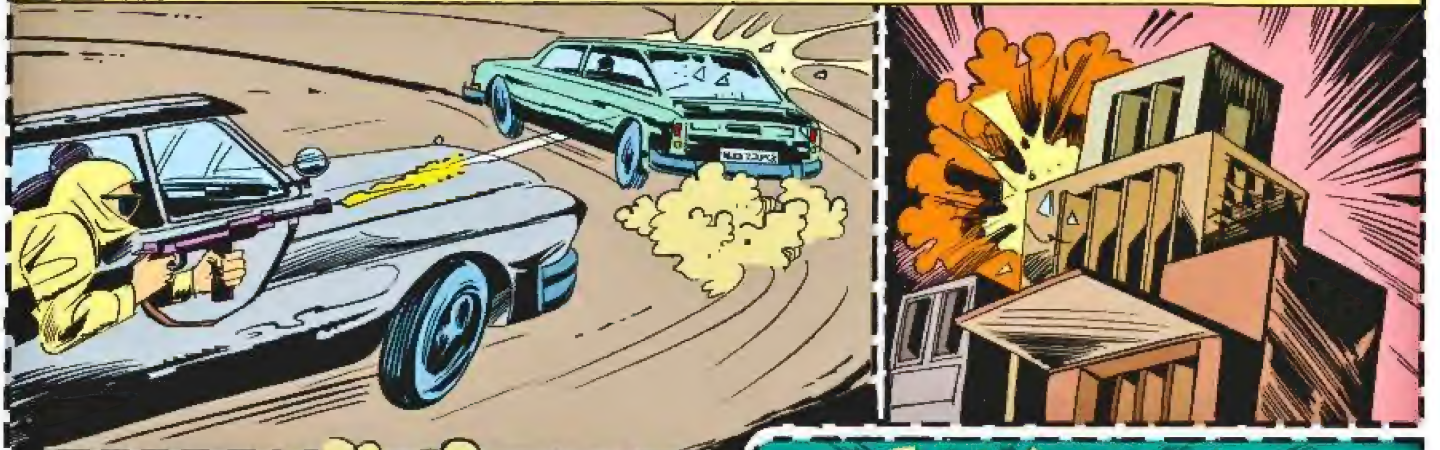
...विलियम से गढ़वासी करने वाले का धंधा-पानी अगले दिन से ही बंद हो जाता था...







...उसके बाद न्यूयार्क व शिकागो में अक्सर मेरे व विलियम के गैंग्स की छोटी-बड़ी मुठभेड़ें होने लगीं।





...अब जरायम पेशा लोगों ने विलियम से डरना छोड़ दिया था। वे खुली जुबान से मुझ को विलियम का बाप कहने लगे थे...



टॉम! खड़े हो जाओ, यह जगह डॉन के आदमियों के लिए आरक्षित है।



और चिन्गारी सुलग उठी-

क्या बकता है...? जनता नहीं विलियम के आदमियों से बदतमीजी का मतलब मौत है।

उसने मैनेजर को हवा में उछाल दिया-

लेकिन तभी बार में डॉन के साथी प्रविष्ट हुए-



हैंगो, तुम काउंटर पर जाओ! इन्हें हम तमीज सिखाते हैं।

इसके साथ ही सबके हाथों में हथियार चमक उठे-



जैक्सन भाग जाओ, यहां से, विलियम से टकराकर मौत ही मिलेगी।

लेकिन टॉम के शब्द अर्थहीन साबित हुए।



मौत से हमने लड़ना सीखा है और मौत देना तुम्हारा नहीं ऊपर वाले का काम है।

टॉम व उसके साथियों के हाथों में से रिवॉल्वर निकल गये-





लेकिन तभी टॉम ने अपने पास पड़ी एक प्लेट घुमाकर जैक्सन पर दे मारी-

अबे, देखते क्या हो... तोड़ डालो सालों को!



सब आपस में भिड़ गए-



जैक्सन उछलकर टॉम की छाती पर चढ़ बैठा-



तभी, टॉम के दो साथियों ने जैक्सन को पकड़ लिया-

तू मेरी छाती पर बैठा जैक! मैं तेरी छाती तोड़ दूंगा!



लेकिन जैक्सन के जोरदार झटके ने टॉम को अपने ही साथी पर वार करने लिए मजबूर कर दिया।



फिर उसने दोनों को सम्भलने का मौका नहीं दिया।









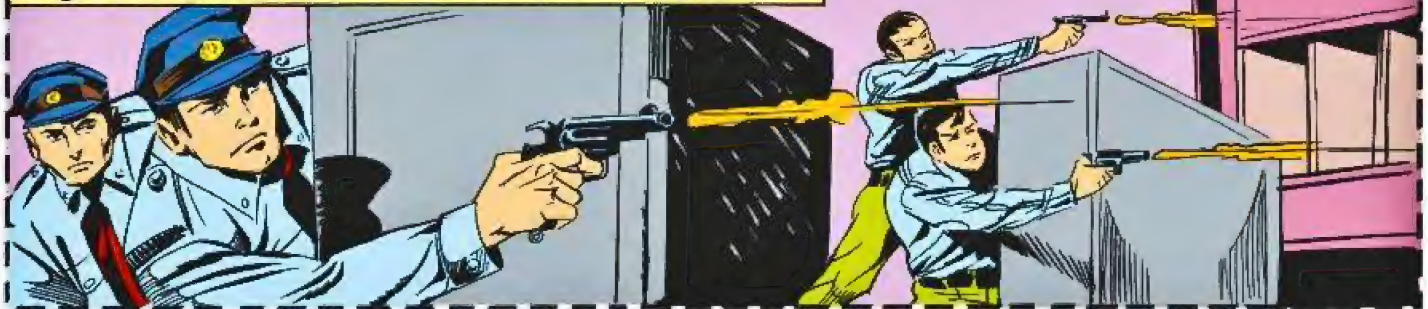
...और एकाएक सबको कवर कर लिया...



...फिर सब हीरे लूटकर उन्होंने बंदूकों के मुंह खोल दिए...



...पुलिस और मेरे आदमियों ने उनका सामना किया। लेकिन...



...वे अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे। तथा हमें दर्शकों को भी बचाकर गोली चलानी थी...



...सबको मौत बांटते हुए वे वहां से भाग निकले...



...तीन मिनट की फायरिंग ने तीन सौ लोगों की जानें ले ली थीं...





...मुझे नफरत हो गई हिंसा से, हथियार से और विलियम से...



...मैंने विलियम के सभी ठिकानों व उसके काले कारनामों की एक वीडियो कैसेट तैयार करवायी और एक पैकेट में बंद करके अपने एक विश्वासपात्र को दे दी...



...लेकिन वह विश्वासघाती बिका हुआ निकला उसने वह पैकेट विलियम के आदमी को बेच दिया।



...विलियम ने उस पैकेट को खोलकर उसे लैटर बम बना दिया और तुम्हारे घर भेज दिया...



...तुम्हारे पिता ने पैकेट पर लिखा मेरा नाम पढ़ा और उसे खोलते ही अपनी जान गवां बैठे...



फ्लोरिडा का मन अब डॉन की तरफ से साफ हो चुका था।









...पुलिस को विलियम की तलाश थी। मेरे मुंह से उसका नाम सुनकर उनके कान खड़े हो गए...



...मैं विलियम से खुद बदला लेना चाहता था- सो मैंने उन्हें कुछ न बताया...



...विलियम का पता न बताने के कारण मेरी सजा बढ़ती गई...



...विलियम ने जेल में ही मेरी हत्या करवाने के कई प्रयास किए...



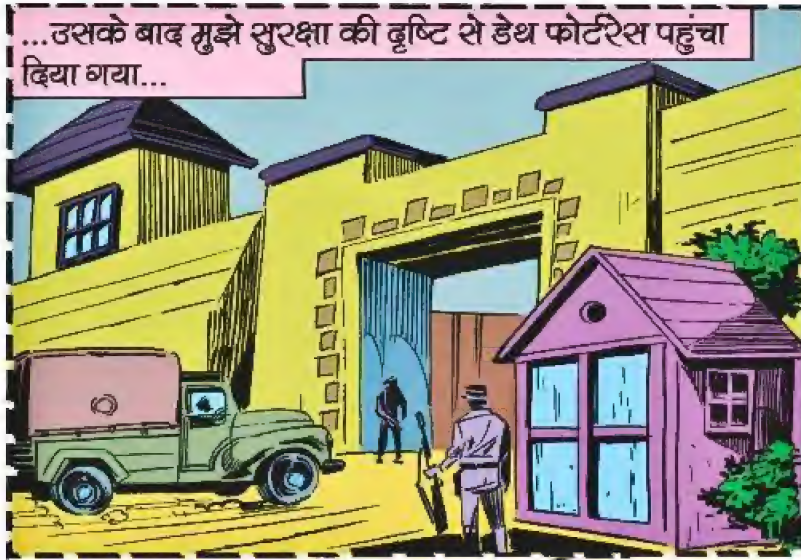
...एक गार्ड ने तो मुझ पर गोली ही चला दी थी...



...लेकिन मेरा भाग्य मेरे साथ था मेरे खाने के बर्तन ने मेरी रक्षा की...













डॉन दोनों को एक टी.वी स्क्रीन के सामने ले गया-

मैं तुम्हें वही वीडियो कैसेट दिखाता हूँ।



यह, द्वीप न्यूयार्क से 200 किलो मीटर दूर विलियम की प्राइवेट प्रापर्टी है...



...टापू के किनारे खड़ी ये लांच और शिप उसके व उसके साथियों के निजी इस्तेमाल के लिए हैं...



...टापू पर ये घर उसके गुण्डे एवं बदमाशों के हैं, जो उसके लिए हर बलत काम करते हैं...



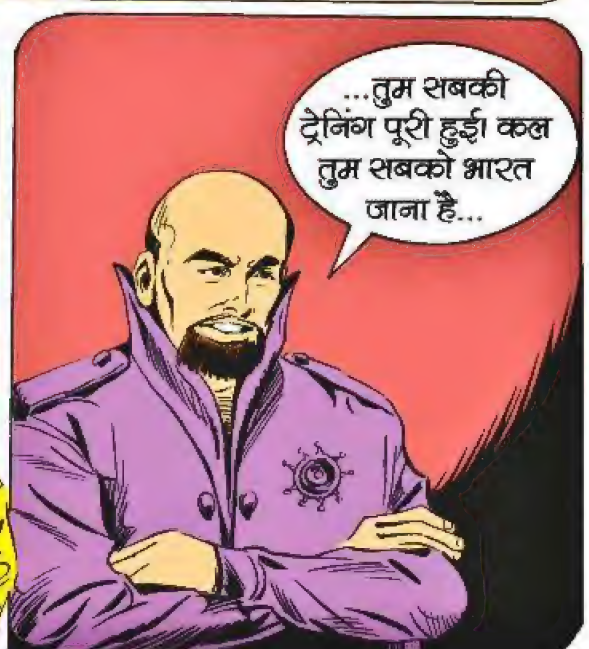
...इन्हें विलियम के महल के स्कूल में प्रशिक्षित किया जाता है...



...हर प्रकार का मल्ल युद्ध सिखाया जाता है इन्हें, जैसे जूडो-कराटे, कुंगफू...













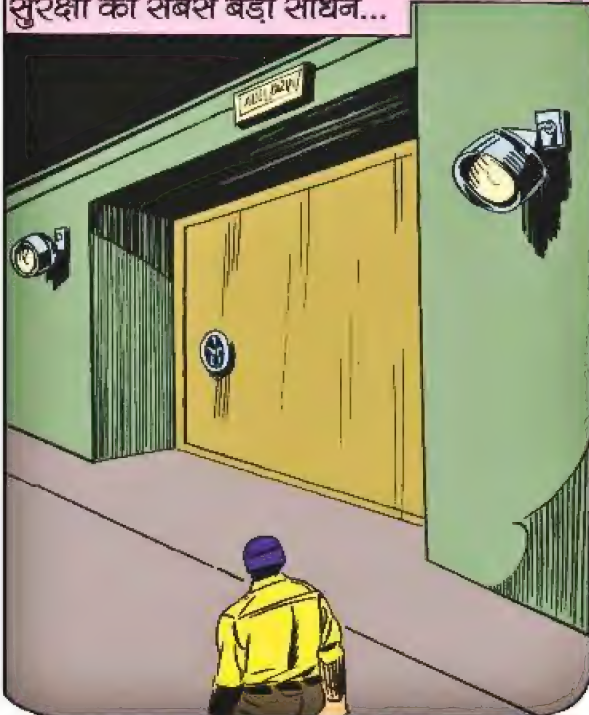
...और चौथी तरफ है एक पहाड़ी! इसी में कहीं विलियम का हैड-क्वार्टर स्थित है...



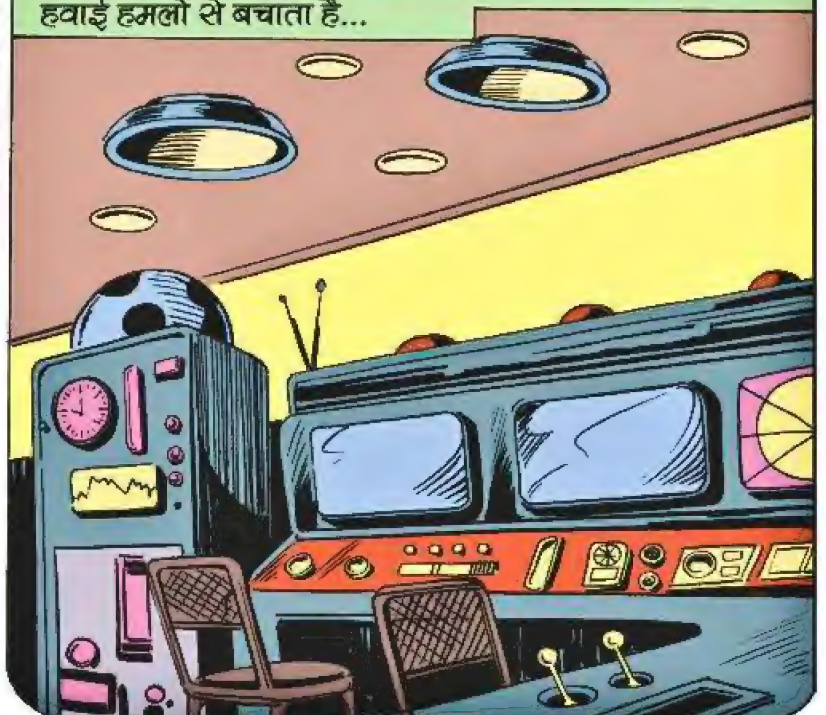
...हैड-क्वार्टर में उसका पूरा शस्त्र भण्डार है...



...और यह है ब्लड रूम, हैड-क्वार्टर में ही बना सुरक्षा का सबसे बड़ा साधन...



...जिसमें यह मिसाइल लांचर लगा है- जो उन्हें समुद्री एवं हवाई हमलों से बचाता है...





...और पहाड़ी के ऊपर लगा यह राडार उन्हें हर खतरे से आगाह करता है...



...विलियम के ख्याल से राडार पर नियुक्त टेलो अकेला ही राडार की सुरक्षा के लिए काफी है...



...समुद्र की तरफ से ये एक और फौज है- जो टापू की रक्षा किसी भी बाहरी खतरे से करने में सक्षम हैं।



...अगर इन्हें पता लग जाए कि कोई पहाड़ी की तरफ से ऊपर चढ़ रहा है तो ये मिलकर बड़े-बड़े पत्थर नीचे लुढ़का देते हैं...

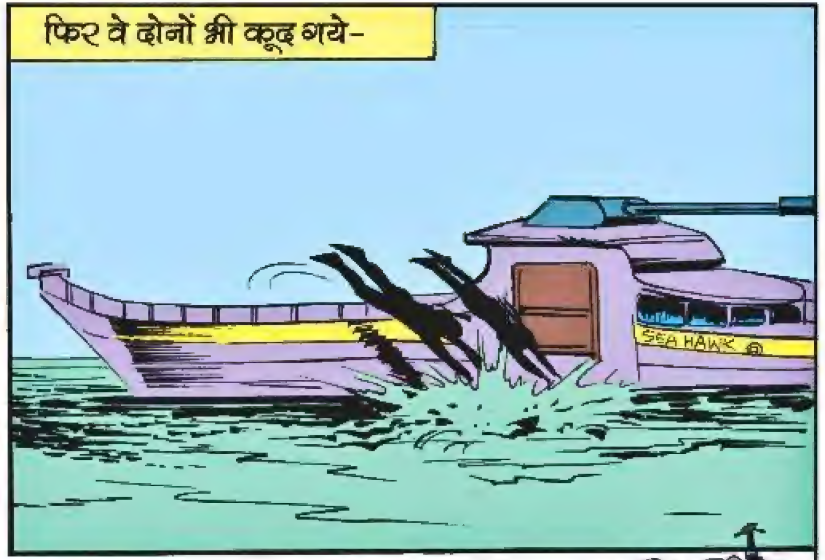




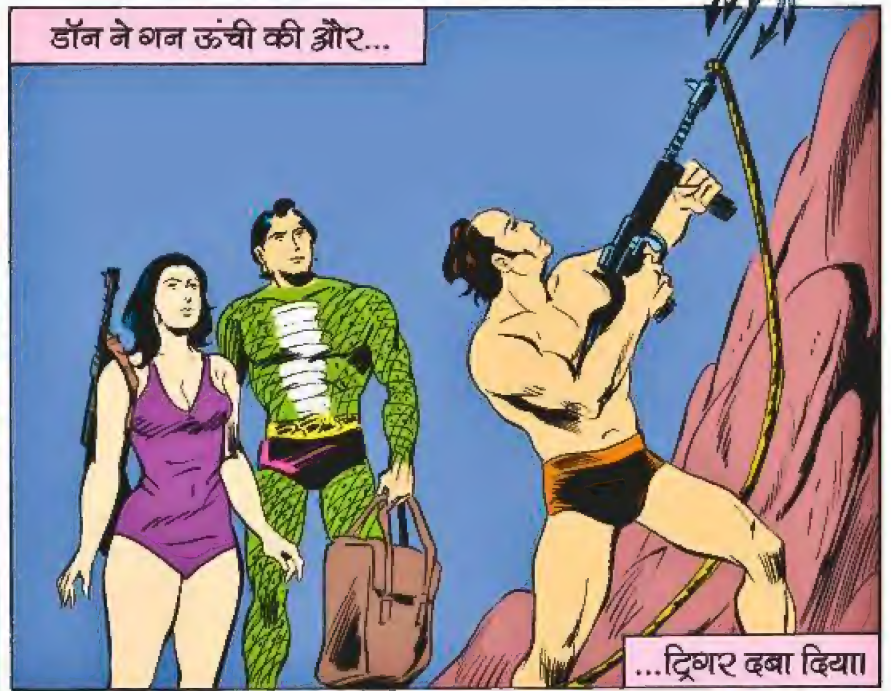
और अब तक नागराज विलियम के अड्डे के बारे में काफी कुछ जान चुका था।





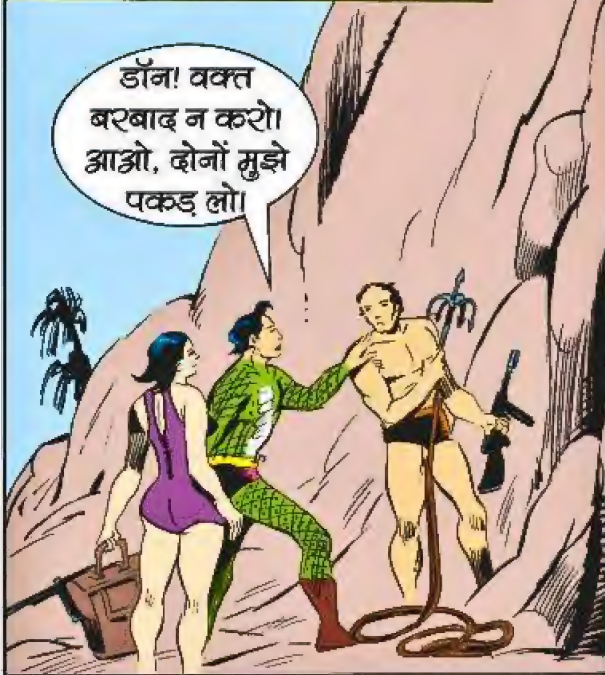








डॉन ने फिर कोशिश करनी चाही-  
लेकिन नागराज ने उसे रोक दिया।



डॉन! वक्त  
बरबाद न करो।  
आओ, दोनों मुझे  
पकड़ लो।

और नागराजी पहाड़ी  
की तरफ चल पड़ी



आओ, हम  
जल्दी ही ऊपर  
होंगे।

ऊपर जाकर नागराजी  
अपने आप एक चट्टान  
पर लिपट गई।



दोनों ने नागराज को  
मजबूती से पकड़  
लिया। और नागराज  
के झटका देते ही वे  
ऊपर उठने लगे।



नागराजी जो नागराज  
की कलाई से निकलती  
है- एक विशेष इशारे  
पर सिमटनी शुरू हो  
जाती है जिससे  
नागराज ऊपर  
उठता है।



कुछ ही पलों में तीनों पहाड़ी पर पहुंच गए। और  
नागराजी पूरी सिमटकर नागराज की कलाई  
में चली गई।







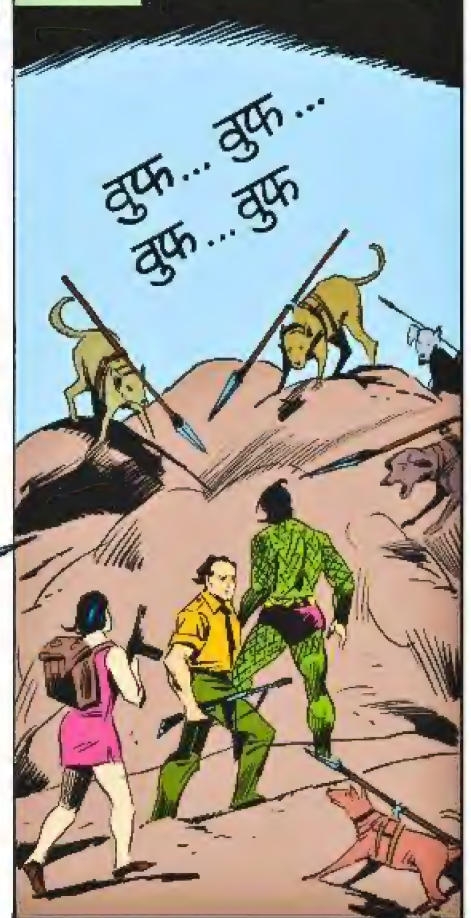
अलार्म की आवाज कुत्तों के अलावा किसी को नहीं सुनती थी...



...जहां से श्री अलार्म की आवाज आती वे वहां पहुंच जाते थे।



कुत्तों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया।















...उसकी बेल्ट खुल गई और भाला नागराज के हाथ में आ गया।



नागराज ने भाला उसकी पीठ में पेंवस्त कर दिया।

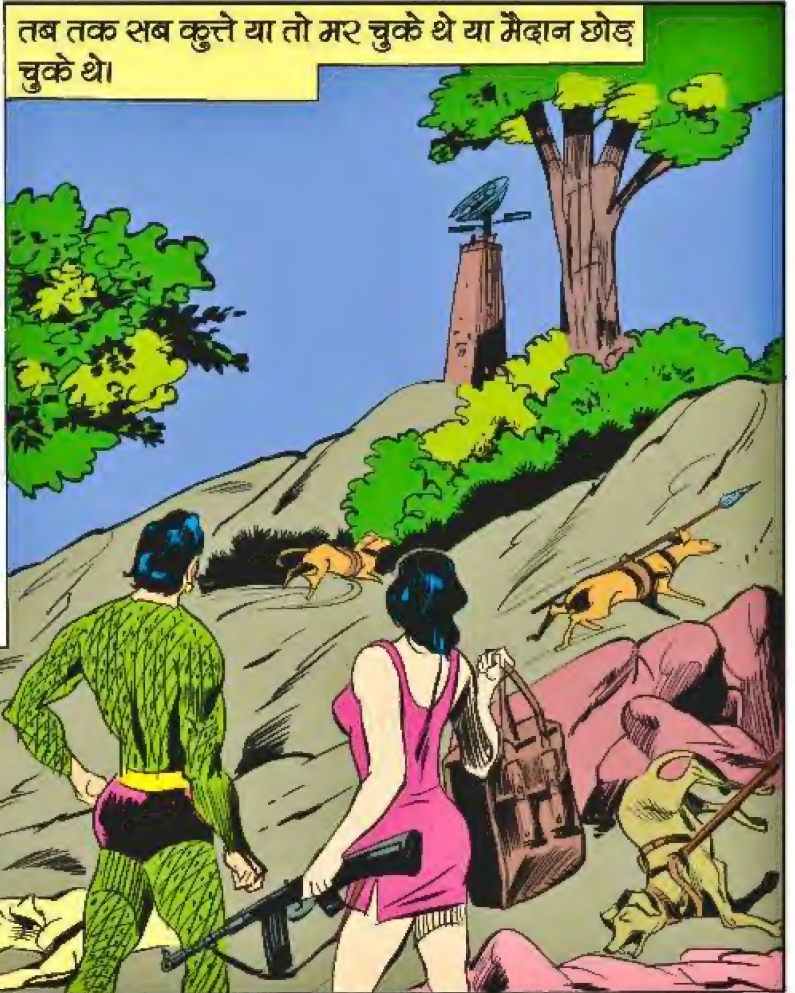




फिर उसे फ्लोरिडा से दूर उछाल दिया-



तब तक सब कुत्ते या तो मर चुके थे या मैदान छोड़ चुके थे।



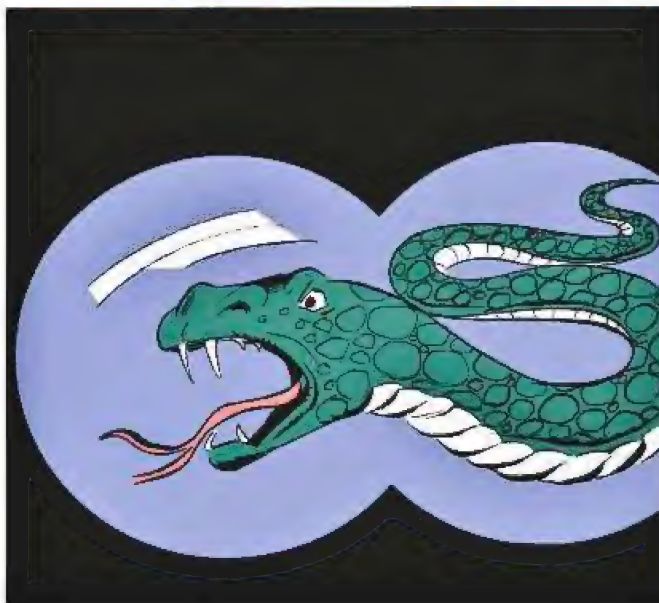
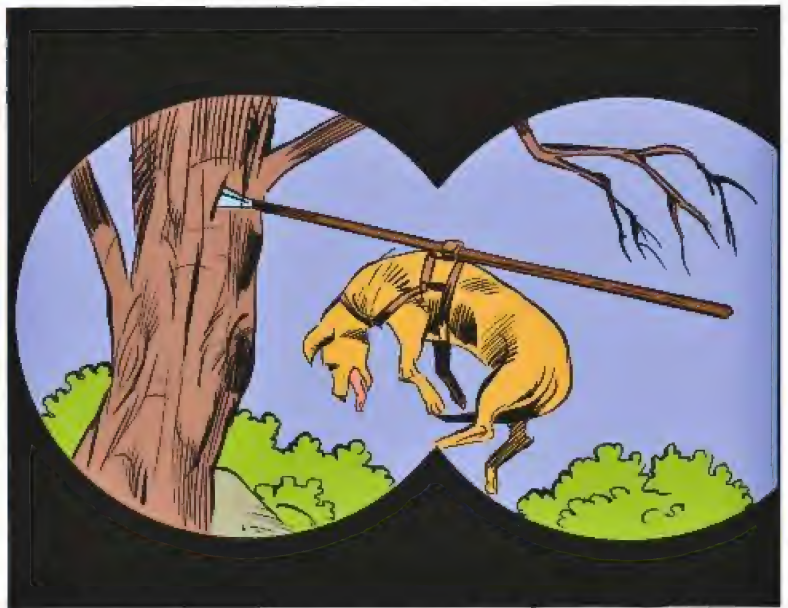
टेलो कुत्तों के चुप हो जाने से हैरान था।



नागराज, डॉन व फ्लोरिडा राडार स्टेशन की तरफ बढ़ गये।









और अगले ही क्षण नागराज ऊपर पहुंच गया।



नागराज के खुलते ही टेलो नागराज पर झपट पड़ा-





टेलो ने नागराज को दबोच लिया...



...और ऊपर उठाकर...



...टावर से नीचे झछल दिया...



- क्या नागराज टावर से गिरकर बच सका?
- क्या नागराज विलियम तक पहुंचने में सफल हुआ?
- क्या फ्लोरिडा विलियम से इंतकाम ले सकी?

यह सब जानने के लिए पढ़ें :-

**"नागराज का  
इंसाफ"**



# नागराज का इंसाफ





# नागराज का इन्साफ

लेखक : संजय गुप्ता  
कलादिग्दर्शक : प्रताप मुलीक,  
चित्रकार : चंदू, विनय  
सम्पादक : मनीष गुप्ता

पिछले अंकों 'खूनी खोज' व 'खूनी यात्रा' में आपने पढ़ा कि नागराज विश्व के बड़े-बड़े अपराधियों का खात्मा करता हुआ इस बार अमेरिका व पश्चिम यूरोप के सबसे खतरनाक गैंगस्टर विलियम की तलाश में न्यूयार्क जा पहुंचा था। न्यूयार्क में सिर्फ डॉन ही ऐसा व्यक्ति था जो विलियम का पता जानता था। नागराज उसे फ्लोरिडा नाम की एक लड़की की मदद से विश्व की सर्वाधिक सुरक्षित जेल से छुड़ाता है। नागराज का पता चलता है कि स्वयं डॉन व फ्लोरिडा श्री विलियम के खून के प्यासे हैं। अतः तीनों मिलकर एक लांच द्वारा विलियम के टापू पर पहुंचते हैं। टापू पर पहुंचते ही उनका मुकाबला होता है शिकारी कुत्तों की एक विशाल फौज से। इन कुत्तों का काम तमाम करके तीनों अभी आगे बढ़े ही थे कि पहाड़ी पर स्थित राडार स्टेशन के रक्षक टेलो की निगाह बेहोश कुत्तों पर पड़ गई। लेकिन इससे पहले कि वह अलार्म बजा पाता, नागराज ने टावर पर चढ़कर उसे जकड़ लिया। परन्तु टेलो भी कम नहीं था...

...उसने नागराज को उठाकर टावर से नीचे उछाल दिया-



नागराज जमीन से टकराया...



और बेहोश हो गया-









## नागराज का इंसाफ





नागराज ने गन उसके हाथ से छीनी और...

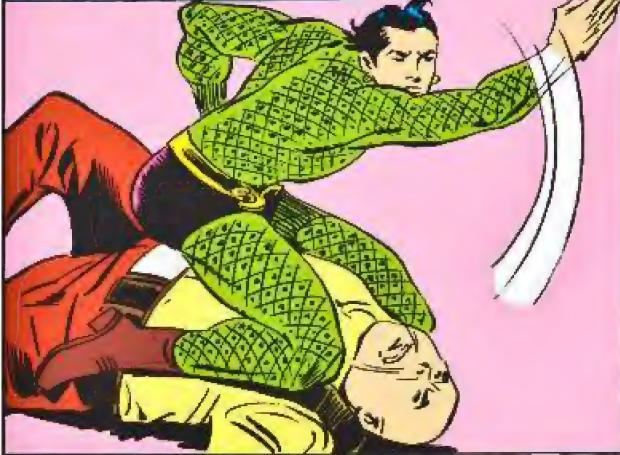


...पलटकर दोनों लातें चेहरे पर जड़ दीं।

इसके बाद नागराज उसे सभ्रलने का अवसर दिये बिना उसके सीने पर सवार हो गया।



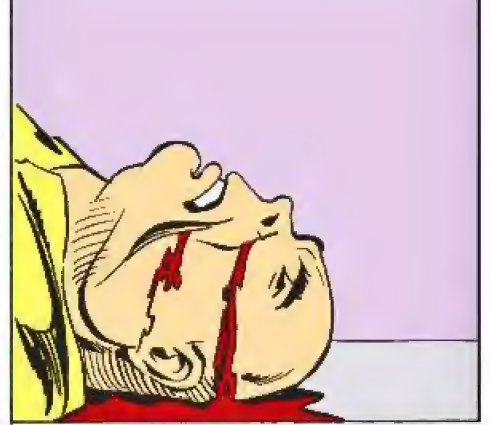
नागराज ने अपने घुटनों से उसकी गर्दन दबानी शुरू कर दी और...



...कराटे का एक मजबूत वार उसकी कनपटी पर किया।



टेलो ने तत्काल ही दम तोड़ दिया।



नागराज ने टेलो को सलाम किया।

तुम पहले शख्स थे टेलो, जिसने मुझे चोट पहुंचाई।



फिर तीनों टावर से नीचे उतर आए।

डॉन! मैं और फ्लोरिडा विलियम के महल में जाएंगे। इस बीच तुम्हें विलियम का मिलिट्री हैडक्वार्टर ध्वस्त करना है...





## नागराज का इंसान

...हर महत्वपूर्ण इमारत व रास्तों पर ठीक पांच बजे फटने वाले टाइम बम फिक्स करने होंगे और सबसे अंत में बल्ड रुम में प्रविष्ट होकर मिसाइल लांचर का रुख विलियम के महल की तरफ करने के बाद ठीक पांच बजे मिसाइल दागनी हैं।

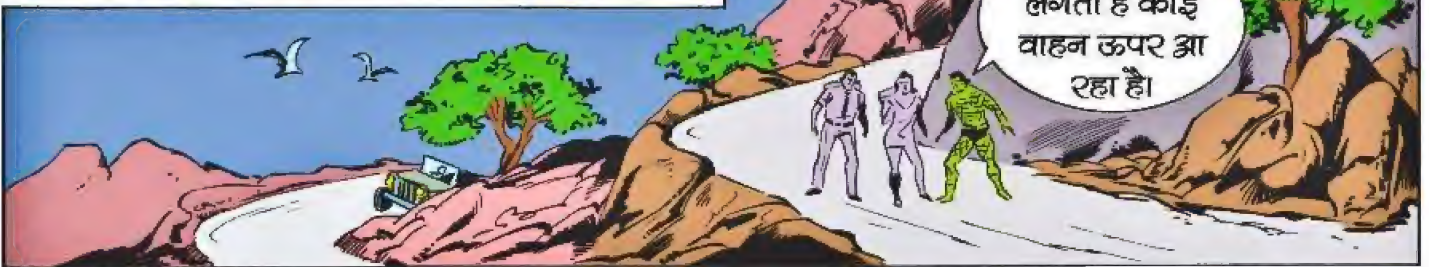


लेकिन नागराज अगर तुम पांच बजे से पहले महल से न निकल सके तो जानते हो क्या होगा?

मैंने बहुत सोचा है दोस्त! लेकिन महल पर मिसाइल छोड़ना बेहद जरूरी है क्योंकि हो सकता है हम दोनों विलियम को मारने में सफल न हो पाएं।



तीनों पहाड़ी से नीचे उतरकर एक सड़क पर आ गए।



छुप जाओ! लगता है कोई वाहन ऊपर आ रहा है।

जैसे ही जीप नजदीक आई नागराज उसके सामने आ गया।



ड्राइवर ने जीप रोकते ही नागराज पर पिस्टल तान दी। लेकिन नागराज ने उसका काम तमाम कर दिया-



डॉन ने ड्राइवर के कपड़े पहन लिए और तीनों जीप में बैठ गये।





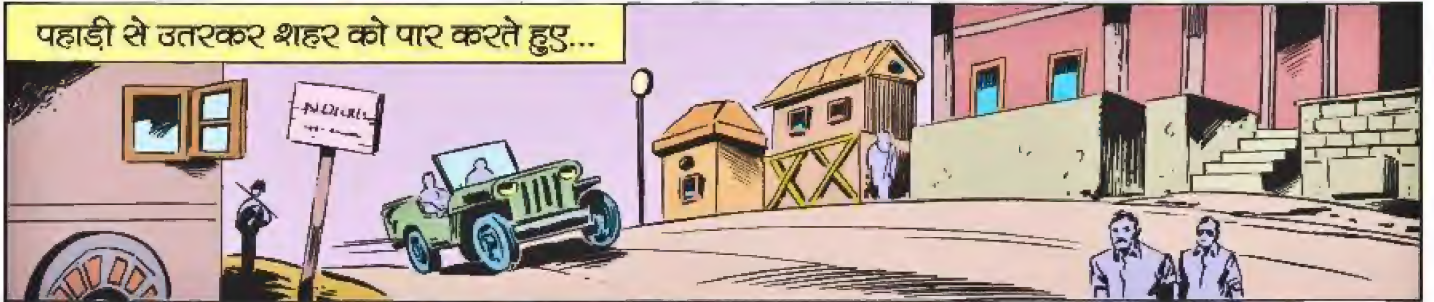
नागराज ने डॉन को हैडक्वार्टर के पास ही जीप से उतार दिया-



डॉन को छोड़कर नागराज की जीप आगे बढ़ गई।



पहाड़ी से उतरकर शहर को पार करते हुए...



दोनों जल्द ही विलियम के महल के सामने पहुंच गए-





नागराज ने मन ही मन भयानक फैसला किया और जीप आगे बढ़ा दी।



जीप एक धमाके के साथ फाटक से टकराई...



...और फाटक को तोड़ती हुई महल के प्रांगण में प्रविष्ट हो गई।

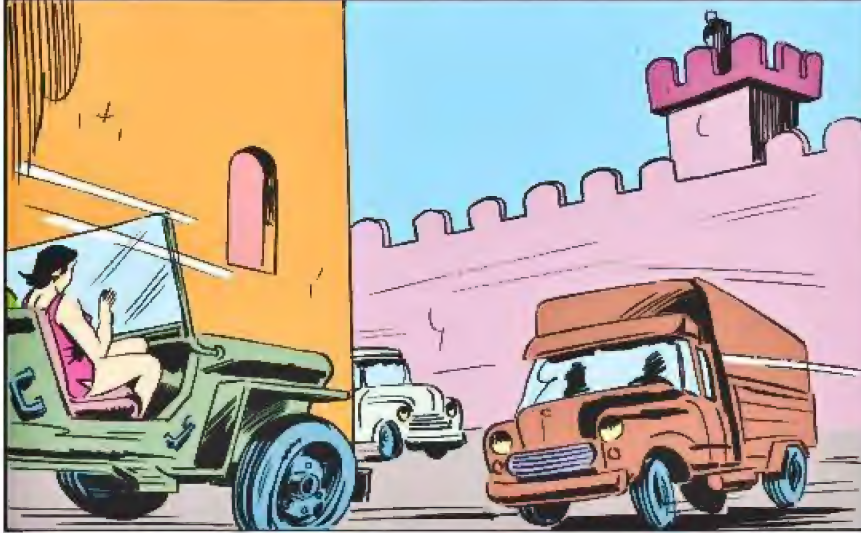


नागराज ने सैनिकों पर सांप छोड़ने शुरू कर दिए-





तभी एक ट्रक स्टार्ट हुआ और नागराज की जीप के सामने आ गया।



इससे पहले कि जीप अचानक ही सामने आए ट्रक से टकराती-



और -



जीप से कूदते ही नागराज और फ्लोरिडा को विलियम के गार्ड्स ने घेर लिया-



नागराज व फ्लोरिडा ने सहर्ष ही स्वयं को उनके हवाले कर दिया क्योंकि वे जानते थे कि उन्हें विलियम के सामने ही पेश किया जाएगा।



गार्ड दोनों को स्टेनगनों के साथे में लिए हुए महल में प्रविष्ट हुए।





## नागराज का इंसाफ



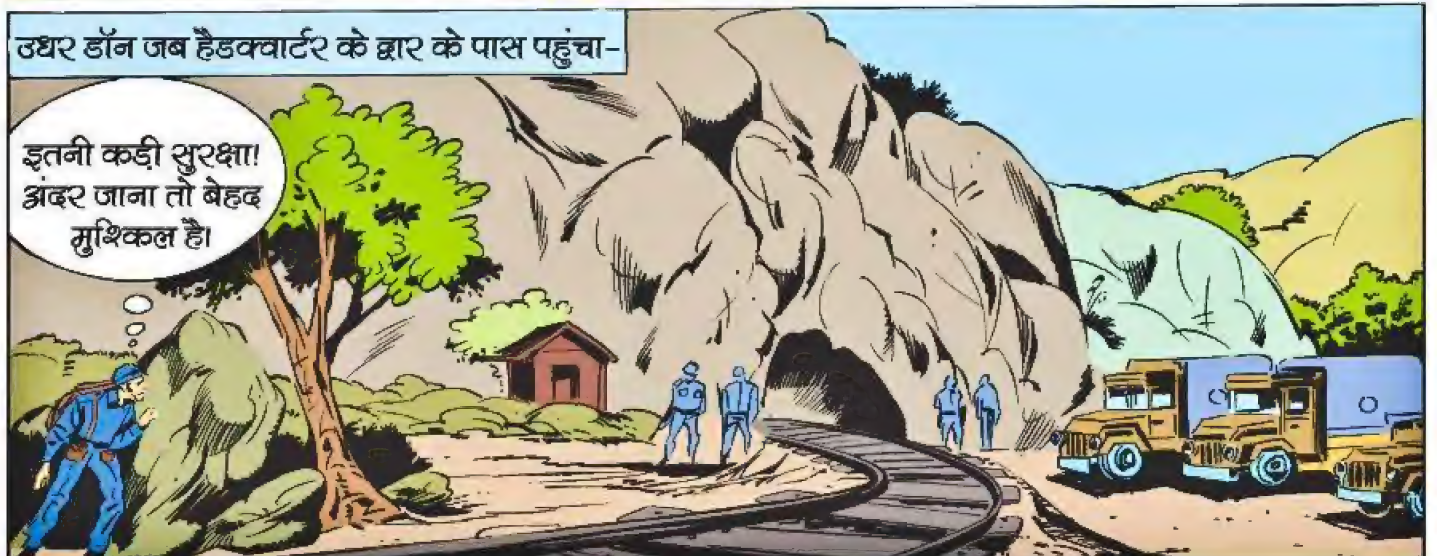
कुछ ही देर बाद दोनों विलियम के दरबार, ग्लास रूम में थे।





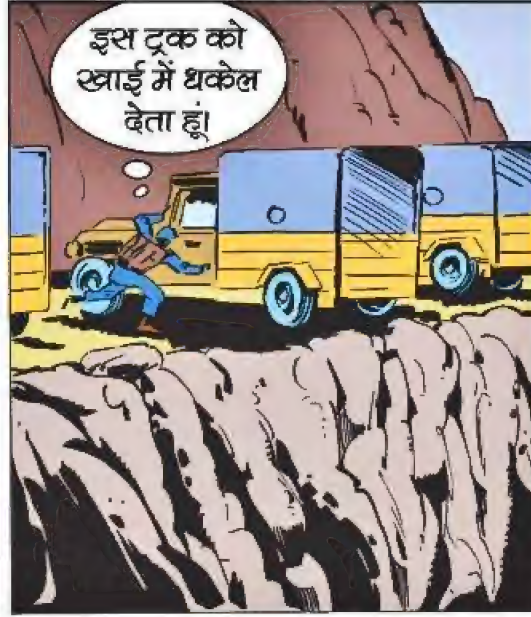








अचानक सामने खड़े ट्रकों को देखकर डॉन की आंखें चमकने लगीं।



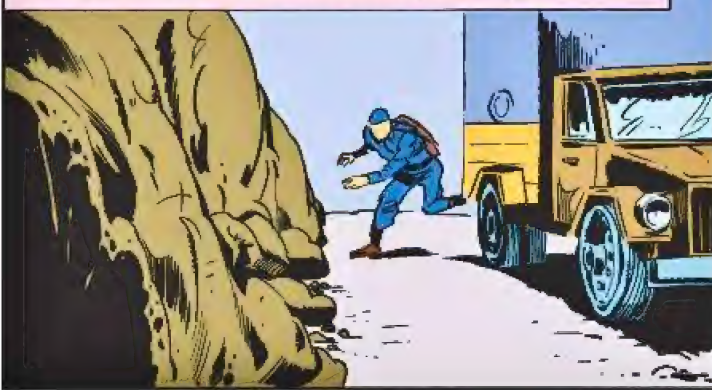
...और एक धमाके के साथ आग की लपटों में घिर गया।



गहन भेदी धमाके की आवाज सुनकर द्वार पर खड़े सभी सैनिक खाई की तरफ भागे।



और डॉन ट्रकों की आड़ में द्वार तक पहुंच गया।



फिर उसने भीतर प्रविष्ट होने में देर न लगाई।





अंदर उसने अपने आप को एक सुरंग में पाया-



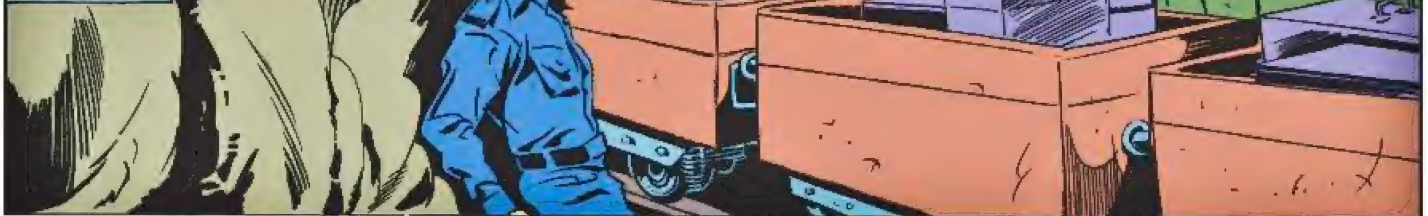
डॉन अभी कुछ ही आगे बढ़ा था कि एक तेज आवाज सुनकर रुक गया।

लगता है कोई रेल अंदर आ रही है।

**धड़...**  
धड़...  
धड़...



डॉन गुफा की दीवार से चिपककर खड़ा हो गया और रेल के पास आते ही...



...जम्प लगाकर एक डिब्बे पर चढ़ गया।



डॉन ने एक पेट्टी खोली-

अरे ये तो बारूद है।



इसका मतलब बारूद से भरी यह ट्रेन बारूद भण्डार में जा रही है।





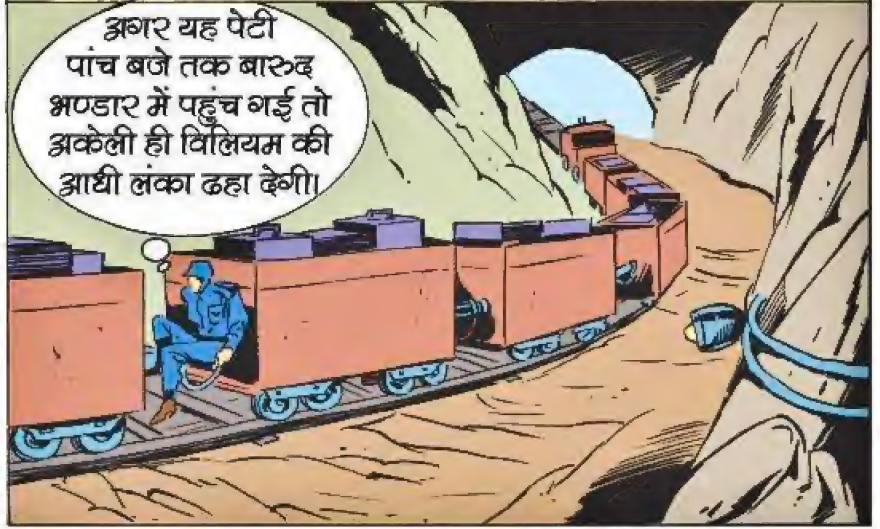
डॉन ने अपना बैग खोला और एक टाइम बम निकाला-

तीन बजे हैं। पांच बजे का टाइम फिक्स कर देता हूँ!

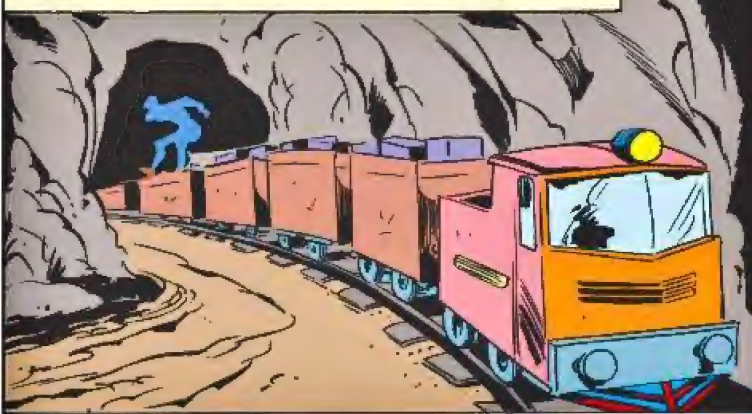


आगे सुरंग खत्म हो रही थी। डॉन डिब्बों के बीच में छिप गया-

अगर यह पेटी पांच बजे तक बारूद भण्डार में पहुंच गई तो अकेली ही विलियम की आधी लंका ढहा देगी।



सुरंग से बाहर आते ही डॉन रेल से कूद गया।



रेल के जाने के बाद-

अब मुझे सैनिक छावनी का संबंध बाकी टापू से तोड़ना है और इसके लिए इस गुफा के मुहाने पर टाइम बम फिट करने होंगे।



ठीक पांच बजे टाइम बम फटेगा और गुफा का मार्ग बंद हो जाएगा।



टिक  
टिक  
टिक



इसके बाद डॉन सामने नजर आते एक छोटे पहाड़ पर चढ़ने लगा।





और कुछ ही देर बाद वह पहाड़ के ऊपर से घाटी में फैली छावनी का दृश्य देख रहा था।



पुल को बिना किसी की नजर में आउ ऊपर से पार करना असम्भव है। मुझे पुल को नीचे से लटककर पार करना होगा।



डॉन चट्टान की ओट से निकला और पहाड़ी उतरने लगा।

एक लम्बा चक्कर लेता हुआ वह पहाड़ी से उतरता रहा...



...और फिर चढ़ता हुआ ठीक पुल के नीचे आ गया।



पुल पर बंधे मजबूत रस्सों के सहारे लटकता हुआ डॉन आगे बढ़ने लगा।





पुल के ठीक बीच में पहुंचकर डॉन ने अपने बैग से एक और टाइम बम निकाला और...



...पुल पर फिट कर दिया।



इसके बाद डॉन उसी तरह मौत के झूले पर झूलता हुआ दूसरी तरफ पहुंच गया।



नीचे से एक लम्बा चक्कर काटता हुआ डॉन सड़क पर आ गया।



ओह! चार बज गए!  
मुझे एक घण्टे से पहले ही ब्लड रूम तक पहुंचना है।

अभी वह ब्लड रूम तक पहुंचने के बारे में सोच ही रहा था कि सामने से आते दो ऑफिसर्स ने उसे सैल्यूट मार दिया-



ओह! इसका मतलब...  
मैंने काफी बड़े ऑफिसर की वर्दी पहनी हुई है।

अब डॉन कुछ निश्चिन्त हो गया। उसने सामने से आती एक जीप को रुकवाया।



मिस्टर, मेरी जीप खराब हो गई है।  
मुझे ब्लड रूम तक छोड़ देना।

आइए सर!



## नागराज का ईसाफ

उधर विलियम के महल में जंगारु पर नागराज ने अपने बाँटु हाथ के घूँसे का एक प्रचण्ड प्रहार किया।



जंगारु ने झपटकर उसका वापस जाता हाथ धाम लिया...



...और तेजी से घुमाने लगा।



फिर अचानक उसने नागराज को छोड़ दिया।



फ्लोरिडा ने नागराज को सहारा दिया।



उसने बला की तेजी से जम्प लगाई-



और अगले ही पल वह जंगारु के सामने पहुँच गया।



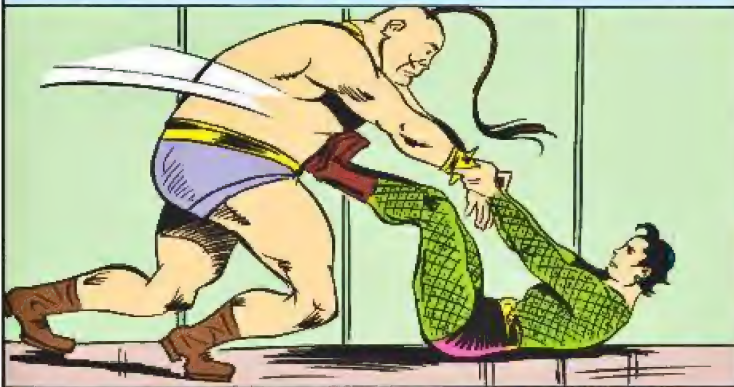
लेकिन नागराज ने जवाब नहीं दिया।



उसने एक प्रचण्ड धुंसा उसकी पसलियों में दे मारा-



फिर नागराज ने उसे संभलने का कोई मौका नहीं दिया-



जंगारु उछलकर अपनी गद्दा के पास जा गिरा।



जंगारु ने मजबूती से गद्दा थाम ली। अब उसकी आंखों में नागराज की मौत नाच रही थी-





जंगारु ने गदा का भरपूर वार नागराज पर किया।

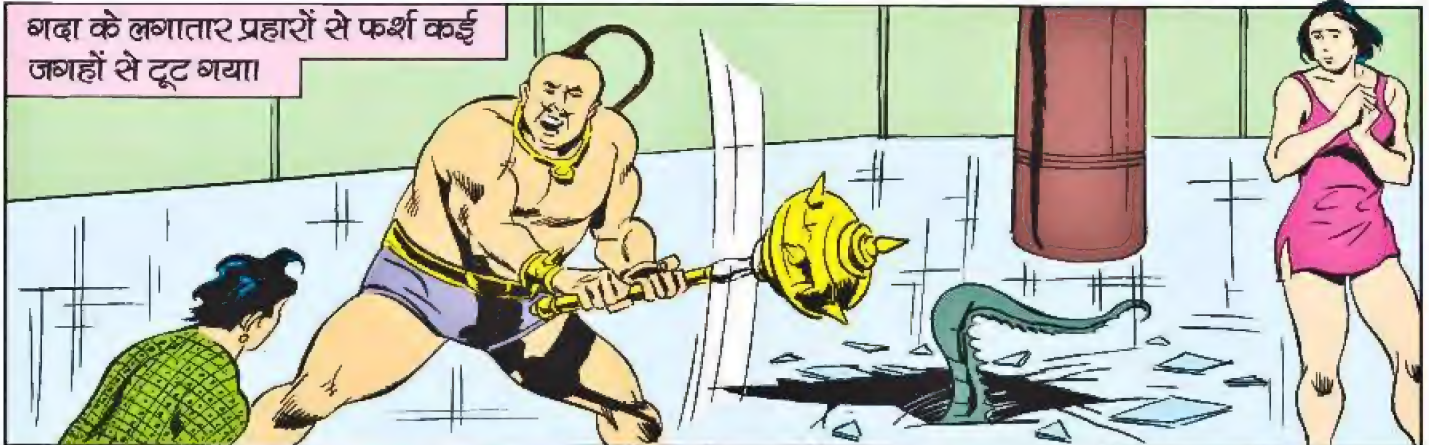


लेकिन नागराज वार को बचा गया।

गदा शीशे के फर्श पर जोर से टकराई-



गदा के लगातार प्रहारों से फर्श कई जगहों से टूट गया।



तभी-

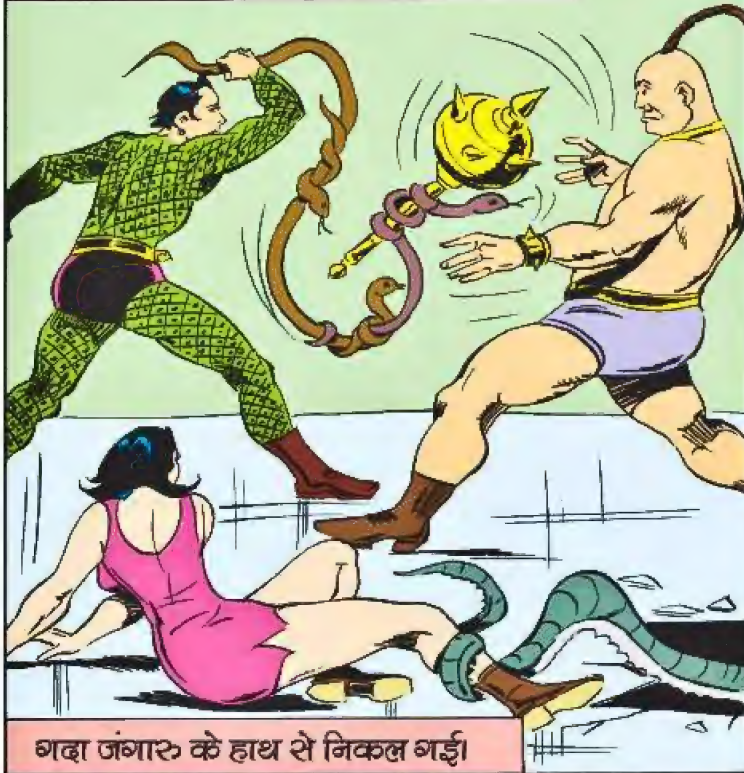
नागराज ने नागरस्सी छोड़ी-



बहुत हुआ  
दरिन्दे! अब तेरा  
अंत आ ही गया!



नागराज ने नागराक्षी को झटका दिया।



गदा जंगारु के हाथ से निकल गई।

जंगारु के प्राण पखेरु उड़ गए।



घबराओ मत  
फ्लोरिडा! मैं आ  
रहा हूँ।

नागराज ने आगे बढ़कर  
उसकी चोटी पकड़ी और...



...उसकी गर्दन में फंदा  
डालकर कस दिया।



नागराज फ्लोरिडा को बचाने के लिए बढ़ा ही  
था कि...



...विलियम ने एक बटन पुश कर दिया।





फलस्वरूप शीशे का फर्श बीच में से फट गया और-



ऑक्टोपस अपनी आठों बांहों में फ्लोरिडा को जकड़ चुका था।



नागराज ने नीचे दुबकी लगाई...



और दूटे हुए फर्श का कांच का टुकड़ा निकाल लाया।

फिर उसने नोकीले शीशे का वार ऑक्टोपस की आंख पर किया।



जख्मी ऑक्टोपस ने दर्द से छटपटा कर फ्लोरिडा को छोड़ दिया।





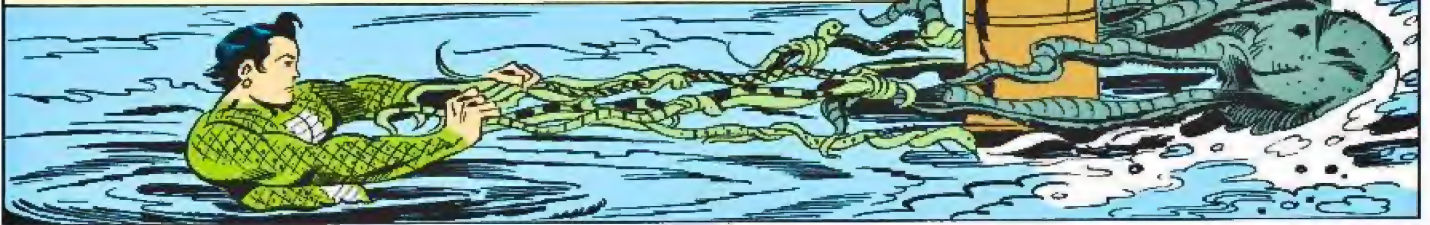
इससे पहले कि ऑक्टोपस दोबारा हमला करता, नागराज के हाथ से आठ नागरस्सी निकलीं।



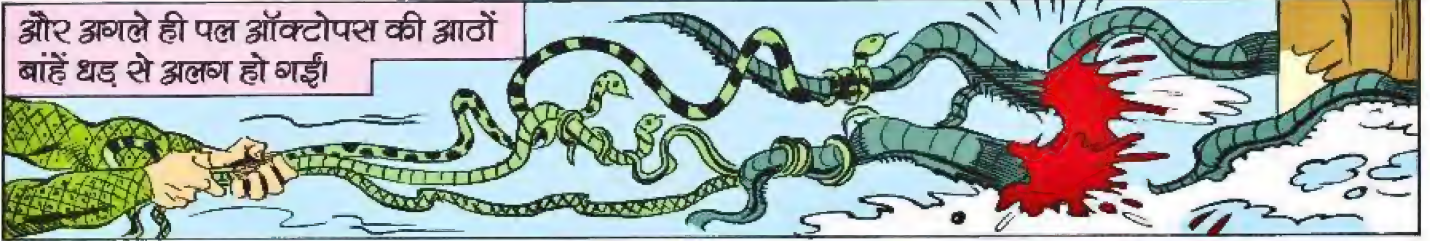
आठों नागरस्सी ऑक्टोपस की प्रत्येक बांह पर कस गईं।



अब नागराज की बांहों व ऑक्टोपस के बीच में एक स्तम्भ था नागराज ने पूरी शक्ति बटोरकर नागरस्सियों को खींचना शुरू कर दिया-



और अगले ही पल ऑक्टोपस की आठों बांहें थड़ से अलग हो गईं।



नागराज पलटकर तैरता हुआ फ्लोरिडा के पास पहुंचा।



इस बीच विलियम तालाब के किनारे पहुंच गया था।













कुछ ही मिनटों में शारे टापू निवासी समुद्र किनारे खड़ी लाचों की तरफ भाग रहे थे।



नागराज ने विलियम के गुप्त कक्ष की तलाशी ली।



अहा! मिल गए शारे दस्तावेज...

...इनमें बाहर के देशों में फैले आतंकवादियों के पते व काले कारनामों दर्ज हैं।



नागराज ने फ्लोरिडा का शव उठाया-

ओह! केवल दस मिनट शेष हैं। शीघ्र ही मुझे विलियम के हेलीकॉप्टर तक पहुंचना होगा।



उधर मिलिट्री हैडक्वार्टर में जीप ड्राइवर ने डॉन को ब्लड रूम के पास उतार दिया।

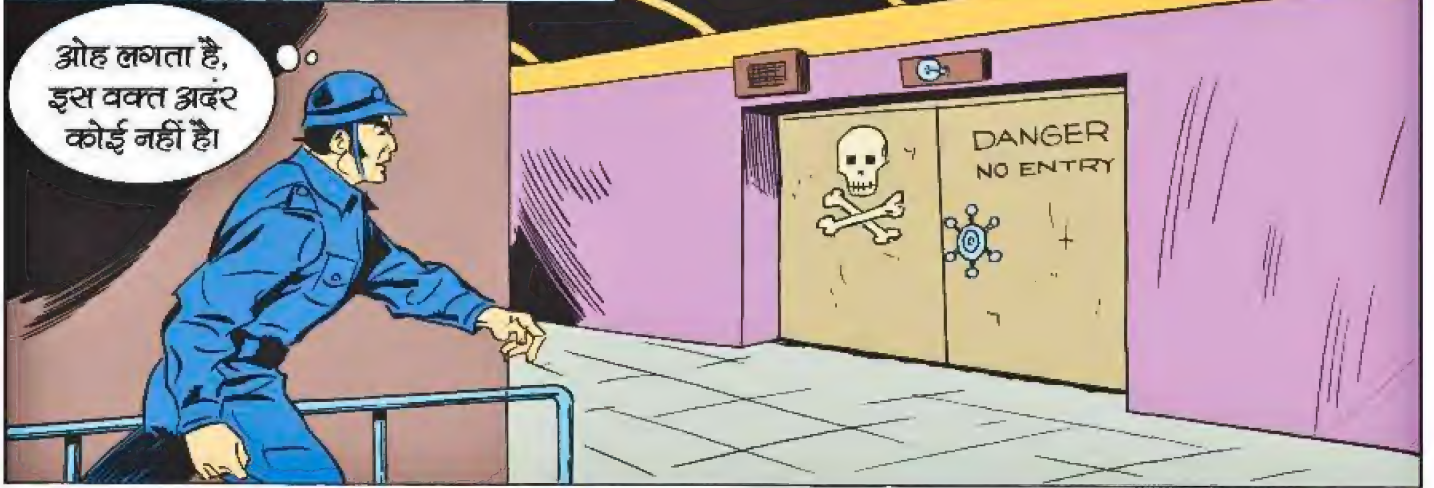


ओह पांच बजने में केवल दस मिनट हैं। मुझे शीघ्रता करनी होगी।



थोड़ी देर में वह ब्लड रूम के सामने था।

ओह लगता है,  
इस वक़्त अंदर  
कोई नहीं है।



वाल्ट के सामने पहुंचकर डॉन ने लीवर  
घुमाया।



लॉक खुल गया। डॉन ने दोनों दरवाजे जैसे ही सरकाये-



डॉन तेजी से अंदर घुस गया।

सब मामला  
गड़बड़ हो  
गया।



वाल्ट को  
अंदर से लॉक  
कर लेता हूं।









उधर डॉन ने एक लीवर घुमाकर मिसाइल लांचर का रुख महल की तरफ कर दिया।

किर्रस्सर्

ओह! लगता है दरवाजा काटा जा रहा है।



तभी बाहर कहीं गगनभेदी विस्फोट की आवाज से कंट्रोल रूम में जलजला सा आ गया।

ओह! लगता है पांच बज गए हैं और रेल वाले टाइम बम ने बारूद भण्डार को उड़ा दिया है।

**बड़ाम**



डॉन ने एक बटन पर उंगली रख दी-

०००

गॉड! अगर मैंने आज तक कोई अच्छा काम किया हो तो उसके बदले नागराज व फ्लोरिडा को विलियम के महल से निकाल लेना।



मिसाइल लांचर से मिसाइल निकलकर महल की तरफ बढ़ने लगी।



बाहर वाल्ट काटते सैनिकों ने धमाकों की आवाज सुनी तो बारूद भण्डार की तरफ भागे।



क्या हुआ?

भागो!

हमला!





इसके बाद विक्ट्री टापू की वह छोटी सी पहाड़ी मानो ज्वालामुखी बन गई।

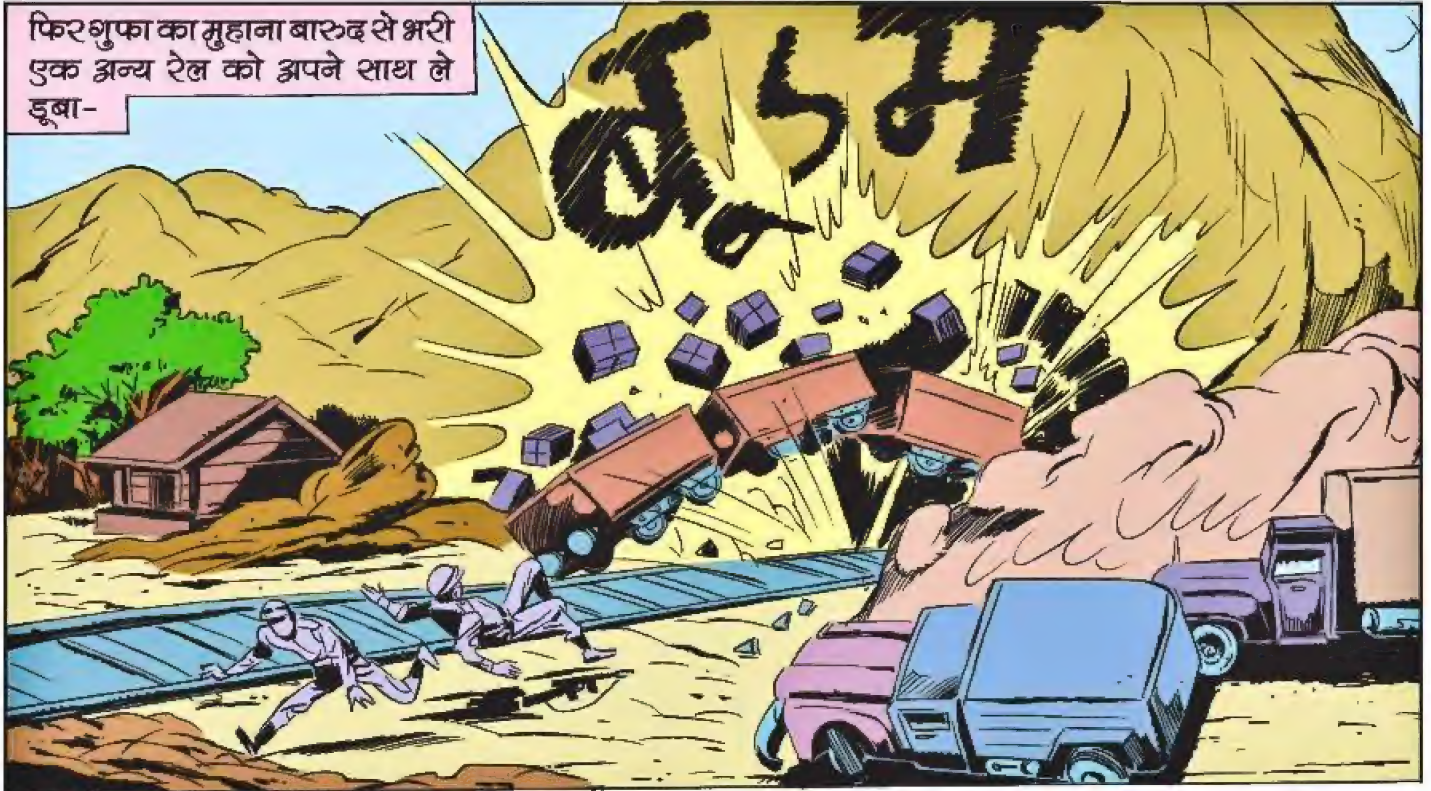


पहले महल को छावनी से जोड़ने वाला पुल ध्वस्त हुआ...





फिर शुफा का मुहाना बारूद से भरी  
एक अन्य रेल को अपने साथ ले  
झूबा-



उधर नागराज विलियम के महल के ऊपर हेलीकॉप्टर से  
उड़ा जा रहा था।



और तभी मिसाइल्स ने महल ध्वस्त कर दिया।







नागराज का हेलीकॉप्टर चल दिया।



उधर डॉन ने कंट्रोल रूम का पिछला दरवाजा खोला-

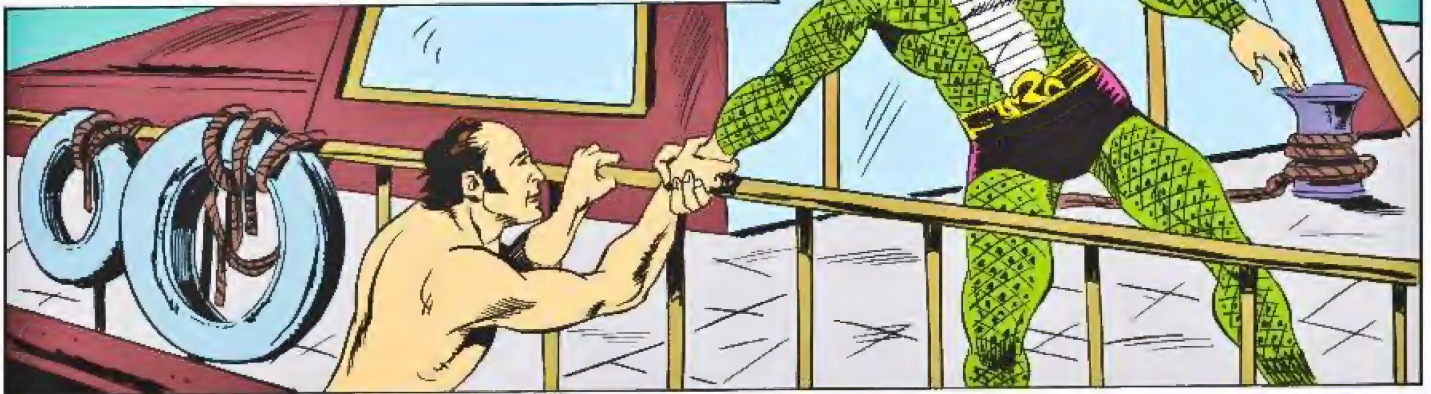




पहाड़ी से उतरकर डॉन समुद्र में कूद गया।



लगभग दो घंटे बाद नागराज ने लांच पर डॉन का स्वागत किया।

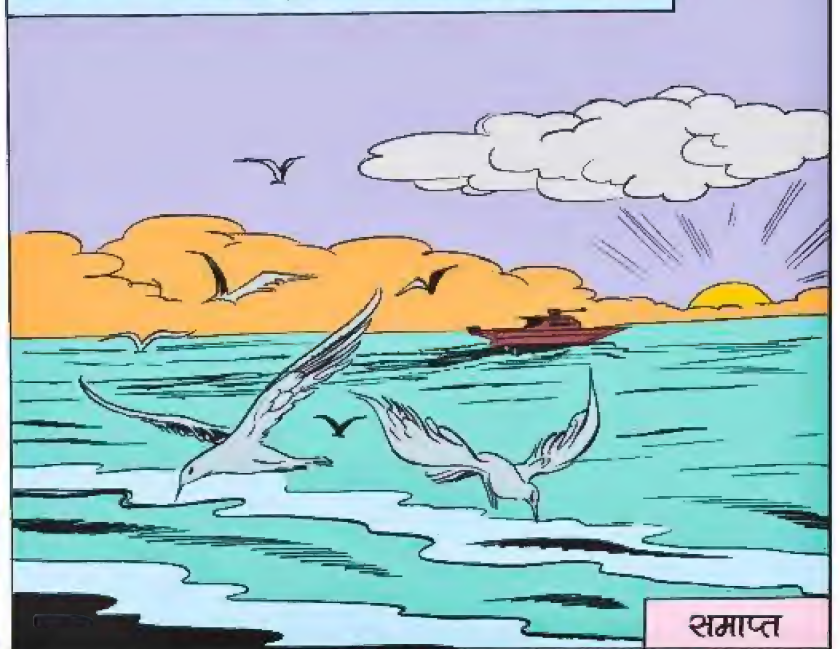


आओ डॉन! सचमुच तुम्हारे बिना मेरा यह मिशन अधूरा ही था।

दोस्त! यह तो सिर्फ शुरुआत थी मेरे नए जीवन की।



लांच धीरे-धीरे न्यूयार्क की तरफ बढ़ने लगी।



समाप्त





# खूनी जंग

## नागराज

इस कॉमिक के साथ नागराज का पोस्टर मुफ्त



PRATAP MULICK



# खूनी जंग

लेखक : राजा

कलादिगदर्शक : प्रताप मुलीक

चित्रकार : मिलींद मुलीक

कैलिग्राफी : विनय राम कुमार

संपादक : मनीष गुप्ता

अमेरिका से यूरोप जा रही फ्लाईट में महान हस्तियां सफर कर रही हैं —





स्टेनगन्स के साथ मैं वे नागराज को विमान के इमरजेंसी डोर के पास ले आए।

जल्दी यहां से बाहर कूद जाओ नागराज!

मैंने यहां कुछ किया तो गोली-बारी में कई निर्दोषों की जान जा सकती है। इससे अच्छा तो बाहर कूद जाता हूँ।

और नागराज आगे बढ़ गया।

जय गुरु गोरखनाथ!

गुरु गोरखनाथ के बारे में जानने के लिए पढ़ें — नागराज की प्रथम कॉमिक्स नागराज

उसने विमान से छलांग लगा दी —

अब नागराज आकाश की अनन्त गहराइयों में डूबता जा रहा था।

एकाएक नागराज की कलाईयों से नागराज निली —

फिर हवा में ही नाग आपस में गुंथने लगे...

मुझे मानवता की भलाई के लिए जिन्दा रहना है... मगर कैसे?

अरे, ये नागानन्द और नागानाथ कहां चले?

नागानन्द और नागानाथ दोनों नाग नागराज के शरीर से वास करने वाले असंख्य नागों के प्रमुख हैं।

नागराज ने ऐसी विकट परिस्थिति में भी अपने होश नहीं खोए थे।



और देखते ही देखते नागराज ने पैराशूट का दृढ़ धारण कर लिया ।



ओह नागानंद नागनाथ, तुमने नागराज की नहीं मानवता की रक्षा की है।

पैराशूट नागराज को लिए इस समय फ्रांस की राजधानी पेरिस के ऊपर मंडरा रहा था ।



एक गेम्बलिंग फाईट एरिना के बाहर एक फोटो ग्राफर लड़की ने नागराज को एक अजीबोगरीब पैराशूट के सहारे उतरते देखा तो उसने नागराज की फोटो खींच ली —



गेम्बलिंग फाईट एरिना : अरवाड़ा जिसमें जुआरी दो पहलवानों पर पैसा लगाते हैं।



नागराज उस सुन्दर लड़की के पास ही उतरा —



सभी नाग वापिस उसकी कलाई में समाने लगे।



नागराज के सामान्य होने पर —



टीना ने नागराज को उसके नाम से पुकारकर स्तब्ध कर दिया ।

उनके चारों तरफ भीड़ लगा गई थी ।



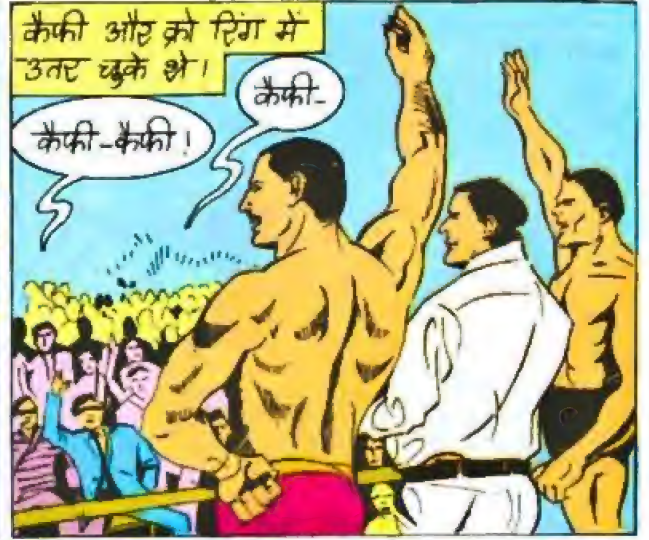
टीना नागराज को लेकर अखाड़े की तरफ बढ़ने लगी।

प्रेस कार्ड दिखाकर वह नागराज को रिंग के बिल्कुल पास ले आई।



नागराज ने टीना को विमान में घटी सारी घटना सुना दी ।









नागराज ने जैसे ही कैफी का हाथ पकड़ा...



...कैफी ने उसे अपने ऊपर से उछाल दिया।



लेकिन नागराज बड़ी कुशलता से कलाबाजी खाकर जमीन पर खड़ा हो गया।





नागराज ने पलक झपकते ही पेंतरा बदलकर एक फ्लाईंग किक कैफी की कमर पर जड़ दी—



कैफी दरवाजा तोड़ता हुआ बरामदे में गिरा—



कैफी उठकर अंदर आया।

वाह, मानना पड़ेगा। डॉन ने किसी गलत आदमी को नहीं भेजा।



उसने नागराज से हाथ मिलाया—

तो तुम सोलो से फाइट अरेज कर रहे हो।

हां भई, पैरिस के शरवीर कैफी को पछाड़ा है तुमने!



अगले दिन—

नागराज! मेरी बात डिसिल्वे से फोन पर हुई। वह शनिवार को मोण्टकार्लो से सोलो को लेकर यहां आएगा और फाइट रविवार को होगी।

ओ. के. कैफी! अब रविवार को मिलेंगे, एक "खूनी जंग" के लिए।





नागराज कैफी से बिदा लेकर टीना से मिलने "वर्ल्ड टुडे" पहुँचा।



नागराज हैरान था कि टैक्सी ड्राइवर उसे कैसे जानता है!

टैक्सी का किराया चुकाकर वह अंदर पहुँचा —



नागराज प्रेशान सा एक्सप्रेस लिफ्ट पर सवार हुआ।



नौवें फ्लोर पर पहुँचकर लिफ्ट सकी —



लिफ्ट से निकलकर वह रूम नम्बर 904 के सामने रुका।



नागराज ने दरवाजे को धकेला —





अंदर एक बड़े हंगामे ने नागराज का स्वागत किया ।



हॉल में नागराज के स्वागतार्थ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था ।



और जान-पहचान के इस लम्बे दौर के बाद...



... नागराज प्रेस संवाददाताओं के सवालों का जवाब देने के लिए रुका हो गया।



नागराज ने सर्वप्रथम उन्हें अपने पैरिस में आश्चर्यजनक ढंग से अतरने की घटना सुनाई।



**D TODAY**



नहीं, यह मैं अभी नहीं बताऊंगा। मेरी कार्य-प्रणाली अत्यंत गुप्त होती है।



नागराज कुछ क्षण सोचकर बोला -





नागराज की बात समाप्त होते ही हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा —



... उसकी कलाईयों से एक साँप कई नाग निकलकर...



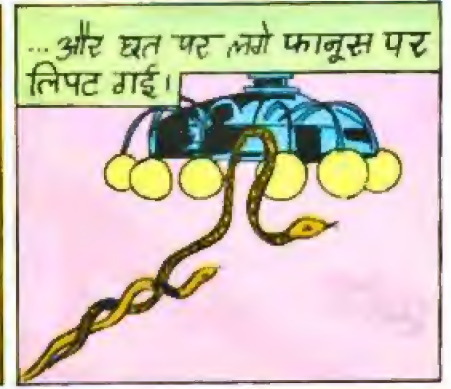
...और देखते ही देखते सबके तल्ली लजाने हाथों से लिपट गये।



कुछ तो भय से चीख ही उठे —









...सामने की दीवार पर चिपक गया ।



फिर उसने नागराजी वापस स्वीछ ली...



...और दीवार पर रेंगने लगा —



फिर छत से होता हुआ ...



... वह वापस स्टेज पर उतर गया ।



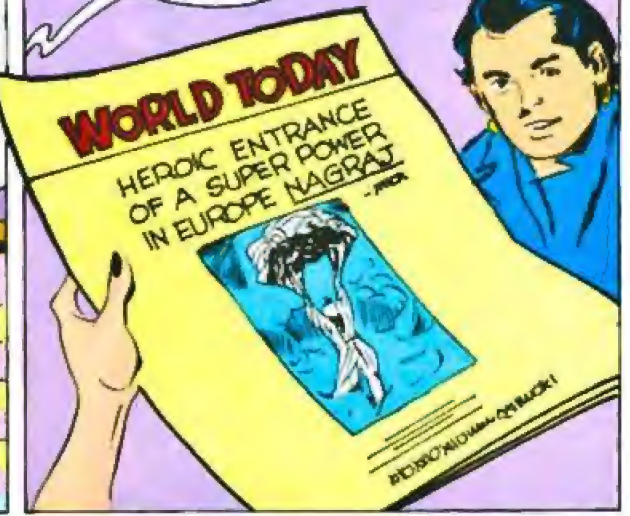


सबके जाने के बाद नागराज टीना से बोला -



टीना, मुझे एक बात नहीं समझ आती... आज पेरिस में जिससे भी मिला, वह मुझे पहले से ही जानता था और अब यह प्रेस कॉन्फ्रेंस।

इसका जवाब तुम्हें आज का अखबार देगा।



अखबार पढ़कर नागराज को समझते देर न लगी कि क्यों लोग उसे पहचान रहे थे।



और तुम्हारा मुझसे यहां मिलने का वायदा था ही। इसलिए मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला ली।

ओह, अब सब समझ में आ गया।

ओह नागराज! तुम नहीं जानते, पेरिस में तुम्हारा कितना केज है। इस न्यूज को पढ़ने के बाद हमारे ऑफिस में सुबह से हजारों फोन आ चुके हैं। और कल के अखबारों को देखना, तुम्हारा ही मचा देंगे।



टीना, प्रेसों की फाईट में तुम जरूर आना।

ओह नागराज, तुमने यह कहकर मुझे बहुत लज्जा दी है।



कुछ देर बाद -

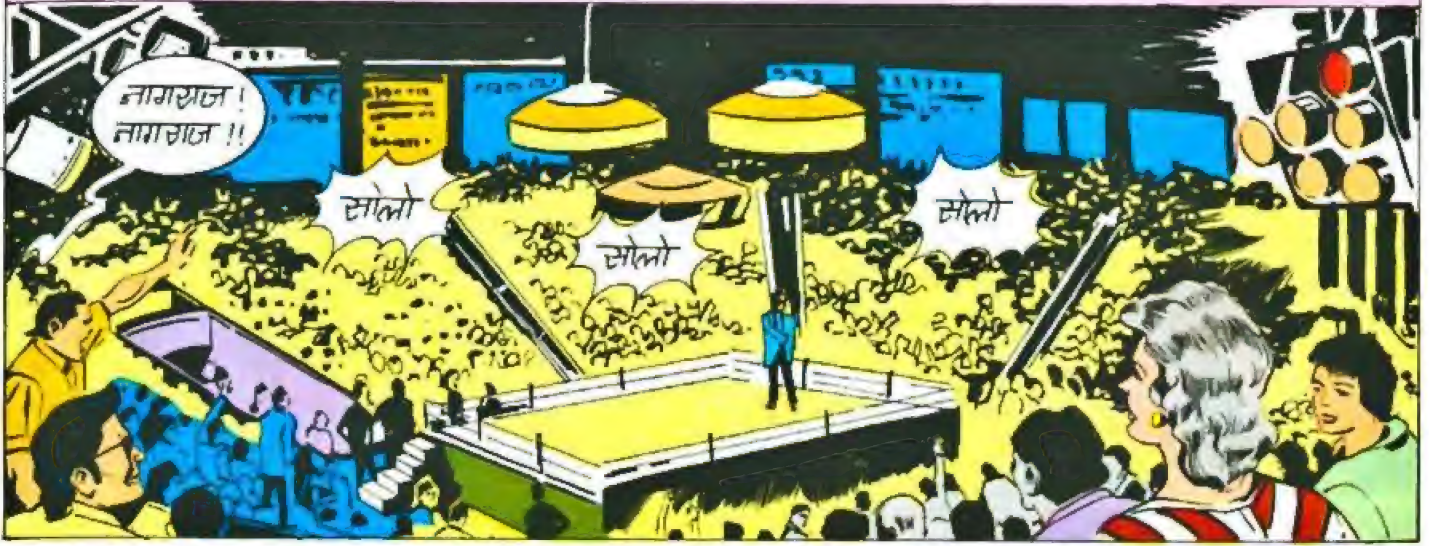
चलो नागराज, अब घर चलें।

चलो।





रविवार की शाम बहुत गरम थी, मौसम के कारण नहीं, नागराज और सोलो के बीच होने जा रही खूनी जंग के कारण। आज होने वाली फाईट के टिकट सुबह काउंटर खुलते ही हाथों-हाथ बिक गए थे। एरिना लोगों से ठसाठस भर चुका था। जहाँ अस्थिर भीड़ अपने हीरो सोलो के इंतजार में नारे लगा रही थी, वहीं सदाकदा नागराज का नाम भी दो-चार लोगों की जुबान पर था।



कुछ क्षणोंपरान्त नागराज एरिना में प्रविष्ट हुआ।

टीना ने आगे बढ़कर उसका स्वागत किया।

हॉल तालियों की गड़गड़ाहट और लोगों के शोर से हिल गया, जब सोलो भारी सुरक्षा में एरिना में प्रविष्ट हुआ।





सोलो रिंग में प्रविष्ट हुआ । दोनों ने अपनेओवरकोट उतार दिए ।



पहले राउण्ड का धप्पा बजते ही नागराज और सोलो एक दूसरे के सामने डट गए ।



कुछ क्षण नागराज को आंककर सोलो भयानक गति से आगे बढ़ा ।



इससे पहले कि सोलो नागराज से टकराता, नागराज फुर्ती से एक तरफ हट गया ।



वार खाली जाता देख, सोलो संभलकर खड़ा हो गया ।



सोलो ने एक भयानक झलांग भरि —





और अब नागराज नहीं बच पाया ।



सोलो के मजबूत पैरों की टक्कर उसकी छाती पर लगी...

...फलस्वरूप वह दूर जाकर गिरा ।



सोलो ने उसे संभलने का कोई मौका नहीं दिया...

...उसने हाथकर उसे उठाया...



...और सिर से ऊपर उठाकर...

...उद्बल दिया ।



नागराज हैफरी से टकराया और उसे लेता हुआ जमीन पर गिरा—



धड़ाम

आह

सारा माहौल सोलो-सोलो के नारों से गूँज उठा ।



रिंग के बाहर रखा कैफी नागराज को पिटता देख परेशान आ ।



इस बीच नागराज जवाब हो चुका था ।



सोलो एक बार फिर उछला ।



और नागराज को एकबार फिर सोलो की शक्तिशाली किक का सामना करना पड़ा ।



दर्शकों ने फिर तालियां बजाकर सोलो की सफलता का स्वागत किया ।

पुलसंकारी किक के तूफान से उबरते नागराज को सोलो ने बालों से पकड़कर उठाया और ...



... ताबड़-तोड़ धूलें बरसाने लगा ।



टन्न बेदम नागराज की फरिश्ताद समझ के साथ सुनी गई ।

घण्टे की आवाज के साथ पहला राउण्ड समाप्त हुआ ।

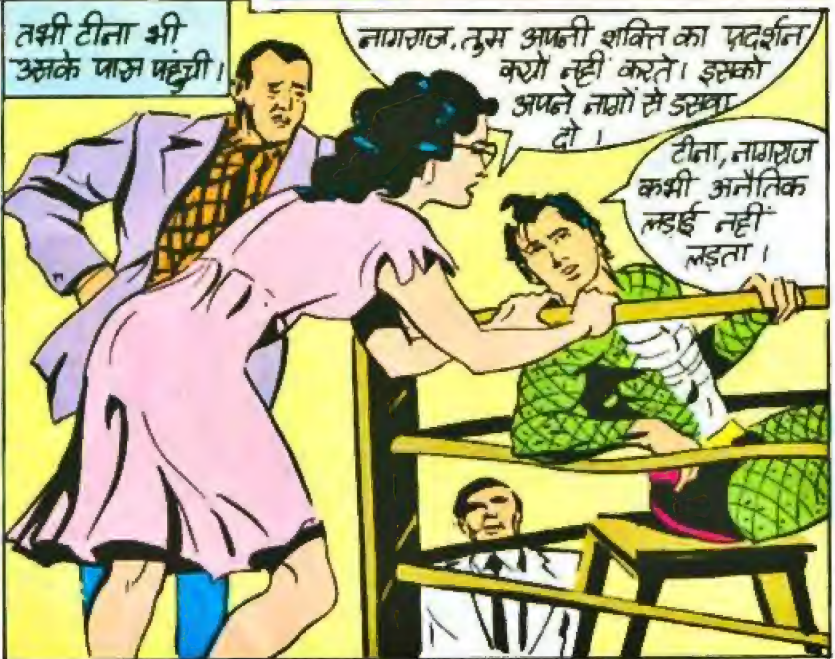
कैफी हाफटकर नागराज के पास पहुंचा ।

मरवा दिया तूने मुझे । लग गया मुझे घना दस लाख का । आगला राउण्ड व नहीं जीत सकता । वह चाकूबाजी से माहिर है ।



कैफी की बकवास नागराज चुपचाप सुनता रहा ।

तभी टीना भी उसके पास पहुंची ।



नागराज, तूम अपनी शक्ति का प्रदर्शन क्यों नहीं करते । इसको अपने नाशों से डरवा दो ।

टीना, नागराज कभी अनैतिक लड़ाई नहीं लड़ता ।



कुछ ही क्षणोपरान्त, दूसरे राउण्ड की शुरुआत का घण्टा बजा। नागराज और सोलो एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए।

सह लड़ाई तुम्हें इन चाकुओं से लड़नी है।

नागराज, कभी हथियारों से नहीं लड़ता। इन्हें अपने पास ही रखो।



रैफरी के इशारा करते ही सोलो ने पैर हवा में धुमाया...



...लेकिन नागराज ने उसका सह वार अपने हाथ पर रोका ...



... और एक सीधी किक उसके पेट में जड़ दी।



सोलो दर्द से दोहरा हो गया।

अगले ही क्षण नागराज की लात दुबारा धुसी।



फ्लक्सवर्थ सोलो पलटकर जमीन पर गिरा।

नागराज उसकी छाती पर सवार हो गया...



...और सोलो के मुँह पर बेतहाशा घुसे बरसाने लगा।

नागराज के स्वप्न में हलचल मची-

बेवकूफ ने चाकु भी तो छोड़ दिया वरना अभी खेल स्वप्न हो जाता। आज किस्मत ही स्वराज है।

नागराज  
नागराज





इसी बीच सोलो ने अपनी टंगा पीछे से निकालकर नागराज की छाती पर टिका दी।



और नागराज को पीछे धकेल दिया।

दोनों फुर्ती के साथ रुड़े हुए।



पहल की सोलो ने...

...उसने चाकू नागराज के पेट में धोप दिया।



जैसे वक्त उठर गया। दर्शकों में सन्नाटा छा गया।

लेकिन जब चाकू बाहर आया - सब भौंचक्के रह गए। न तो वहाँ धाव था और न ही खून।



और शोरखेवाजों को सबक सिखाना...

...नागराज को रुब्रुब करता है।



नागराज ने अपना दूसरा हाथ फ्रचण्ड वेग से धुमाया...

.. तो सोलो के पाव तक जमीन से उखड़ गए।



और दो दांत भी पेट में जड़ चुके।



नागराज ने हैरान और आहत सोलो को छात पकड़कर उठाया...



...और एक ही धुसे में...

...उसे रिंग की फेन्सिंग पर पलट दिया।



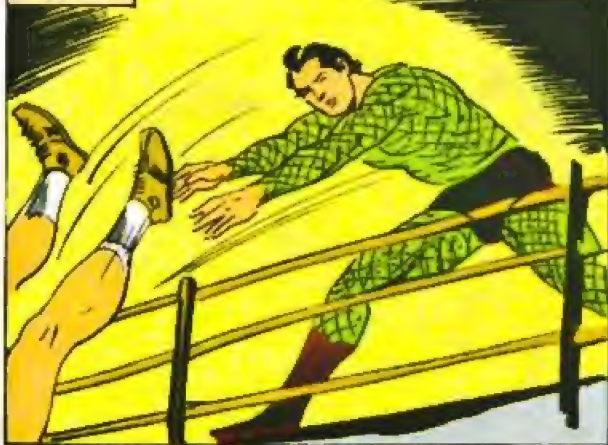
नागराज ने उसके दोनों पांव पकड़कर उसे अंदर रसींचा और...



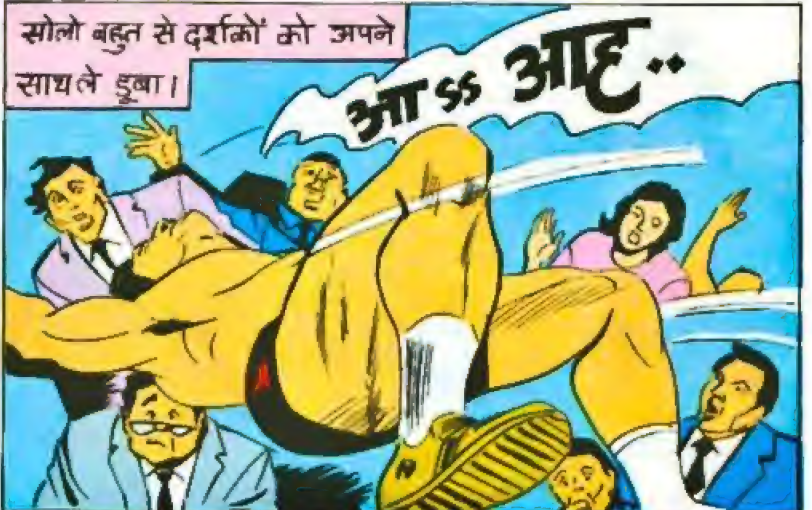
...उसके शरीर को तेजी से चारों तरफ घुमाने लगा।



फिर उसके शरीर को दर्शकों की तरफ उछाल दिया।



सोलो बहुत से दर्शकों को अपने साथ ले डूबा।





विजयी नागराज को लोगों ने कंधों पर उठा लिया...



बाद में डिप्लिवा नागराज से मिलने पहुंचा —











और डिमिल्ला के साथ मोप्ट कार्लो के लिए विमान पर सवार हो गया।



शीघ्र ही विमान मोप्ट कार्लो के एयरपोर्ट पर उतरा।

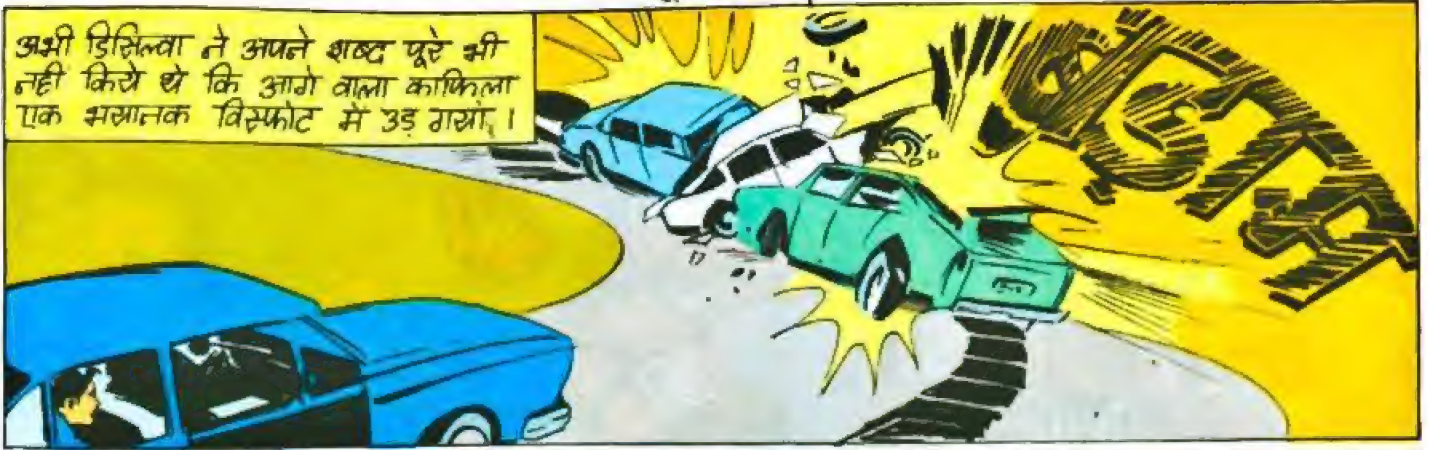


नागराज और डिमिल्ला होटल जाने के लिए एक टैक्सी पर सवार हो गए —





अभी डिसिल्वा ने अपने शब्द पूरे भी नहीं किये थे कि आगे वाला कारफिला एक भयानक विस्फोट में उड़ गया।



नागराज ! यह बम विस्फोट बारदी सुरंग का था और निश्चित ही सीमेंट का करारा हुआ था।



ड्राइवर ने टैक्सी रोकी...

... और मोड़कर दूसरी सड़क पर डाल दी —



हां, मुझे पता लगा है कि वह बारदी सुरंगों का विशेषज्ञ है। और आतंकवादियों को इसकी देनिंग देता है।

कुछ ही देर बाद टैक्सी होटल लाबेला के बाहर रुकी।



तुम तो उसके बारे में बहुत-कुछ जानते हो।

हां।

नागराज, तुम अंदर चलो। मैं तुमसे कल मिलूंगा।

ठीक है।



नागराज से विदा लेकर डिसिल्वा एक ओर बढ़ गया।



मोप्ट-कार्लो की झीड़ झरी सड़कों को रोदता हुआ, मोप्ट-कार्लो का तूफान हफ्टर अपनी छः सिलेंडर मोटर साईकिल पर उड़ा चला जा रहा था।



तूफान की तेजी से जब वह रैड ब्रिज की तरफ बढ़ रहा था - अचानक -



हफ्टर ने ब्रेक लगाए - किन्तु ब्राईक कारों से टकरा ही गई।





हण्टर मोटर साइकिल से उतरकर...



उसने कार को ड्राईवर समेत उठाया...



... और पुल से नीचे उछाल दिया।



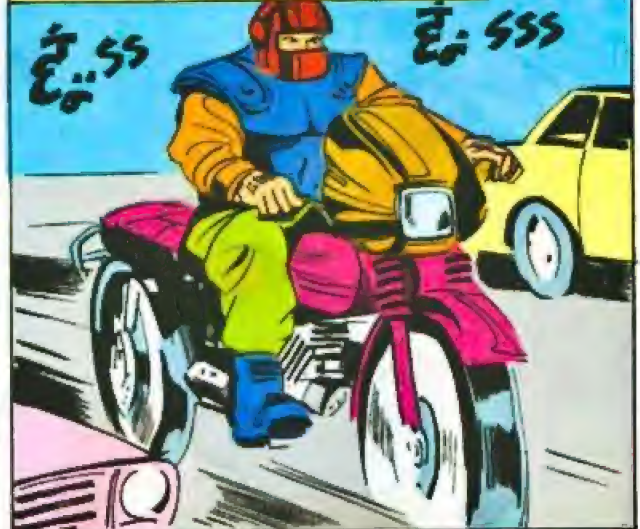
दूसरी कार भी उसी प्रकार नदी में समा गई।



तत्पश्चात हण्टर ने मोटर साइकिल उठाई...



... और सवार होकर आगे उड़ चला।

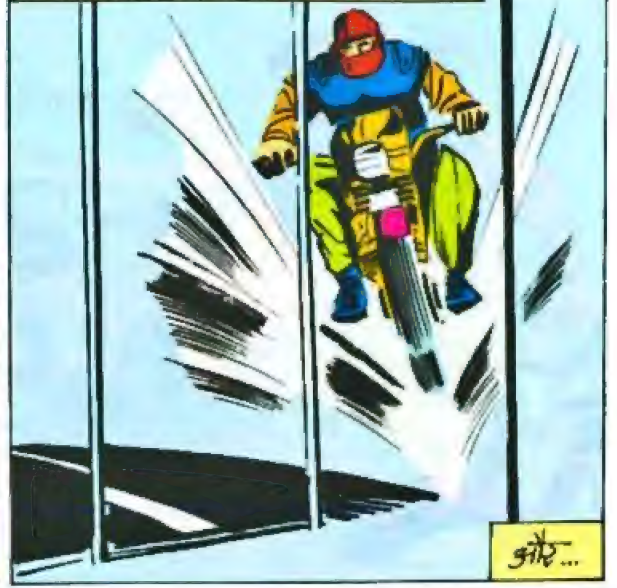




इधर होटल लाबेला में नागराज काफी शॉप में बैठा दूध पी रहा था।



तभी बुरे व्यक्ति ने होटल को आघेरा-



और...

...हण्टर होटल के शीशे तोड़ता हुआ अंदर घुस गया।



बता नागराज कहां है?



हण्टर ने रिसेप्शनिस्ट को उठाया...



... और कॉफी शॉप के शीशे के दरवाजे पर दे मारा।





और तेजी से अंदर आ गया ।



किसी को रुड़ा न होते देरन हफ्तर क्रोधवश चिधाड़ा —

मैं पछता हूँ कौन है नागराज ? जल्दी सामने आ जाय वरना सबको मौत के घाट उतार दूंगा ।



सबको चुप देरन वह आगे बढ़ा —

बोले ब, क्या तू है नागराज ?

नहीं ई ss



क्यों ब, तुम में से कोई...

फड़क



इससे पहले कि हफ्तर चौथे व्यक्ति की ओर दृष्टि बढ़ाता —

ठहरो !



वह नागराज की तरफ धूसा —

जिसकी तुम्हें तलाश है, वह मैं हूँ !

नागराज !





इसके साथ ही नागराज ने छलांग लगाई—



लेकिन हप्टर अपने स्थान से टस से मस न हुआ।

अगले ही पल नागराज ने सम्मिलकर हप्टर पर अपने ताकतवर धुंसे बरसाने शुरू कर दिए...



...किन्तु नागराज के फूटों का उसके फौलादी बकतरबन्द पर कोई असर न पड़ा।



...और नागराज के पैर धरती से उखड़ गये!



...रिसेप्शन काउण्टर के पास गिरा।

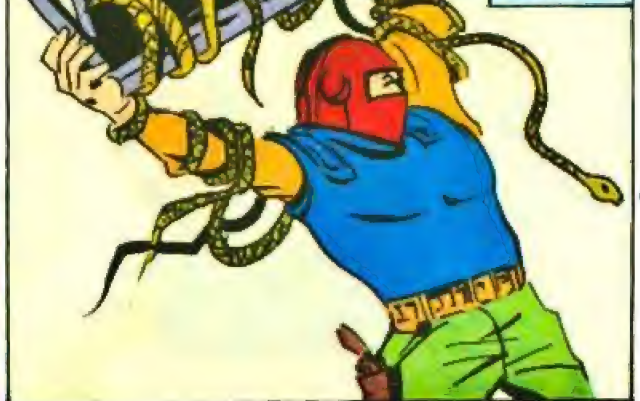
हप्टर ने एक बड़ी टेबल उठाई—



लेकिन इससे पहले कि वह उससे नागराज को कोई चोट पहुंचाता...



...नागराज ने टेबल समेत हप्टर को जकड़ लिया—





हप्टर ने अपनी शक्ति का हुक्का सा प्रदर्शन किया-



जिसके कारण नागों की पकड़ एक-दूसरे के शरीर से छूटने लगी...

...और अगले ही क्षण वह नागराज के अविजित नागों की पकड़ से आजाद था।



इसके साथ ही पत्थर की भारी मेज उसने नागराज की तरफ उछाल दी

नागराज एक तरफ हटकर उससे बचा-



उसने पास रखा टी.वी. उठाया और उछलकर पास आते हप्टर के सिर पर दे मारा।



और जब हप्टर ने टी.वी. सिर से निकाला...



...नागराज कहीं कहीं न था।

- क्या नागराज हप्टर से डरकर भाग गया ?
- सीमेंट कौन था ?
- क्या नागराज और सीमेंट का टकराव हो सका ?
- नागराज को हवाई जहाज से मौत के मुंह में गिराने वाला कौन था ?

नागराज एवं उसके नागों के हर पृष्ठ पर मनोरंजन करने वाले कारनामों के लिए पढ़ें -

**"प्रलयकारी नागराज"**





# प्रलयंकारी नागराज



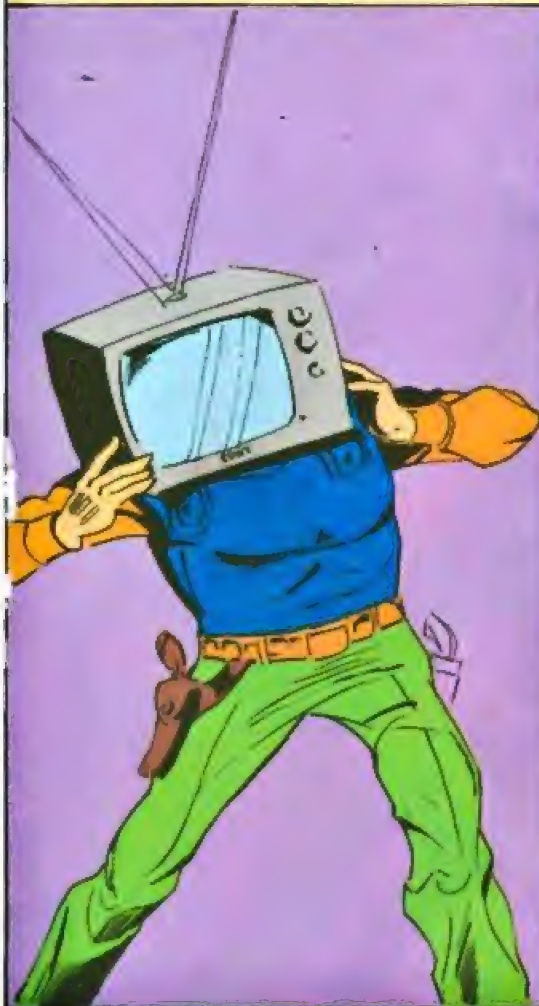


# प्रलयंकारी नागराज

● लेखक : राजा      ● कला दिग्दर्शक : प्रताप मुलीक      ● सम्पादक : मनीष गुप्ता  
● चित्रकार : मिलींद मुलीक, विनय कुमार

छूनी जंग में आपने पढ़ा :- न्यूयार्क के विलियम का स्वात्मा करने के बाद अब नागराज को सीमैन की तलाश थी। न्यूयार्क में उसके दोस्त डॉन ने उसे बताया कि मोण्टकाली में गैम्बलिंग फाइटर का संचालक डी-सिल्वा ही उसे सीमैन तक पहुँचा सकता है। नागराज मोण्टकाली के विमान पर सवार हुआ, लेकिन किन्हीं अज्ञात लोगों ने उसे उड़ते विमान से पैरिस शहर के ऊपर ही कूदने पर मजबूर कर दिया। लेकिन नागराज नागछतरी की मदद से बच गया। पैरिस के गैम्बलिंग फाइटर कैफी को हराकर वह डी-सिल्वा तक पहुँचता है। डी-सिल्वा उसे सीमैन से मिलाने के लिए अपने साथ मोण्टकाली लेकर पहुँचता है, और उसे एक होटल में ठहराकर गायब हो जाता है। नागराज जिस समय होटल के रेस्तराँ में बैठा दूध पी रहा था, मोण्टकाली का तूफान हफ्टर वहाँ आकर उसे ललकारता है। दोनों में जमकर लड़ाई होती है।...

... अंत में नागराज एक टेलीविजन उसके गले में डालकर भाग जाता है।



और जब हफ्टर ने टेलीविजन सिर से निकाला —



नागराज को गायब देख, वह होटल से बाहर निकल गया।

बाहर आकर हफ्टर ने ऊपर देखा, नागराज रेंगाता हुआ होटल की छत की ओर जा रहा था —

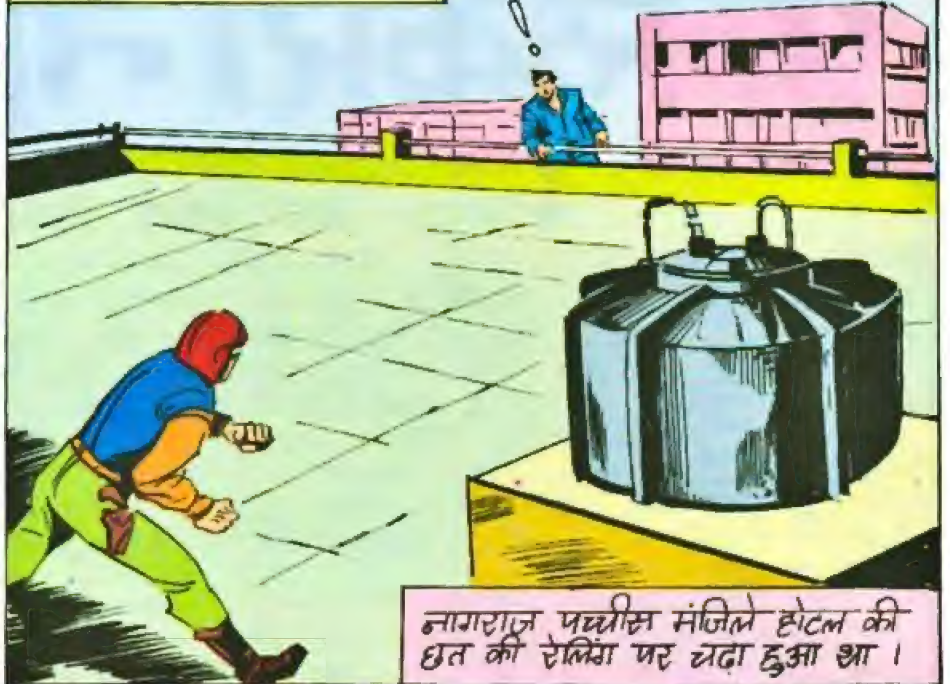




अगले ही पल हण्टर होटल की लिफ्ट में सवार हो गया —



हण्टर जब छत पर पहुँचा —



नागराज पच्चीस मंजिले होटल की छत की रेलिंग पर चढ़ा हुआ था।

हण्टर को देखते ही वह वापस नीचे की तरफ रंगत लगा —



हण्टर भागता हुआ रेलिंग तक पहुँचा —



तब तक नागराज आधा रास्ता तय कर चुका था।

हण्टर लपककर पानी की बड़ी टंकी के पास पहुँचा —





अगले ही पल टंकी उसके हाथों में थी।

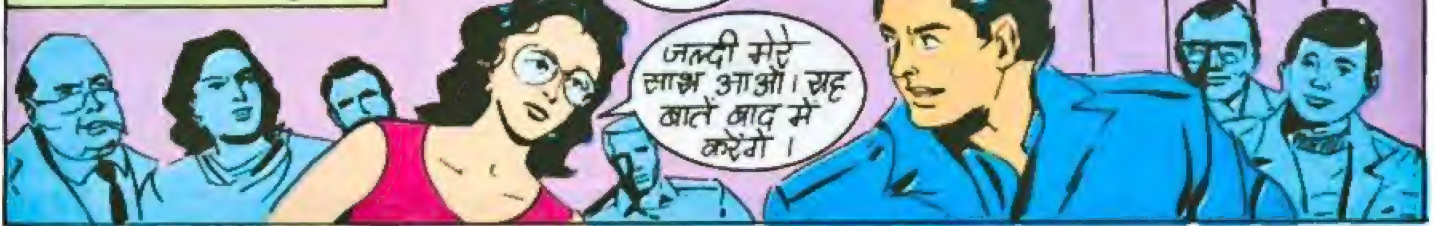


इसके नीचे दबकर उसकी छटनी बन जाएगी।

नागराज जब नीचे पहुंचा, उसे दीवार पर हंगला देखा वहां भीड़ लग गई थी।



तभी भीड़ को चीरती हुई टीना उसके पास पहुंची—



तुम यहां?

जल्दी मेरे साथ आओ। यह बातें बाद में करेंगे।

नागराज टीना के साथ कार में बैठा—



तुम यहां कब पहुंची?

आज ही!

टीना ने कार आगे बढ़ा दी।

कार के आगे बढ़ते ही ऊपर से फेंकी गई टंकी सड़क से टकराई—



पानी के जबरदस्त धक्के ने कार को भी हिला दिया।



ओह, यह क्या हुआ?

लगता है, यह भी हण्टर की ही शरारत है!



टीना ने कार वहां से निकाल दी—



टीना ! मैं यूरोप, यहां के अलंकवादी सीमेंट को खत्म करने आया हूं। इसी सिलसिले में मैं डी-सिल्टा के साथ यहां आया आ और सह तो शुरुआत है प्रलयकी !



तो इतना जो कुछ तुमने किया, क्या सब सीमेंट से मिलने के लिए ?

हां टीना !



लेकिन उस यहां कैसे पहुंची ?

कल मोप्टकारों में हुए धमाके में जो मंत्री मरा है...



... मैं इसी की खोजबीन के लिए यहां पहुंची हूं। वह धमाका बाबूदी सरंग का आ, जिसमें सीमेंट का ही हाथ आ।

सचि हम दोनों एक ही बल के पंछी हैं !





अचानक टीना चौकी, सामने से आता ट्रक तूफानी गति से कार की ओर ही बढ़ रहा था।

नागराज !  
मुझे इसका इरादा ठीक नहीं लगता !

हां टीना !



टीना ने कार को बचाने का भरसक प्रयत्न किया...

...लेकिन-



ट्रक कार को टक्कर मारकर ही आपो निकला और...

... कार रनवाई में गिरती चली गई...



...और एक पेड़ से टकराकर रुक गई-



नागराज और टीना बेहोश हो चुके थे -



तभी वातावरण हेलीकॉप्टर की आवाज से गुंज उठा -

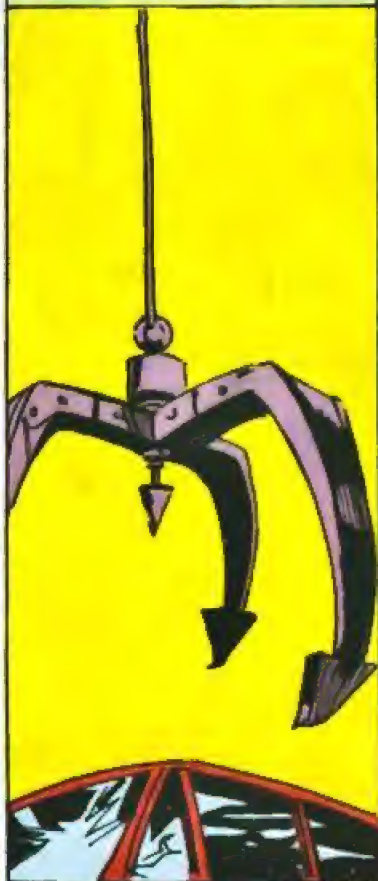




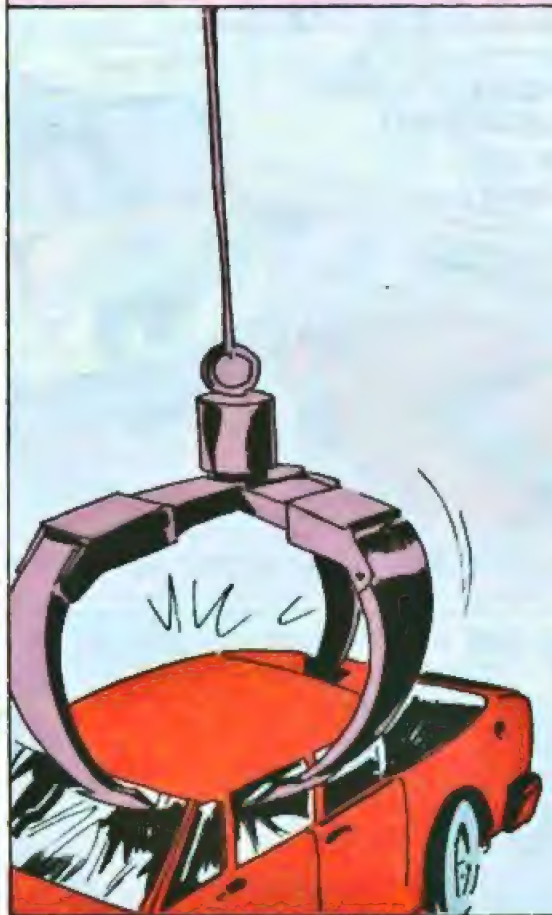
आसमान पर मंडराता  
हैलीकॉप्टर कार के अपर  
रिश्त हो गया ...



... फिर उसमें लटका  
शिकंजा नीचे आने लगा ...



... और कार की छत पर जम गया -



फिर शिकंजा कार समेत अपर  
उठने लगा -



... हैलीकॉप्टर कार को लेकर आगे बढ़ने लगा -



कुछ देर बाद हैलीकॉप्टर समुद्र के अपर मंडरा  
रहा था -



कार के जमीन से अपर उठते ही...



गहरे समुद्र के ऊपर पहुंचकर  
शिकंजा चुना और...



...कार समुद्र में जा  
गिरी...



...और डूबने लगी।

पानी से टकराते ही नागराज की चेतना जागी—



ओह...  
गुल्लुप...गुल्लुप...

सारा पानी ?  
तो क्या हम  
समुद्र में हैं ?

वह डूबती हुई कार से बाहर  
निकलना —



ओह ! मुझे  
जल्दी ही टीना  
को भी बाहर  
निकालना होगा !

तब तक टीना भी होश  
में आ चुकी थी —



ओह !  
सह क्या ?

वह भी कार से बाहर  
निकलने का प्रयास  
करने लगी।

नागराज ने टीना को बाहर  
निकलने में मदद की —





फिर दोनों तेजी से सतह की तरफ  
उठने लगे -



लेकिन ऊपर पहुँचते-पहुँचते टीना  
बिल्कुल बेदम हो गई थी -



नागराज !  
बचाओ ! मैं अब  
तैर नहीं सकती !

हिम्मत  
रखा टीना, मैं  
जो कुम्हारों  
साथ हूँ !

नागराज ने टीना को संभाला  
और अशाह समुद्र में अज्ञात  
दिशा की ओर तैरने लगा -



कई घंटे तैरने के बाद दूर एक  
जहाज नजर आया -



अहा, इस जहाज पर  
जल्द मदद मिलेगी !

नागराज ! क्या  
हम बच पायेंगे ?

कुछ ही घंटों की तैराकी के बाद नागराज  
जहाज तक पहुँचने में सफल हो गया -



उसने नागराज को छोड़ी ...











कुछ देर बाद जहाज उन्हें लेकर पोर्ट पर पहुँचा—



कुछ ही देर में वे डीसिल्ला के साथ सीमैन के हेड-क्वार्टर की तरफ बढ़ रहे थे।

नागराज! तुम्हारी रक्वायि श पूरी होने जा रही है।

हां टीना! इसीलिए मैं शांत बैठा हूँ।

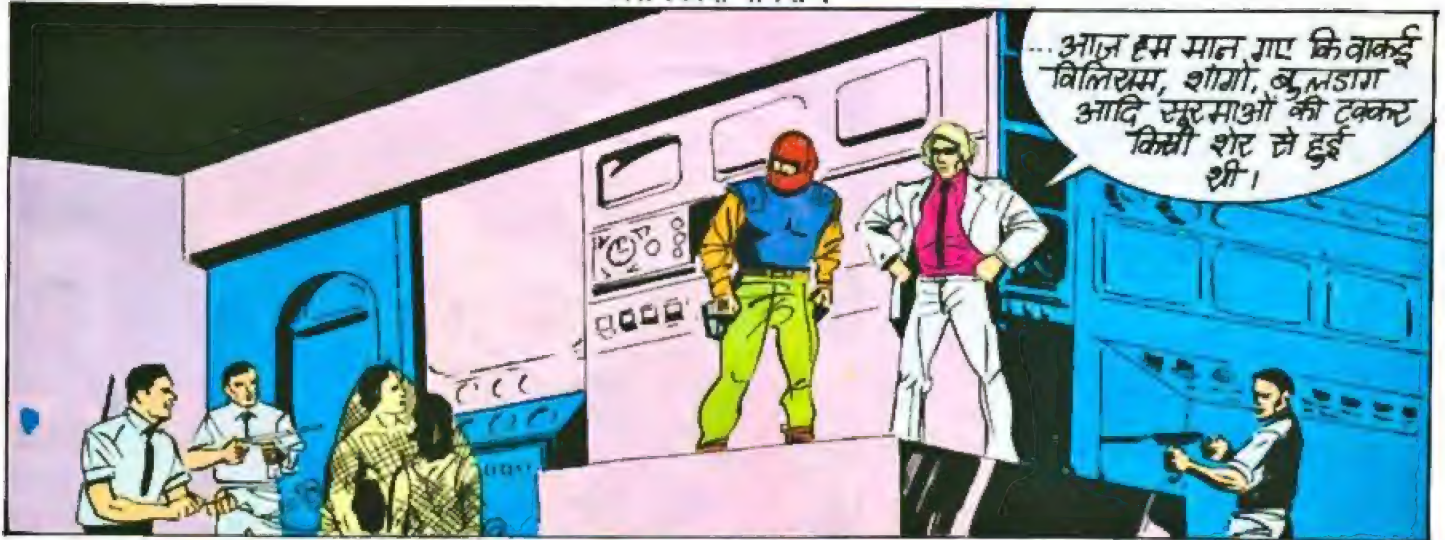


कुछ ही घंटों के सफर के बाद वे सीमैन के सामने थे।

निश्चय ही तुम बहादुर हो नागराज! हमने तुम्हें उड़ते प्लेन से नीचे फेंकवाया, तुम बच गए। सोलो और हण्टर जैसे महान योद्धाओं के चंगुल से भी बच निकले और फिर एक्सीडेंट के बाद समुद्र से भी वापस आ गए...









... और तब तक तुम मौत की कोठरी में कैद रहोगे। और हां, अगर तुमने इस बीच वहां से निकलने की कोशिश की तो सीमेंट मोण्टकालों के निवासियों को एक बेहतरीन तोहफा पेश करेगा, - नागराज का खून! हां, तुम्हारा खून बरसेगा मोण्टकालों के ऊपर।  
हा... हा... हा...



सीमेंट के आदेश पर उन्हें जाल से मुक्त कर दिया गया-



हण्टर उन्हें एक गोम इमारत के पास ले आया।



सब तेजी से इमारत में प्रवेश कर गए।

आगे उन्हें कई स्टेनगनधारियों का सामना करना पड़ा-



मोड़ धूमते ही सामने दीवार नजर आई-



हण्टर के बटन दबाते ही दीवार फर्श में समा गई।





उनके आगे बढ़ते ही दीवार फिर ऊपर आ गई—



क्या यह स्फुरंग कभी खत्म भी होगी?



अचानक हफ्टर रुक गया—

नागराज! जानते हो यह क्या है?

नहीं!



उसने एक गनमैन की गन ली और तालाब में डुबो दी—



तेजाब के तालाब में डुबते ही गन पिघल गई—



हा.. हा.. हा.. देरना इसका हफ्टर! कैसे पिघल गई यह इस तालाब में डुबकर!

इससे आगे कैसे जायेंगे हम?



तब हफ्टर ने हाथ में अपने रिमोट कंट्रोलर का एक बटन दबाया—



और तेजाब के उस तालाब पर शीशे का एक पुल बन गया।





पुल मार करके वे दीवार के पास पहुंचकर रुक गये-



टप्टर ने रिमोट कंट्रोलर का बटन दबाया-

दीवार एक तरफ हट गई।



सामने लिफ्ट नजर आने लगी

सब लिफ्ट में सवार हो गए-



और लिफ्ट उन्हें लेकर चल पड़ी।

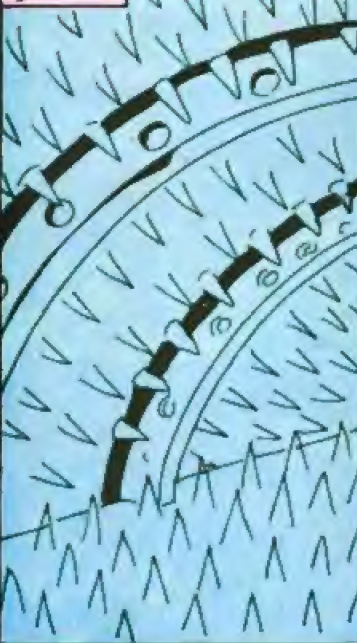
कुछ देर बाद लिफ्ट का दरवाजा खुला। वे फिर एक सुरंग में थे-



कुछ ही दूर चलकर उन्हें फिर रुक जाना पड़ा-



सुरंग के फर्श, छत व दीवारों से अनगिनत स्नेजर निकले हुए थे।



टप्टर ने वह अवरोध भी हटा दिया-



वे फिर आगे बढ़े और मोड़ पर मुड़ने के बाद रुक गये-



टप्टर ने उन्हें कुछ प्रश्नों से पहले ही फिर आगे बढ़ने के लिए मजबूर कर दिया।





इसने फिर रिमोट का बटन दबाया है। जल्द कुछ चक्कर है।



हफ्टर दीवार में लगे एक लीवर के पास रुका।



लीवर के धूमते ही दरवाजा खुल गया —

चलो अंदर!



दोनों को अंदर धकेलकर हफ्टर ने लीवर वापस स्वीचकर दरवाजा बंद कर दिया —



नागराज! जब तक सीमेंट वापस नहीं आ जाता, तूम रुहीं रहोगे।



नागराज! मैंने यह बटन दबा दिया है। इस सुरंग की छत, दीवार व फर्श में छिपी बाइबल की परतें सक्रिय हो उठी हैं। जारी सुरंग बाइबल बन गई है। हा... हा... हा... अलविदा!



ओह, नागराज! अब हमारा क्या होगा?

टीना, हमें यहां से बाहर निकलने का रास्ता खोजना पड़ेगा, पांच तारीख से पहले।



क्या मतलब?

टीना, आज तैस तारीख है। अगर हम पांच तारीख से पहले यहां से न निकले तो सीमेंट वह बाइबल सुरंग लेकर हिन्दुस्तान पहुंच जाएगा और...







साथ ही दरवाजा भी खुल गया—

ओह नागराज ! मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि हम आजाद हो गये हैं।

रुको टीना ! अभी नहीं ! इस खूनी सुरंग को मत भूलो !

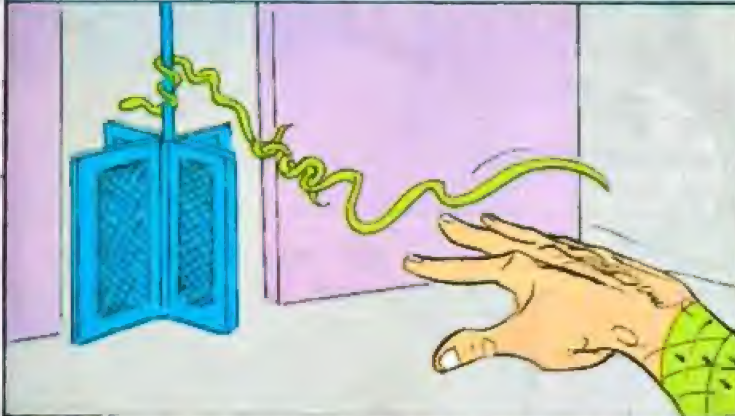


एकबार फिर नागराज ने कलाईयां सीधी की—



और नागराज के शरीर में विद्यमान असंख्य सर्पों की नागरस्सी चम पड़ी...

... और जाकर दरवाजे के खम्बे से ज़िपट गई—



अपनी कलाई वाला सिरा नागराज ने कोठरी के टीना, अब हम इस नागरस्सी जंगल से बांध दिया—

पर चल्कर यहाँ से बाहर निकलेंगे।



नागराज की बात सुनकर टीना का चेहरा उतर गया।

क्या हुआ टीना, तुम उदास क्यों हो गई ? क्या तुम...

हां, नागराज ! मैं इस रस्सी पर नहीं चढ़ सकती। मुझे तो जमीन पर भी खड़े होने से चक्कर आ रहे हैं।



आखिर वे तीन दिन से भूखे-प्यासे वहाँ पड़े थे।

लेकिन तुम मेरी फिक्र ना करो ! तुम यहाँ से निकल जाओ, इस ससार को तुम्हारी ज़रूरत है।

नहीं, टीना ! मैं तुम्हें छोड़कर यहाँ से नहीं जाऊंगा।





और नागराज उधलकर नागरस्ली पर चढ़ गया—



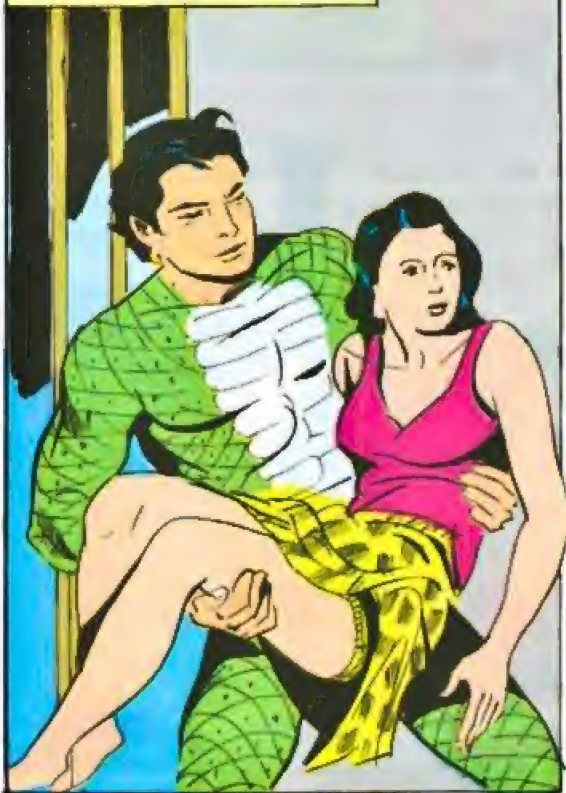
लेकिन नागराज ने टीना की एक ना सुनी और उसे अपनी बांहों में समेट लिया।



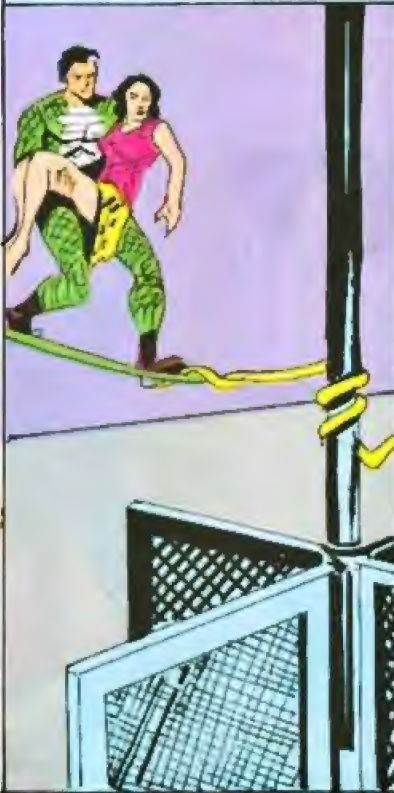
और फिर शुरू हुआ खूनी सफर—



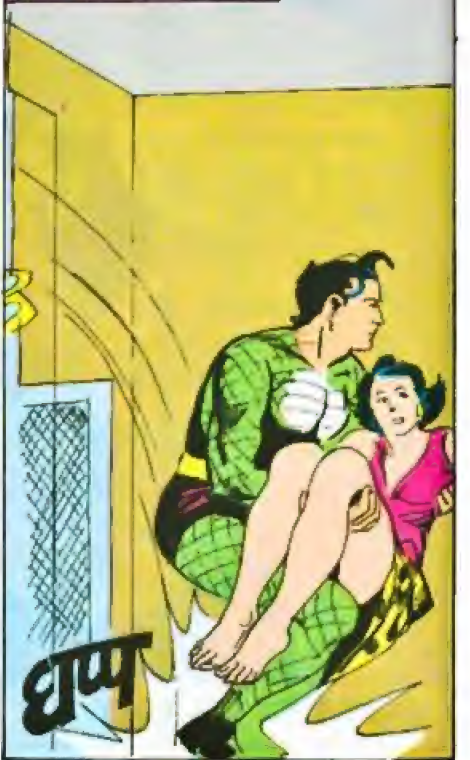
टीना को बांहों में उठाए...



... नजरें नागरस्ली पर जमाए...



... बड़ी सावधानी से उसने पूरा रास्ता तय किया—





नागराज व अपनी, मौत की कोठरी से वाफसी पर टीना बहुत आश्चर्यचकित थी -

ओह नागराज ! खुआर गेट ! मैंने तो बचने की उम्मीद ही छोड़ दी थी।



जल्दी चलो टीना ! अभी हमें और भी मुसीबतों का सामना करना है।

तभी बैरकों में बंद कैदियों ने उन्हें पुकारा -

माई, हमें भी यहाँ से निकाल लो ! हम यहाँ मर जायेंगे।

हां-हां, हमें बचा लो भइया ! तुम्हारी बड़ी कृपा होगी।



नागराज उनके समीप पहुंचा -

आप लोग यहाँ क्यों कैद हैं ?



हम सब सीमेंट के विरोधी वैज्ञानिक हैं। हमने उसके लिए बाइटी स्ट्रिंगों के निर्माण के लिए इंकार कर दिया...



...फलस्वरूप उसने हमें यहाँ डाल दिया। कुछ तो भूल से तड़पकर मर गए। कुछ डरकर सीमेंट से संसझाता कर बैठे... अब हम तड़पकर दम तोड़ देंगे।



नहीं... नागराज, तुम्हें न दबने देगा न मरने देगा।



नागराज ! कहीं तुम वही नागराज तो नहीं, जिसने विलियम, शांगो, बुलडाग इत्यादि का स्वात्मा किया है।





नागराज ने अपनी असीमित शक्ति के प्रयोग से जंगल को उखाड़ दिया —



उसी तरह नागराज ने बाकी सबको आजाद करा दिया।



उनकी आजादी की पहली रुकावट बने वे अनगणित चाकू —

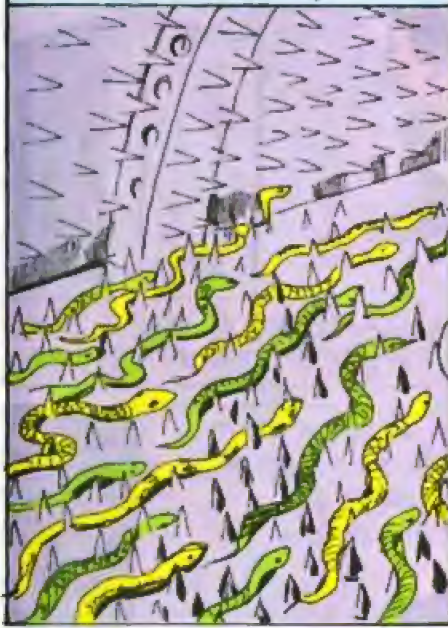


और कुछ ही देर बाद नागराज उधल पड़ा —





साँप चाकुओं के बीच रेंगते हुए दूसरे छोर तक पहुँच गए-



फिर एक के ऊपर एक नाग चढ़ते गये। और चाकुओं से भी ऊँचे हो गये-



अब हम इस नाग गलीचे पर चलकर उस पार पहुँचेंगे।

नागराज नाग गलीचे पर चलता हुआ आराम से दूसरी तरफ पहुँच गया-



अब आप सब भी एक-एक करके इधर आ जाएँ - किन्तु सावधानी से। आपके ज्यादा दिलाने से नागों को भी घोट लग सकती है।



इस तरह सब भारी-भारी से चलते हुए दूसरी तरफ पहुँच गए।

नाग वापस नागराज की कलाईयों में समा गये-



आगे उन्हें दीवार के पास रुकना पड़ा-



नागराज ! यह दरवाजा और लिफ्ट केवल रिमोट कंट्रोलर से ही खुल सकते हैं!

और वह है हण्टर के पास।





...और उसे तोड़ता हुआ नीचे चला गया।



काफी प्रयत्नों के बाद वह छत पर लगा टक्कन खोलने में सफल हो गया—





तभी दूटे हुए शीशों के सामने लिफ्ट आकर रुकी —

आप सब स्वाध्यायी से लिफ्ट में आ जाइए।



फिर सबके लिफ्ट में प्रविष्ट होते ही नागराज ने लिफ्ट का बटन दबा दिया —



कुछ देर नीचे जाने के बाद लिफ्ट स्थिर हो गई...

...वे सब बाहर आ गए...



किन्तु यह त्वरी ज्यादा देर न टिकी। आगे तेजस्र का तालाब जो मुह बाएँ स्पष्ट था —



नागराज! इसे किस तरह पार करेंगे?

दीना, एक ओर भी समस्या है। आज पार तारीख हो चुकी है..... हमें हर हालत में कल तक बाहर निकलना है।



अचानक एक शुद्ध से व्याकुल वैज्ञानिक उठा और तालाब की तरफ भागा —

मैं पार करूँगा इसे... मैं अभी तैरकर उस पार पहुँच जाऊँगा।





.... उसने तालाब में छलांग लगा दी—



अगले ही क्षण उसकी हड्डियों का भी पता न चला।



नागराज अब हर तरह से निरभ्रा हो चुका था—



अचानक उसकी कलाईयों से नागनाथ एवं नागानन्द के नेतृत्व में बहुत से नाग निकले—



...और नागराज की रूप में तालाब के उस पार उड़ चले—



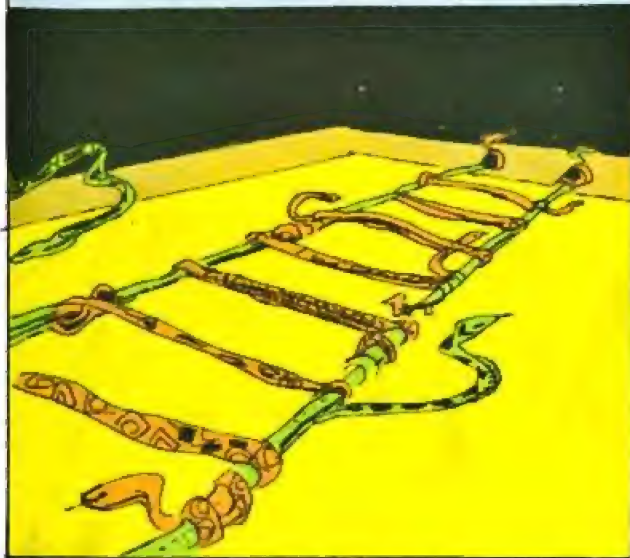
फिर दूसरी तरफ किनारे पर मौजूद कुण्डों में लिपट गए।



और नागराज की अंतिम सिंहा इस तरफ के किनारे पर लगे कुण्डों में लिपट गया।



और तेजाब के तालाब पर नाग एक पुल बनाने लगे—



कुछ ही क्षणों में पुल बनकर तैयार हो गया।



कुछ ही पलों में वे सब तेजाब का भयानक तालाब पार कर गए—



नागराज ने कलाहियाँ सीधी की और नाग वापस उसकी कलाहियों में समाते लगे—



कुछ क्षणों परान्त वे दीवार के सामने खड़े थे—







नागराज दीवार पर चढ़ा...



...और दूसरी तरफ कूद गया



फिर नागराज ने नागरहस्सी छोड़ी—



नागरहस्सी के सहारे दीवार पर चढ़कर...



...वे सब दूसरी तरफ कूद गए—





इधर सीमेंट के सीनिक सुरतीदी से पहरा दे रहे थे—



तभी उन्हें बहुत से साँपों ने घेर लिया—



और कुछ देर बाद—



मौत के किले से बाहर निकलकर वे एक इमारत के सामने पहुँचकर रुक गए—



सुरंग के सैनिकों की स्टैनगनों की मदद से उन्होंने कारखाने के पहरेदारों का जमकर मुकाबला किया।





और कुछ ही देर बाद पहरेदारों पर काबू पाकर वे कारखाने में प्रविष्ट हो गए।

प्रोफेसर! क्या ऐसा हो सकता है कि यह पूरा कारखाना एक घंटे बाद इसी बास्ते से ध्वस्त हो जाए?



हां, हम ऐसा कर सकते हैं।

सभी वैज्ञानिक तेजी से कार्य में जुट गए।



तभी वहां भारते हुए कदमों की आवाज सुनने लगी—

अगले ही पल उन्हें ही-सिल्वा व उसके साथियों ने घेर लिया—



किन्तु इससे पहले कि कोई भी अपनी जगह से हिलता, नागराज ने जहरीले नागों ने उन्हें ठसकर रामपुरी पहुंचा दिया—



अपने साथियों को सहते देख ही-सिल्वा कोप उठा—

नागराज! मुझे साफ कर दो। मुझे मत मारना। मैं तुम्हारा गुजाम हूँ।



कहने के साथ ही नागराज ने ही-सिल्वा के चेहरे पर अपने मुंह से जहरीली फुंकार साटी....



...और अगली सांस ही-सिल्वा के जीवन की आखिरी सांस बन गई।



तभी कारखाने में इंजन का तेज शोर गुंजने लगा...



...और अगले ही क्षण हफ्टर की मोटर-साइकिल वहां आकर रुकी-



वह मोटर-साइकिल से उतरकर गरजा -

नागराज! इन्हें मारकर  
तुम न समझना कि तुम जीत  
गये। मैं अकेला ही तुम सबके  
लिए काफी हूँ।

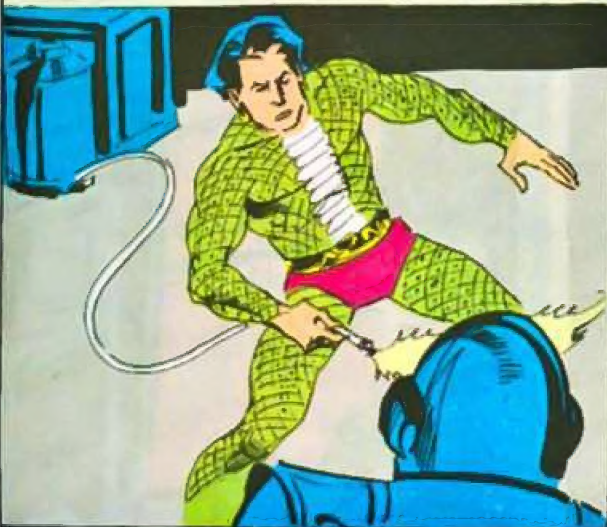


और अगले ही पल...



...हफ्टर के जोरदार धार ने जहां नागराज  
का सिर रुकना दिया वही उसके दिमाग में एक विचार भी आया..

....उसने नीचे रखी वैलिंग मशीन की चालू किया  
और तार लेकर हफ्टर के सामने कूद पड़ा -



उस आग की प्रचण्ड गर्मी  
ने हफ्टर के बख्तरबंद को  
बुरी तरह गरम कर दिया -



आह!

हफ्टर बुरी तरह झुलसने लगा!



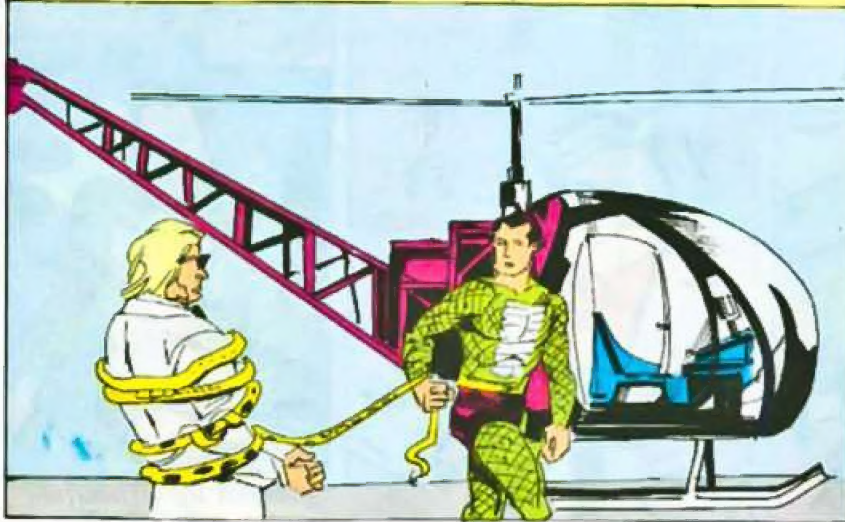








नागराज सीमैन को लेकर हेलीकॉप्टर में पहुंचा—



कुछ ही क्षणों में हेलीकॉप्टर आकाश की ऊंचाइयों में उड़ रहा था।

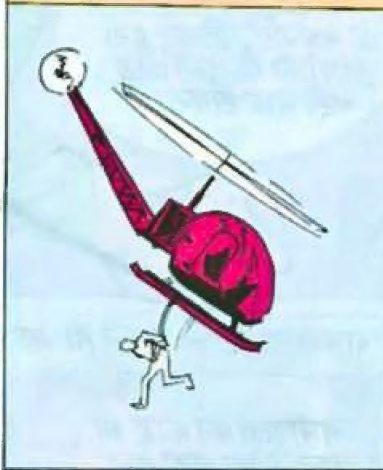
सीमैन! आज पांच तारीख है और तुम भारत नहीं बल्कि पेरिस की जेल में जा रहे हो!



नागराज, सीमैन जिया है शान से और मरेगा भी शान से।



वह उठा और हेलीकॉप्टर के टार से बाहर कूद गया। किन्तु अभी वह नागराज से बंधा हुआ था।



फलस्वरूप वह हेलीकॉप्टर के नीचे लटका रह गया।



तभी उसका शरीर एक कारखाने की ऊंची चिमनी से टकराया—



उसके शरीर के चीरते उड़ गए--

आज वाकई सोण्टकाली पर ध्वन की धांसि हो रही थी....



.... लेकिन नागराज के ध्वन की नहीं, सीमैन के ध्वन की।